THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 265 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.2 2080 गुरुवार, 14 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

संसद हमले की बरसी पर सुरक्षा धराशायी

विजिटर्स गैलरी से 2 लोग लोकसभा में कूदे, पीला धुआं छोड़ा-पन्नू ने धमकी दी थी

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी पर सदन में उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब विजिटर्स गैलरी से 2 युवक अचानक नीचे कूद गए। उस समय लोकसभा में बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू अपनी बात रख रहे थे। वे सदन की बेंच पर कूदने लगे। युवकों ने जूते में कुछ स्प्रे छिपा रखा था। उसे निकालकर स्प्रे किया, जिससे सदन में पीला धुआं फैलने लगा। पूरे सदन में अफरा-तफरी का माहौल था। इसके बाद सांसदों ने उसे पकड़ लिया। कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने बताया कि मैंने उसे सबसे पहले पकड़ा। कुछ ने दोनों की पिटाई भी की। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों को सौंप दिया गया। इसे देख स्पीकर ने सदन की कार्यवाही को दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दिया। इससे पहले पुरानी संसद की इमारत में 13 दिसंबर, 2001 को 5 आतंकियों ने हमला किया था। इसमें दिल्ली पुलिस के 5 जवान समेत 9 लोगों की मौत हुई थी।

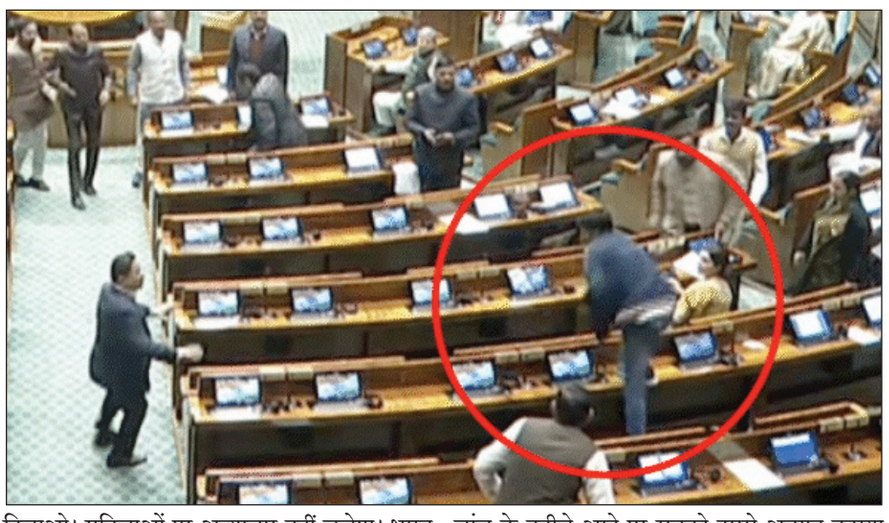

कुल 4 लोग थे, दो सदन के अंदर और दो बाहर

बताया जा रहा है कि जो दो लोग कार्यवाही के दौरान घुसे, उनमें एक का नाम सागर है। दोनों सांसद विजिटर पास पर सदन में आए थे। वहीं, सदन के बाहर एक महिला और पुरुष ने पीले रंग का धुआं छोड़ा। इनका नाम अमोल और नीलम है। इनके पास से कोई फोन या बैग बरामद नहीं हुआ। बाहर से गिरफ्तार हुए दोनों लोगों का दावा है कि खुद से संसद पहुंचे और उनका किसी संगठन से ताल्लुक नहीं है।

नीलम ने नारेबाजी की। कहा, 'तानाशाही नहीं चलेगी। संविधान बचाओ। मणिपुर को इंसाफ दिलाओ। महिलाओं पर अत्याचार नहीं चलेगा। भारत माता की जय। जय भीम, जय भारत।' यह घटना दोपहर एक बजे की है। इसके बाद दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। आते ही लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा- अभी हुई घटना सबकी चिंता का विषय है। इसकी जांच जारी है। दिल्ली पुलिस को भी जांच के आदेश दे दिए गए हैं। शुरुआती जांच में वह साधारण धुआं था। डिटेल जांच के नतीजे आने पर सबको इससे अवगत कराया जाएगा। इस मामले पर डीएमके सांसद टीआर बालू ने सवाल पूछना चाहा, तो स्पीकर ने कहा कि दोनों लोग पकड़ लिए गए हैं। उनके पास मिले सामान को जब्त कर लिया गया है। जो दो लोग सदन के बाहर थे, उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके बाद कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि 2001 में संसद पर हमला हुआ था। आज फिर इसी दिन हमला हुआ है। क्या इससे साबित होता है कि सुरक्षा में चूक हुई है।

खगेन मुर्मू ने कहा-मुझे लगा कोई आ रहा है

लोकसभा सांसद खगेन मुर्मू ने बताया, 'मैं स्पीच दे रहा था। तभी दाईं तरफ से आवाज आई तो मुझे पता चला कि कोई आ रहा है। सामने की तरफ से सांसद और सिक्योरिटी गार्ड पकड़ो-पकड़ो चिल्लाने लगे। वे हाथ में कुछ लिए थे, जिससे धुआं निकल रहा था। सदन धुएं से भर गया। युवक सीधे स्पीकर की तरफ जा रहे थे। तानाशाही नहीं चलेगी का नारा लगा रहे थे। उस वक्त स्पीकर की कुर्सी पर राजेंद्र अग्रवाल बैठे थे।' कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने गैलरी में कूदे शख्स को पकड़ा। उनके हाथ में भी पीला रंग लग गया। **कार्ति चिदंबरम (कांग्रेस)-** अचानक दो लोग विजिटर गैलरी से लोकसभा में कूदे। दोनों की उम्र करीब 20 साल है। ये लोग कनस्तर लिए हुए थे। इन कनस्तरों में पीले रंग की गैस निकल रही थी। दोनों में से एक व्यक्ति दौड़कर स्पीकर की चेयर के सामने पहुंच गया था। वे कोई नारे लगा रहे थे। आशंका है कि ये गैस जहरीली हो सकती है। 13 दिसंबर 2001 के बाद ये फिर संसद की सुरक्षा में चूक का बड़ा मामला है।

अधीर रंजन चौधरी (कांग्रेस)- दो लोग गैलरी से कूदे। उन्होंने कुछ फेंका, जिससे गैस निकल रही थी। उन्हें सांसदों ने पकड़ लिया और फिर सुरक्षा अधिकारियों ने बाहर कर दिया। यह सुरक्षा में चूक तब हुई है, जब संसद हमले की 22वीं बरसी है।

सुदीप बंद्योपाध्याय (टीएमसी)- ये डरावना अनुभव था। संसद में अचानक दो लोग कूद गए। उनका मकसद क्या था, कोई नहीं जानता। वो धमाका कर सकते थे, किसी को गोली मार सकते थे। हम सभी तुरंत सदन से बाहर चले गए, लेकिन यह एक सुरक्षा चूक थी। वे धुआं छोड़ने वाले इंस्ट्रूमेंट के साथ कैसे प्रवेश कर सकते थे? शिवसेना (उद्धव गुट) सांसद अरविंद सावंत- लोकसभा में अचानक दो लोग गैलरी से कूद पड़े। फिर दोनों बेंच के ऊपर से कूदने लगे। एक ने अपना जूता उतार लिया। सांसदों ने उसे पकड़ लिया। तभी अचानक पीले रंग की गैस निकलने लगी। शायद उनके जूते से गैस निकल रही थी। >14

पन्नू ने दी थी संसद पर हमले की धमकी

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने संसद पर हमले की धमकी दी थी। इसके बाद से ही दिल्ली पुलिस अलर्ट पर थी। अमेरिका में रहने वाले पन्नू ने वीडियो जारी करके कहा था- हम संसद पर हमले की बरसी वाले दिन यानी 13 दिसंबर या इससे पहले संसद की नींव हिला देंगे।

पन्नू ने संसद पर हमले के दोषी अफजल गुरू के साथ एक पोस्टर जारी किया था। पन्नू का वीडियो सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा था- किसी को भी कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। जब संसद चलती है, तो हम हाई अलर्ट पर रहते हैं ताकि कोई भी किसी तरह की गड़बड़ी न फैला सके।

मोहन यादव एमपी के 19वें मुख्यमंत्री

भोपाल, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। वे एमपी के 19वें मुख्यमंत्री हैं। भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में शपथ ग्रहण समारोह सिर्फ 10 मिनट का रहा। जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल ने डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ग्रहण की। राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने सभी को शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत 11 राज्यों के मुख्यमंत्री इस समारोह में शामिल हुए। राजभवन में सीएम और डिप्टी सीएम के साथ पीएम नरेंद्र मोदी ने चर्चा भी की। इसके बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन जाकर महाकाल के दर्शन किए।

शपथ लेने से पहले मोहन यादव ने कहा, 'सभी को साथ लेकर चलूंगा और सुशासन सुनिश्चित करूंगा।' शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि नए मुख्यमंत्री राज्य में समृद्धि, विकास और जन कल्याण को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। मित्रों, अब विदा। जस की तस धर दीनी चदरिया...।' मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को सुबह 11:30 बजे स्थिर लग्न और शुभ चौघड़िया में शपथ ली। पं. चंदन श्यामनारायण व्यास ने बताया कि सुबह 11 बजे से 12:20 बजे तक शुभ चौघड़िया रहा। इसके साथ ही 11:09 से 12:42 बजे तक स्थिर कुंभ लग्न था। यह शनि का लग्न है। शनि न्याय के देवता हैं। इस दौरान शपथ लेने से लंबा कार्यकाल मुख्यमंत्री का रहेगा।

बर्द्धमान रेलवे स्टेशन पर पानी की टंकी गिरी

ट्रेन का इंतजार कर रहे तीन पैसेंजर्स की मौत, 15 घायल-3 की हालत गंभीर

कोलकाता, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बर्द्धमान रेलवे स्टेशन पर बुधवार (13 दिसंबर) को पानी की टंकी प्लेटफॉर्म पर गिर गई। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई। 15 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर है। सभी लोग प्लेटफॉर्म पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।

घटना के बाद रेलवे के अधिकारी और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और टंकी के नीचे दबे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम भी रेस्क्यू के लिए पहुंची। सभी घायलों को अस्पताल भेजा गया है।

रेलवे ने बताया कि पानी की टंकी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 3 पर गिरी। टंकी का कुछ हिस्सा रेलवे ट्रैक पर भी गिरा। इससे वहां पड़े पत्थर उछलकर पैसेंजर्स को लग गए। इससे भी कई लोग घायल हुए। प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 3 पर फिलहाल रेल सेवाएं रोक दी गई हैं। प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 4 पर ट्रेन चल रही हैं।

रेलवे ने 3 अधिकारियों को सस्पेंड किया

इस घटना के बाद रेलवे ने 3 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि पानी के टंकी की क्षमता 53 हजार गैलन की है। यह टंकी काफी पुराना था। जिस वजह से इसके टूटने की आशंका जताई जा रही है।

महादेव बेटिंग ऐप का मालिक रवि उप्पल यूएई में गिरफ्तार

जल्द भारत लाने की तैयारी-मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी जांच कर रही है

रायपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप के सह संस्थापक रवि उप्पल को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में गिरफ्तार कर लिया गया है। रवि भारत में वांटेड है। भारतीय एजेंसियां वहां के अधिकारियों के संपर्क में हैं। रवि को जल्द ही भारत लाया जा सकता है। प्रवर्तन निदेशालय के कहने पर इंटरपोल ने रवि उप्पल के खिलाफ पहले ही रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। माना जा रहा है कि इसके बाद सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी भी जल्द हो सकती है। पुलिस को उसकी लोकेशन की जानकारी मिल गई है। महादेव ऐप छत्तीसगढ़ में बड़ा चुनावी मुद्दा था। इसे बीजेपी ने अपने आरोप पत्र और चुनावी घोषणा पत्र में भी शामिल किया था। पार्टी ने सरकार बनने पर कड़ी कार्रवाई का ऐलान किया था। मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी महादेव ऐप जांच कर रही है। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ पुलिस और मुंबई पुलिस भी जांच में जुटी है। ईडी ने अक्टूबर में रायपुर में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत के सामने उप्पल और उसके पार्टनर सौरभ चंद्राकर के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। ईडी ने 2 महीने पहले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप केस में मुंबई, कोलकाता और भोपाल में करीब 39 ठिकानों पर छापेमारी कर 417 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी। रवि उप्पल साथी सौरभ चंद्राकर के साथ यूएई में रह रहा था। केंद्र सरकार ने 1 महीने पहले ही महादेव सट्टेबाजी ऐप समेत 22 अवैध सट्टेबाजी ऐप्स और वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया था। 2017 में रवि और सौरभ ने मिलकर ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए पैसा कमाने के लिए एक वेबसाइट बनाई थी।

हालांकि, शुरुआत में इस वेबसाइट के कम यूजर्स थे और इससे काफी कम कमाई होती थी। 2019 में नौकरी के लिए सौरभ दुबई चला गया।

लोकसभा में कूदने वाला युवक भाजपा सांसद का मेहमान था : दानिश अली

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। बसपा से निष्कासित लोकसभा सांसद दानिश अली ने दर्शक दीर्घा से लोकसभा में कूदने वाले युवकों में से एक युवक के लोकसभा के पास की तस्वीर को शेयर करते हुए एक्स पर पोस्ट कर यह दावा किया है कि वह व्यक्ति भाजपा सांसद का मेहमान था। उस व्यक्ति का पास भाजपा सांसद की सिफारिश पर बनाया गया था।

दानिश अली ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 21 साल पहले इसी दिन (13 दिसंबर) संसद पर हुए हमले की दिल दहला देने वाली याद दिलाते हुए, एक व्यक्ति दर्शक दीर्घा से लोकसभा सांसदों के क्षेत्र में कूद गया। इस उल्लंघन से सांसदों की जान खतरे में पड़ सकती थी। वह शख्स भाजपा सांसद का मेहमान था।

संसद हमले के 22 साल : उपराष्ट्रपति-स्पीकर ने दी श्रद्धांजलि

मोदी-शाह, खड़गे और सोनिया मौजूद रहे, पीएम शहीदों के परिवार से भी मिले

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले को आज 22 साल हो गए हैं। संसद के शीतकालीन सत्र के आज आठवें दिन (13 दिसंबर) की कार्यवाही शुरू होने से पहले पीएम मोदी समेत कई नेताओं और सांसदों ने हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मोदी और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शहीदों के परिवार से मुलाकात की। संसद भवन के बाहर श्रद्धांजलि स्थल पर पीएम मोदी के साथ गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, सांसद जेपी नड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद सोनिया गांधी समेत कई नेता मौजूद थे। पीएण मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-आज, हम 2001 में संसद हमले में शहीद हुए बहादुर सुरक्षाकर्मियों को याद कर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। उनका साहस और बलिदान हम हमेशा याद रखेंगे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- 2001 में हमारी संसद पर हुए हमले के दौरान शहीद हुए साहसी सुरक्षाकर्मियों के बलिदान के लिए देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। आतंकवाद पूरी दुनिया में मानवता के लिए एक खतरा बना हुआ है। इसे खत्म करने के लिए विश्व के सभी देशों को एकजुट होना होगा। बता दें कि 13 दिसंबर 2001 को संसद में विंटर सेशन चल रहा था। इस दिन भी महिला आरक्षण बिल पर चर्चा होनी थी, लेकिन 11:02 बजे संसद को स्थगित कर दिया गया था। करीब साढ़े ग्यारह बजे उपराष्ट्रपति के सिक्योरिटी गार्ड उनके बाहर आने का इंतजार कर रहे थे और तभी सफेद ऐंबेसेडर में सवार 5 आतंकी गेट नंबर-12 से संसद के अंदर घुस गए। उस समय सिक्योरिटी गार्ड निहत्थे हुआ करते थे। ये सब देखकर सिक्योरिटी गार्ड ने उस ऐंबेसेडर कार के पीछे दौड़ लगा दी। तभी आतंकियों की कार उपराष्ट्रपति की कार से टकरा गई। इसके बाद आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। आतंकियों के पास एके-47 और हैंडग्रेनेड थे।

इसके बाद संसद भवन में मौजूद सीआरपीएफ की बटालियन अलर्ट हो गई। उस वक्त सदन में देश के गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी, प्रमोद महाजन समेत कई बड़े नेता और पत्रकार मौजूद थे। सभी को संसद के अंदर ही सुरक्षित रहने को कहा गया। इस बीच एक आतंकी ने गेट नंबर-1 से सदन में घुसने की कोशिश की, लेकिन सिक्योरिटी फोर्सेस ने उसे वहीं मार गिराया। >14

अनुच्छेद 370 पर 'सुप्रीम' फैसले पर ओआईसी के बयान पर भारत सख्त

खंडन करते हुए गलत इरादे वाला करार दिया

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले पर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के जनरल सचिवालय द्वारा जारी बयान को भारत ने खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इस संबंध में बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि भारत भारतीय सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के जनरल सचिवालय द्वारा जारी बयान को खारिज करता है। यह गलत सूचना और गलत इरादे वाला है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के ओआईसी के फैसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ओआईसी ऐसा मानवाधिकारों के सिलसिलेवार उल्लंघनकर्ता और सीमा पार आतंकवाद के एक बेपरवाह प्रमोटर के इशारे पर करता है, जिससे उसकी कार्रवाई और भी संदिग्ध हो जाती है। ऐसे बयान केवल ओआईसी की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं। गौरतलब है कि बीते मंगलवार को ओआईसी के जनरल सेक्रेटेरिएट ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने को लेकर भारतीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ बयान दिया था। इतना ही नहीं इस्लामिक सहयोग संगठन के महासचिव ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ अपनी एकजुटता की भी पुष्टि की थी।

एशियन रिसर्फेसिंग मामले में फैसला सुरक्षित

पांच न्यायधीशों की संविधान पीठ कर रही थी सुनवाई

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एशियन रिसर्फेसिंग मामले पर 2018 के अपने फैसले पर पुनर्विचार की याचिका पर सुनवाई पूरी करते हुए बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ इस याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

इस मामले में आदेश दिया गया था कि छह महीने की समय सीमा समाप्त होने पर सभी दीवानी और आपराधिक मामलों में कार्रवाई पर स्टे खुद ब खुद खत्म हो जाएगा, जब तक कि इसे दोबारा से बढ़ाया नहीं जाता है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इस साल एक दिसंबर को अपने 2018 के फैसले पर पुनर्विचार के लिए संदर्भ पांच न्यायाधीशों की पीठ को भेजा था। इसके बाद, संविधान पीठ ने 2018 के फैसले से पैदा हुए कानूनी मुद्दे से निपटने के लिए अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल से सहायता मांगी थी। अपने आदेश पर दाखिल पुनर्विचार याचिका पर फैसला सुरक्षित रखने से पहले सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने इस मुद्दे पर इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अन्य वकीलों के पक्ष सुने। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की इस पीठ में सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ के अलावा, जस्टिस ए एस ओका, जस्टिस जे बी पारदीवाला, जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं। इस मुद्दे पर पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि स्टे को खुद-ब-खुद हटाने की व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हाई कोर्ट की शक्ति में हस्तक्षेप कर सकती है। >14

महुआ मोइत्रा का निष्कासन मामला सुप्रीम कोर्ट में

जस्टिस कौल ने एडवोकेट सिंघवी से कहा-केस को लिस्ट करने पर फैसला सीजेआई लेंगे

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। कैश फॉर क्वेरी केस में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की 8 दिसंबर को सांसदी चली गई थी। इस फैसले के खिलाफ महुआ ने 11 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई। महुआ के वकील अभिषेक सिंघवी ने जस्टिस संजय किशन कौल और सुधांशु धूलिया की बेंच के समक्ष याचिका पर तुरंत सुनवाई की मांग की थी। बुधवार को जस्टिस कौल ने कहा- इस याचिका पर सीजेआई चंद्रचूड़ फैसला लेंगे। सीजेआई उन पाच न्यायाधीशों की संविधान पीठ का नेतृत्व कर रहे हैं, जो बुधवार को एक मामले की सुनवाई के लिए बैठी थी। महुआ मोइत्रा को जल्द ही सरकारी बंगला खाली करना पड़ सकता है। संसद की हाउसिंग कमेटी ने केंद्रीय आवास मंत्रालय को मंगलवार पत्र लिखा है, जिसमें पूर्व सांसद महुआ को सरकारी बंगला खाली कराने का आदेश देने की मांग की गई है।

अननेचुरल सेक्स और एडल्ट्री अपराध नहीं

मॉब लिंचिंग में मौत की सजा का प्रावधान, सरकार ने पेश की नई भारतीय न्याय संहिता

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के सातवें दिन (12 दिसंबर) गृह मंत्री अमित शाह ने मानूसन सत्र में पेश किए तीनों क्रिमिनल बिल वापस ले लिए। इनकी जगह कुछ सुधारों के साथ तीनों नए विधेयक फिर लोकसभा में पेश किए।

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता को पहली बार 11 अगस्त को संसद में पेश किया गया था। बाद में इन बिलों को संसदीय पैनल के पास भेजा गया। शाह ने कहा कि संसदीय पैनल ने विधेयकों में सुधार की सिफारिश की थी। सरकार ने संशोधन लाने के बजाय बदलावों को शामिल करते हुए नए विधेयक लाने का फैसला किया। ये नए बिल भारतीय न्याय (सेकेंड) संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा (सेकेंड) संहिता और भारतीय साक्ष्य (सेकेंड) संहिता हैं। इनमें सरकार ने अननेचुरल सेक्स और एडल्ट्री (व्यभिचार) को अपराध नहीं माना। वहीं मॉब लिंचिंग में मौत की सजा बरकरार रखी है।

संसदीय पैनल के सुझाव को सरकार ने नहीं माना

संसदीय पैनल ने तीनों नए बिल में अननेचुरल सेक्स (धारा 377) और एडल्ट्री (धारा 497) को अपराध की कैटेगरी में रखने का सुझाव दिया था, लेकिन सरकार ने इस सुझाव को नहीं माना। अगर कोई शादीशुदा महिला किसी अन्य पुरुष से संबंध बनाती है। ऐसी स्थिति में एडल्ट्री कानून के तहत पति उस शख्स के खिलाफ केस कर सकता था। ऐसे ही अगर शादीशुदा पुरुष अन्य महिला से संबंध बनाता है तो पत्नी उस पर केस कर सकती थी। यह भारतीय दंड संहिता की धारा 497 के तहत क्राइम था, जिसमें आरोपी को पांच साल की सजा और जुर्माना लगाने का प्रावधान था। ऐसे मामलों में महिला के खिलाफ न तो केस दर्ज होता था और न ही उसे सजा देने का प्रावधान था। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने एडल्ट्री कानून को रद्द कर दिया। तत्कालीन चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा ने इस कानून को असंवैधानिक बताया था। उन्होंने कहा कि एडल्ट्री को क्राइम नहीं माना जा सकता। जोसेफ शाइनी की जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने यह फैसला सुनाया था। एडल्ट्री की तरह नए बिल में सेम सेक्स या अननेचुरल सेक्स को अपराध की कैटेगरी में नहीं रखा गया है। 2018 में सुप्रीम कोर्ट की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच ने समलैंगिकता को अपराध मानने वाली आईपीसी की धारा 377 के एक पार्ट को रद्द कर दिया था। हालांकि उसके बाद देश में सेम सेक्स मैरिज को लेकर मांग उठने लगी।

हम तभी जागते हैं जब हालत बदतर हो जाते हैं

25 दिसंबर को रिटायर हो रहे सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस कौल ने कहा

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब से प्रदूषण नियंत्रण को लेकर उठाए गए कदमों पर स्टेटस रिपोर्ट मांगी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि कोर्ट को उत्तर भारत में प्रदूषण की स्थिति पर लगातार नजर रखने की जरूरत है। 25 दिसंबर को रिटायर हो रहे जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि हम तभी जागते हैं, जब हालात बदतर हो जाते हैं। इसके लिए सतत निगरानी की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा सरकार को प्रदूषण स्तर को नियंत्रित करने के लिए संबंधित सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों पर दो महीने के भीतर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 27 फरवरी को तय की है। वहीं, पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना हलफनामा दाखिल किया, जिसमें दावा किया गया कि पराली जलाने पर लोगों पर लगाए गए जुर्माने की वसूली 53 फीसदी बढ़ी है और साल 2023 में खेतों में आग लगना कम हो गया है। हालांकि, कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि खेतों में आग लगनी बंद होनी चाहिए। हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि उसने तीव्र परिवहन प्रणाली के लिए पानीपत और अलवर लाइन को मंजूरी दे दी है, जिससे क्षेत्र में प्रदूषण कम हो जाएगा। हालांकि, इस परियोजना को केंद्र की मंजूरी का इंतजार है। केंद्र की ओर से अटॉर्नी जनरल ने कहा कि जल्द से जल्द मंजूरी दे दी जाएगी।

नासिक के अस्पताल में तेंदुआ घुसने से मचा हड़कंप

नासिक, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में एक अस्पताल में तेंदुआ घुस जाने से हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, नंदुरबार तालुका के एक अस्पताल में मंगलवार को एक तेंदुआ घुस गया। तेंदुए को देखते ही अस्पताल में आए मरीजों में दहशत फैल गई। तेंदुआ अस्पताल में इधर-उधर घूम रहा था।
हालांकि किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। मामले की जानकारी विभाग को दी गई। इसके बाद तेंदुए को वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि नासिक जिले के शहादा कस्बे के डोंगरगांव रोड पर स्थित आदित्य मैटरनिटी एंड आई हॉस्पिटल के अंदर तेंदुआ देखा गया।

अनुच्छेद 370: 'इन शब्दों का इस्तेमाल इसलिए किया

' नरक में जाए जेके के बयान पर फारुक अब्दुल्ला ने दी सफाई

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष एवं सांसद फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर को नरक में जाने दो के बयान को स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा को कश्मीर को नरक में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेश में बदल कर उसे नरक में धकेला है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, 'आप वास्तव में इसे (जम्मू कश्मीर) नरक में ले जा रहे हैं। 'स्वर्ग' के लिए कुछ भी नहीं किया जा रहा है। मुझे बताओ कि स्वर्ग के लिए क्या किया जा रहा है? हर जगह चुनाव हो रहे हैं। हमारी क्या गलती है कि यह यहां नहीं हो रहा है? कौन सा अन्य राज्य क्या आपने इसे नरक नहीं बना दिया? आप कहते हैं कि आतंकवाद का खात्मा हो गया है, लेकिन क्या ऐसा है? आप (केंद्र सरकार) हमारा दिल नहीं जीत रहे हैं,।' उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी पिछली मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र और जम्मू-कश्मीर के लोगों के बीच विश्वास कायम करने के लिए केंद्र को कश्मीरियों का दिल जीतने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैंने पीएम से साफ कहा कि आप हम पर भरोसा नहीं करते और हम आप पर भरोसा नहीं करते। तो हम वह भरोसा कैसे बनाएं? पीएम ने जवाब दिया कि दिल की दूरी और दिल्ली की दूरी को दूर करना है। लेकिन यह दूरी है आज तक कम हुए?।
यह हमारी गलती नहीं है। हम खड़े थे और खड़े रहेंगे जब तक सांस है इस देश के साथ। हम किसी दूसरे देश के साथ खड़े नहीं होंगे, लेकिन कम से कम हमारा सम्मान करें, जीतने की कोशिश करें हमारे दिल। यही कारण है कि मैंने इन शब्दों का इस्तेमाल किया। मैं स्पष्ट कर रहा हूं। अगर उन्हें (केंद्र को) नर्क से स्वर्ग बनाना है, तो उन्हें लोगों को समझना होगा।' भाजपा के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि नेशनल कांफ्रेंस ही वह पार्टी थी, जिसने जम्मू-कश्मीर को 1987 से 2019 तक जहन्नुम बनाकर रखा था।
अल्ताफ ठाकुर की यह प्रतिक्रिया नेकां अध्यक्ष डॉ। फारूक के दिल्ली में पार्लियामेंट के बाहर दिए गए बयान के बाद आई है। भाजपा प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कहा, डॉ। फारूक को ऑन रिकॉर्ड यह कहते हुए देखकर आश्चर्य नहीं हुआ कि जहन्नुम में जाए जम्मू-कश्मीर। हकीकत में देखें तो यह नेकां ही थी, जिसने 1987 से 2019 तक जम्मू-कश्मीर को जहन्नुम बना दिया था। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर को नरक से बाहर निकाला और फिर से स्वर्ग बनाया।

शपथ ग्रहण स्थल के बाहर

रोका गया शिवराज सिंह चौहान का काफिला, हुई नारेबाजी

भोपाल, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में नए मुख्यमंत्री की ताजपोशी हो चुकी है। डॉ। मोहन यादव ने सीएम पद की शपथ ले ली है। इस बीच खबर आ रही है कि शिवराज सिंह चौहान के समर्थकों ने उनके काफिले को रोक दिया। इस दौरान महिलाओं ने 'मामा-मामा' के नारे भी लगाए। वहीं मोहन यादव के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ ही अन्य दिग्गज राजनीतिक हस्तियां भी मौजूद रहीं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान ने भी अपनी मौजूदगी जताई मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव के अलावा जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल ने डिप्टी सीएम के पद की शपथ ली। फिलहाल मंत्रियों को शपथ नहीं दिलाया गया है। बताया जा रहा है कि कैबिनेट का विस्तार बाद में किया जाएगा।

मंदसौर में जश्न

जगदीश देवड़ा के डिप्टी सीएम बनते ही उनके गृह क्षेत्र मंदसौर में जश्न का माहौल बन गया। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई भी खिलाई। तो वहीं उज्जैन के घास मंडी चौराहे पर हरिओम कैफे एंड रेस्टोरेंट पर 5 दिन निशुल्क चाय पिलाई जाएगी। 300 लीटर से अधिक दूध की चाय हजारों लोगों को वितरित की जाएगी। लोगों में उज्जैन के बेटे डॉक्टर मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने की काफी खुशी है।

'2 मिनट में सब कुछ बर्बाद हो जाता है'

राज्यसभा में जगदीप धनखड़ ने कहा कुछ ऐसा कि ब्लश करने लगीं प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में संसदीय कार्यवाही हमेशा सुर्खियों में रहती है। वैसे तो लोकसभा और राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष के बीच राजनीतिक तकरार होती ही रहती है लेकिन कभी-कभार संसद में ऐसे भी पल आते हैं जब दोनों पक्षों के बीच मजाकिया माहौल बन जाता है। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान उच्च सदन राज्यसभा में ऐसा ही एक मौका आया जब शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के साथ राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ मजाकिया अंदाज में नजर आए। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित विधेयक पर चर्चा के दौरान यह नजारा देखने को मिला। हम आपको बताते हैं कि आखिर दोनों में एक दूसरे से क्या कहा।

'दो मिनट में सब कुछ बर्बाद हो जाता है।'

राज्यसभा में जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और पदावधि) विधेयक 2023 पर चर्चा चल रही थी। प्रियंका चतुर्वेदी को बोलने के लिए 2 मिनट का वक्त दिया गया। जब वह बोलने के लिए खड़ी हुईं तो मुस्कुराते हुए कहा, सभापति जी मैं इतनी लंबी स्पीच बनाकर आती हूं और केवल 2 मिनट में सबकुछ बर्बाद हो जाता है सर। इस पर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने हंसते हुए कहा कि 100 मीटर की दौड़ 9 सेकंड में पूरा करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस पर प्रियंका चतुर्वेदी भी हंसने लगीं और बोलना शुरू किया। तब जगदीश धनखड़ ने उन्हें हंसते हुए थंप्स अप का निशान दिखाया। तब भी प्रियंका चतुर्वेदी हंसते हुए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर अपनी बात रख रही थीं।

'प्रधानमंत्री के लिए अलग प्रावधान'

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि चुनाव आयोग का काम केवल चुनाव कराना, इलेक्टरल रोल करना, इलेक्टरल रोल में जो एडल्ट्स हैं जो वोट करते हैं उनको इनरोल करना ही नहीं होता है। यह भी होता है कि अगर पॉलीटिकल पार्टी में कोई डिस्प्यूट होता है या सप्लिट अराइज करती है तो उसमें निर्णायक डिसीजन और निष्पक्ष डिसीजन लेने की जिम्मेदारी इलेक्शन कमिशन की होती है। उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र में दो पार्टी का सप्लिट हुआ है। बहस सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। इलेक्शन कमीशन के निर्णय 2:1 होंगे तो यह हमेशा पक्षपाती होगा। इस विधेयक में एक क्लॉज इंट्रोड्यूस किया है। उसमें यह हो गया है अगर प्रधानमंत्री जी को सर्च कमेटी के चॉइस या सेलेक्ट कमेटी की चॉइस में से किसी का पालन नहीं करना है तो उसको भी मान्य रखा गया है।

घड़ी देखकर हंसने लगीं

इसके बाद वह घड़ी की ओर देखकर कहने लगीं कि अभी भी 50 सेकेंड हैं जिस पर धनखड़ ने कहा थैंक्यू। उनका इशारा बैठने के लिए था लेकिन फिर हंसते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि अभी भी 40 सेकेंड हैं सर। तब जगदीप धनखड़ भी हंसने लगे और प्रियंका चतुर्वेदी भी। इसके बाद उन्होंने संविधान सभा में संविधान के गठन के समय डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की एक टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान निर्माता ने कहा था कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को किसी भी सरकार या पार्टी के हस्तक्षेप से दूर रखना चाहिए। हालांकि दी गई समय सीमा में ही अपनी बात कह कर वह बैठ गईं और दूसरे सांसद को बोलने का मौका दिया गया।

अभिव्यक्ति की आजादी पर बंबई एचसी का निर्देश, तर्कसंगत सीमा को नहीं लांघ सकते

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। बंबई उच्च न्यायालय ने एक मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी को तर्कसंगत सीमा लांघने की अनुमति नहीं दी जा सकती अन्यथा इसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने मंगलवार को ऑटोमोबाइल कलपुर्जा निर्माण कंपनी 'हिताची एस्टेमो फी' के एक कर्मचारी की सेवा समाप्ति की व्यवस्था बरकरार रखते हुए यह टिप्पणी की। कंपनी के खिलाफ सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर दो पोस्ट किये जाने के बाद कर्मचारी को नौकरी से निकाल दिया गया था। भड़काऊ पोस्ट डालने वाले कर्मचारी की बर्खास्तगी को रद्द करने के श्रम अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए कंपनी ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। न्यायमूर्ति जाधव ने आदेश में कहा कि ये पोस्ट नफरत भड़काने के स्पष्ट इरादे से कंपनी के खिलाफ किए गए थे और ये लोगों को उकसाने वाले थे। अदालत ने कहा, ''ऐसे कृत्यों के खिलाफ एक कड़ा संदेश दिए जाने की जरूरत है।
उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्यों को शुरुआत में ही रोक दिया जाना चाहिए। पीठ ने अपने आदेश में कहा, ''बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी को तर्कसंगत सीमा लांघने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यदि इसकी अनुमति दी गई, तो इसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं।' पीठ ने यह भी कहा कि किसी भी मामले में, किसी तरह की घटना होने का इंतजार नहीं किया जा सकता और न ही किया जाना चाहिए तथा ऐसे कृत्यों को शुरू में ही रोकने की जरूरत है।

आग से झुलस कर एक व्यक्ति घायल, तीन गाड़ियां जलकर खाक

मुंबई, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई के अंधेरी इलाके में बुधवार को तड़के कुछ गाड़ियों में आग लग गई, जिसमें एक व्यक्ति भी झुलस गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना अंधेरी (पूर्व) में 'महाकाली केव्स रोड' पर ट्रांस रेजिडेंसी के सामने देर रात करीब दो बजकर 30 मिनट के आसपास की है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना में फारूक सिद्दीकी (45) नाम का एक व्यक्ति झुलस गया और तीन गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। उन्होंने बताया कि दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और देर रात दो बजकर 45 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि सिद्दीकी को पहले नगर निगम द्वारा संचालित अस्पताल ले जाया गया

29 दिसंबर को दिल्ली में होगी जेडीयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

सीएम नीतीश सहित कई नेता होंगे शामिल

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। पटनाः जनता दल (यूनाइटेड) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 29 दिसंबर को राजधानी दिल्ली में होगी, जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आफाक अहमद खान की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया, ''राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (नेता संसदीय दल) ने 29 दिसंबर 2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे नई दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक निर्धारित की है। इस बैठक में पार्टी के सर्वोच्च नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य शामिल होंगे।'' वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों ने 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन बनाया है। जद (यू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की यह बैठक 19 दिसंबर को होने वाली 'इंडिया' गठबंधन की बैठक के कुछ दिन बाद होगी।
सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री कुमार इस बैठक के दौरान जद (यू) नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे और लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर उनका मार्गदर्शन करेंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि 'इंडिया' गठबंधन में नीतीश को कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी या भूमिका ना दिए जाने से जद (यू) खुश नहीं है। जद (यू) के नेता अक्सर नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करते रहे हैं। उसके नेताओं का कहना है कि कुमार ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मुकाबला कर सकते हैं।

दिल्ली के कारोबारी के घर पर गोलीबारी करने के आरोप में दो नाबालिग हिरासत में

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने वजीराबाद इलाके में एक व्यवसायी के घर पर गोलीबारी में कथित संलिप्तता को लेकर सोनीपत से दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को 30 नवंबर को निर्माण कार्य करने वाले एक व्यवसायी की ओर से एक शिकायत मिली थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि मोटरसाइकिल पर आये दो लोगों ने उनके घर पर गोलीबारी की। अधिकारी ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ लेकिन शूटर ने रंगदारी की मांग करते हुए एक पत्र फेंका था। अधिकारी ने बताया कि घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर है,

'वीजा के लिए रिश्वत' मामले में ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए कार्ति चिदंबरम, बोले- यह सबसे फर्जी केस

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के नेता एवं सांसद कार्ति चिदंबरम 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले की जांच में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश नहीं हुए और उन्होंने इस मामले को ''सबसे फर्जी'' करार दिया। तमिलनाडु की शिवगंगा लोकसभा सीट से 52 वर्षीय सांसद को केंद्रीय एजेंसी ने इस सप्ताह यहां अपने कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था। 'रिश्वत के रूप में 50 लाख रुपए मिले थे' उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के सिलसिले में अपने बयान दर्ज कराने थे।
माना जा रहा है कि सांसद ने प्रवर्तन निदेशालय को सूचित किया है कि वह संसद का सत्र चलने के कारण व्यस्त हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीई) की प्राथमिकी के अनुसार, वेदांत समूह की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) के एक शीर्ष अधिकारी ने कार्ति और उनके करीबी सहयोगी एस भास्कररमन को रिश्वत के रूप में 50 लाख रुपए दिए थे।
प्रवर्तन निदेशालय का 2022 का यह मामला इन्हीं आरोपों से जुड़ा है। यह फर्जी मामला है- कार्ति कार्ति ने कहा कि यह ''सबसे फर्जी'' मामला है और उनके कानूनी सलाहकारों का दल इस संबंध में आगे कदम उठाएगा। उन्होंने कहा, ''मुझ पर थोपे गए मामलों की तीन श्रेणियां हैं: फर्जी, अधिक फर्जी और सबसे फर्जी। यह तीसरी श्रेणी है। इससे मेरे वकील निपटेंगे।'' सीबीआई ने पिछले साल चिदंबरम परिवार के परिसरों पर छापा मारा था और भास्कररमन को गिरफ्तार किया था, जबकि कार्ति से पूछताछ की गई थी।

अदालत नकदी और जेवरात की सुपुर्दगी के निर्देश नहीं दे सकती

जबलपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। जबलपुर हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि यदि आयकर विभाग नकदी जब्त करने के लिए वारंट जारी करता है तो निचली अदालत जब्त की गई नकद राशि और जेवरात की सुपुर्दगी जारी करने का निर्देश नहीं दे सकती। इस मत के साथ न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने अहमदाबाद-गुजरात की मेसर्स मेकटेक फर्म की नीना शाह द्वारा दायर आपराधिक पुनरीक्षण निरस्त कर दी। एक अक्तूबर 2020 को जीआरपी जबलपुर ने पाटलीपुत्र लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस ट्रेन से एक यात्री थाना राम के कब्जे से एक करोड़ 27 लाख रुपये की नकदी और 6।150 किलोग्राम चांदी के जेवर जब्त किए थे। कंपनी का दावा है कि उसका व्यापार पूरे देश में फैला है और उसी सिलसिले में रकम और जेवरात उनका कार्यकर्ता ले जा रहा था। मामले में रेलवे मेजिस्ट्रेट ने 22 अक्तूबर 2020 को नकदी और जेवर के सुपुर्दगी जारी करने के आदेश दिए। वहीं, इससे पहले आयकर विभाग ने आठ अक्तूबर, 2020 को नकदी जब्त करने के लिए वारंट जारी किया था और रेलवे को कहा था कि अगले आदेश तक सुपुर्दगी जारी नहीं की जाए। बाद में सेशन कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर रेलवे मजिस्ट्रेट के आदेश पर रोक लगा दी थी।

2040 तक चंद्रमा पर पहला अंतरिक्ष यात्री भेजेगा इसरो

तिरुअनंतपुरम, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) अपने अगले कदम की तैयारी कर रही है। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने मंगलवार को कहा कि इसरो 2040 तक चंद्रमा पर पहला अंतरिक्ष यात्री भेजेगा। उन्होंने कहा कि हम इस योजना पर पूरी तरह से काम कर रहे हैं। इसरो प्रमुख ने देश के पहले मानवयुक्त मिशन 'गगनयान' पर काम के बारे में बताते हुए कहा कि मिशन के लिए चुने गए भारतीय वायु सेना के चार पायलट बेंगलुरु में अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा में प्रशिक्षित किए जा रहे हैं। एक विशेष लेख में उन्होंने बताया कि इसरो का लक्ष्य गगनयान कार्यक्रम के साथ अंतरिक्ष अन्वेषण में अगला कदम उठाना है। इसमें 2 से 3 भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के दल को लो अर्थ में भेजे जाने की योजना है। इसके बाद उन्हें भारतीय जलक्षेत्र में पूर्वनिर्धारित जगह पर सुरक्षित रूप से उतारा जाएगा। मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में महत्वपूर्ण तकनीक का विकास शामिल है। जिसमें एक मानव-रेटेड लांच वाहन (एचएलवीएम 3), एक क्रू माड्यूल (सीएम), सर्विस माड्यूल (एसएम) और मानव के रहने के अनुकूल एक आर्बिटल माड्यूल है। क्रू माड्यूल अंतरिक्ष में चालक दल के लिए पृथ्वी जैसे वातावरण वाला रहने योग्य स्थान है और इसे सुरक्षित पुनः प्रवेश के लिए डिजाइन किया गया है। सुरक्षा उपायों में आपात स्थिति के लिए क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) भी शामिल है। परीक्षण वाहन (टीवी-डी1) की पहली विकास उड़ान 21 अक्टूबर, 2023 को लांच की गई थी और इसने क्रू एस्केप सिस्टम का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। इसके बाद क्रू माड्यूल को अलग किया गया और बंगाल की खाड़ी से भारतीय नौसेना ने इसे सुरक्षित प्राप्त किया। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि इस परीक्षण उड़ान की सफलता मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए महत्वपूर्ण है। 2035 तक चालू हो सकता है भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन सोमनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वैश्विक स्तर पर भारत की उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन को चालू करने और वीनस आर्बिटर मिशन और मंगल ग्रह लैंडर की विशेषता वाले अंतरग्रहीय अन्वेषण जैसे महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आने वाले वर्षों में नयी ऊंचाइयों पर पहुंचेगा।

कम से कम अगली सर्दियों को बेहतर बनाने का प्रयास करें-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। मौजूदा साल सर्दियों में प्रदूषण से निपटने में नाकाम रही सरकारों पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तल्ख टिप्पणी की और कहा कम से कम अपनी अगली सर्दियों को बेहतर बनाने का प्रयास करें। सर्वोच्च अदालत ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, यूपी और केंद्र सरकार को दो महीने में प्रदूषण पर स्थिति रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। देश में आने वाले दिनों में सर्दियां बढ़ने वाली हैं। इसी बीच जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ को अटॉर्नी जनरल ने कैबिनेट सचिवालय के नेतृत्व वाली बैठकों की जानकारी दी। जस्टिस कौल ने कहा कि इस पर लगातार निगरानी रखने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कम से कम आने वाली अगली सर्दियों को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में दर्ज किया कि हलफनामे से पता लगा है कि पर्यावरण उपकर की 53% वसूली हुई है। इसमें तेजी लानी होगी। मुद्दा यह है कि खेतों में लगने वाली आग अभी भी गंभीर मुद्दा है, यह सब रुकना चाहिए। अटॉर्नी जनरल ने एक्यूएम इंडेक्स पर उठाए जाने वाले कदमों और सचिवों की बैठकों पर केंद्र सरकार द्वारा एक मसौदा प्रस्तुत किया है। सर्वोच्च अदालत ने आदेश दिया कि हम राज्य सरकारों को दो महीने के भीतर एजी के नोट के संबंध में कदम उठाने और एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हैं। रिपोर्ट में अन्य पहलुओं पर भी चर्चा की गयी। अधिकारियों को भी आवश्यकतानुसार रिपोर्ट लागू कर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। इस दौरान एक वकील ने कहा कि आज एक्यूआई 376 है। ऑड-ईवन से केवल वाहन कम हुए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीएक्यूएम को कचरा जलाने के मुद्दे पर गौर करने को कहा गया, ताकि यह गंभीर न हो और अगली सर्दियों में इसकी पुनरावृत्ति न हो। ऐसे में यह उचित होगा कि निगरानी और रिपोर्ट रखने के लिए एक समिति की मौजूदगी में भी इस मामले को दोबारा सूचीबद्ध किया जाए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 14 दिसंबर, 2023 3

सुविचार

मंजिलें चाहे जितनी ऊची हो,
रास्ते हमेशा पैरों के नीचे ही होते हैं !

भूमि संबंधी विवादों के निपटारे हेतु विशेष समिति : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने भूमि विवाद पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ने आज डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में राज्य में धरणी प्रदर्शन और भूमि संबंधी मुद्दों पर समीक्षा बैठक की। उपमुख्यमंत्री, वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क, चिकित्सा, स्वास्थ्य और विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री दामोदरा राजा नरसिम्हा, राजस्व, आवास, सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, राज्य सरकार के मुख्य सचिव शांति कुमारी, राजस्व विभाग के मुख्य सचिव नवीन मित्तल, अन्य उच्चाधिकारी एवं जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस अवसर पर सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा इस समिति का गठन कोनेरू रंगा राव समिति की तरह ही किया जाना चाहिए। इस समिति के प्रस्ताव सुझाए जाएं ताकि भूमि संबंधी विवादों का स्थायी समाधान हो सके। इस समिति में मंत्रियों के अलावा राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, किसानों के प्रतिनिधि और भूमि संबंधी कानूनों के विशेषज्ञ सदस्य हों।

मुख्यमंत्री ने सीएस को धरणी की शुरुआत से अब तक लिए गए निर्णयों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इस बैठक में सीएमओ अधिकारी शिवधर रेड्डी, शेषाद्री और शाह-नवाज कासिम ने भाग लिया, महबूबनगर के विधायक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी, किसानों के प्रतिनिधि कोडंडा रेड्डी, वेम नरेंद्र रेड्डी, संपत कुमार रथेविन्यु एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे और अपने विचार व्यक्त किए।

गुत्ता ने सीएम रेवंत का स्वागत किया किया

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी ने बुधवार को विधानसभा में अपने कक्ष में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का अभिनंदन किया। गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने मुख्यमंत्री का अपने कक्ष में स्वागत किया और उन्हें शॉल और फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहे कांग्रेस विधायक गद्दाम प्रसाद कुमार के समर्थन में नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए विधानसभा का दौरा किया। बाद में, रेवंत रेड्डी ने काउंसिल हॉल का भी दौरा किया और इमारत की भौतिक संरचना के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री श्रीधर बाबू, सीताक्का, कोंडा सुरेखा और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और कुछ विधायक भी थे।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा गोशामहल पुलिस ग्राउण्ड में जारी श्रीमद देवी भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के अन्तर्गत प्रातः बेला में आयोजित योग शिविर एवं मध्यान में आयुर्वेदिक जांच और परामर्श शिविर शिविर में भाग लेते हुए समाज बंधु।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी से फोन पर बात की

हैदराबाद, 13 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी से फोन पर वार्तालाप किया।

इस संदर्भ में,मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार 13 दिसंबर को केंद्रीय मंत्री और बीजेपी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष किशन रेड्डी को फोन कर कहा कि, केंद्र सरकार से तेलंगाना को प्राप्त होनेवाले फंड्स और अन्य मुद्दों पर आपसी सहयोग करें। उन्होंने इस बारे में केंद्रीय मंत्री से जल्द ही केंद्र सरकार के प्रमुखों के साथ बैठक आयोजित करने की अपील की। इस पर केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने सकारात्मक रुख अपनाया।

माओवादियों ने वेंग और भवानी की रिहाई की मांग की

कोत्तागुडेम, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (माओवादी) केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने पार्टी नेता वेंग (डी गंगाधर राव) और उनकी पत्नी भवानी की बिना शर्त रिहाई की मांग की है। बुधवार को यहां मीडिया को जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि 75 वर्षीय वेंग दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सचिवालय और केंद्रीय तकनीकी समिति के सदस्य रह चुके हैं। 60 वर्षीय भवानी ने डीके एसजेडसी के तकनीकी विभाग में कंपनी पार्टी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। माओवादी पार्टी ने आरोप लगाया कि उन्हें 2 दिसंबर को मंचेरियल जिले के जयपुर मंडल के इंदाराम गांव से तेलंगाना एसआईबी की एक विशेष टीम द्वारा झूठे आरोपों में गिरफ्तार किया गया और जेल में डाल दिया गया।

वे वृद्धावस्था और खराब स्वास्थ्य के कारण पिछले कुछ महीनों से इंदाराम गांव में रह रहे थे। माओवादी सेंट्रल कमेटी ने लोगों, बुद्धिजीवियों, मानवाधिकार और नागरिक अधिकार संगठनों से अपील की है कि वे उन्हें जेल में सभी आवश्यक सुविधाएं और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने की मांग करें।

नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : अविनाश मोहंती

साइबराबाद के नए पुलिस ऑयुक्त ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण करते हुए, अविनाश मोहंती ने स्टीफन रवीन्द्र से पदभार ग्रहण किया, जिनका तबादला कर दिया गया और उन्हें डीजीपी कार्यालय में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया। कार्यभार संभालने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, "हमारी जिम्मेदारी कानून का शासन बनाए रखना और हमसे संपर्क करने वाले हर व्यक्ति के प्रति निष्पक्ष रहना है।" 2005 बैच के आईपीएस अधिकारी, अविनाश मोहंती, जो आयुक्त पद पर पदोन्नत होने से पहले साइबराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने कहा कि साइबराबाद में अधिक साइबर और आर्थिक धोखाधड़ी अपराध के मामले सामने आए थे। उन्होंने कहा, "सभी जांच पूरी व्यावसायिकता के साथ निष्पक्ष और उचित तरीके से की जाएंगी।" यातायात के मोर्चे पर, मोहंती ने कहा कि यातायात पुलिस विशेष रूप से साइबराबाद के उच्च यातायात घनत्व वाले क्षेत्रों में यातायात संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय करेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस साइबराबाद में अवैध गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई करेगी और ड्रग्स, महिला तस्करी, भूमि माफिया और आर्थिक अपराधों जैसे संगठित अपराधों में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मोहंती ने पहले साइबराबाद में डीसीपी (यातायात) के रूप में काम किया था और बाद में उन्हें हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया जहां उन्होंने संयुक्त पुलिस आयुक्त (जासूसी विभाग) के रूप में काम किया।

बुधवार को कहा कि नागरिकों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। मोहंती ने

विद्यापति समारोह 31 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थिति लायंस भवन में आयोजित मिथिला सांस्कृतिक परिषद की बैठक में 31 दिसंबर को होने वाला विद्यापति पर्व समारोह की तैयारी पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता विनय कुमार झा एवं संचालन महासचिव अनिल कुमार झा द्वारा की गयी। कार्यकारी अध्यक्ष रजनीश कुमार झा सभा को अद्यतन कार्यों की जानकारी दी। इस वर्ष रंगारंग कार्यक्रम के लिए प्रख्यात कलाकार माधव राय, सुश्री जूली झा, आरती झा एवं उनके टीम के कुल 15 कलाकार आ रहे हैं। चर्चा के क्रम में सभी सदस्यों ने एक स्वर में यह चिंता व्यक्त की कि अभी तक इस वाट्सएप्प ग्रुप से जुड़े सदस्यों में से आधी सदस्यों ने ही अपनी सदस्यता सहयोग दी है। 31 दिसंबर को आरटीसी कलाभवन में 3 बजे से कार्यक्रम शुरू हो जायगा। सभा मे 9 महिला सदस्या सहित 45 सदस्यों की उपस्थित रही।

विधायक प्रसाद कुमार, सर्वसम्मति से तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष चुने गये

हैदराबाद, 13 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। विधायक प्रसाद कुमार, सर्वसम्मति से तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष चुने गये है। इस संदर्भ में, तेलंगाना सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, इस मामले में शाम समाप्त नामांकन प्रक्रिया में प्रसाद कुमार का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ क्योंकि केवल एक ही नामांकन हुआ था। इस बारे में प्रसाद कुमार ने बुधवार 13 दिसंबर की सुबह अपना नामांकन पत्र विधानसभा सचिव को सौंपा। नामांकन दाखिल करने के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क सहित कई मंत्रीगण, बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर, कोत्तागुडेम विधायक के. सांबशिवराव और अन्य उपस्थित हुए।

40 वर्षीय ब्रेन डेड व्यक्ति के अंग दान किये गये

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल के वेलकट्टे गांव तोर्रूर मंडल के 40 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर कोम्मू सत्यनारायण को न्यूरो चिकित्सकों की टीम द्वारा ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था। परिवार के सदस्यों ने मृतक के अंगों को दान करने का फैसला किया है। सर्जनों ने दो किडनी, लीवर और दो कॉर्निया सहित पांच अंगों को पुनः प्राप्त किया और उन्हें जीवनदान अंग दान दिशानिर्देशों के आधार पर अन्य प्रत्यारोपण केंद्रों में जरूरतमंद रोगियों को आवंटित किया। 11 दिसंबर को, दिहाड़ी मजदूर अपने घर में गिर गया और उसे एलबी नगर के कामिनेनी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे चौबीसों घंटे गंभीर देखभाल सहायता में रखा गया। हालांकि, प्रयासों के बावजूद, दिहाड़ी मजदूर की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार नहीं हुआ और 12 दिसंबर को सत्यनारायण को ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। जीवनदान समन्वयकों द्वारा आयोजित परामर्श सत्रों की एक श्रृंखला के बाद, उनके पिता कोम्मू वेंकैया और उनकी पत्नी कोम्मू भाग्यलक्ष्मी ने मस्तिष्क मृत पीड़ित के अंग दान के लिए अपनी सहमति दी।

बुधवार को केबीआर पार्क में गणेश जी पूजा-अर्चना करते हुए गोपाल बल्दवा, विट्ठलदास अग्रवाल, शंकरलाल, विजय कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल, सुरेश सीए, श्रीनिवास, सुरेंद्र मोहन व अन्य।

हैदराबाद में खुलेगा वैल्यू जोन का नया आउटलेट

हैदराबाद,13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता) । वैल्यू जोन नगर में सीधे आपके दरवाजे पर खरीददारी क्रांति ला रहा है। इस गतिशील शहर के केंद्र में, खुदरा क्षेत्र में एक नया अध्याय खुल रहा है। एक ऐसी जगह की कल्पना करें जहां खरीदारी सिर्फ चीजें खरीदने के बारे में नहीं है, बल्कि एक अनुभव है संजोएं -वैल्यू जोन का नया आउटलेट मॉल यही वादा करता है। यह सिर्फ एक और विकास नहीं है। यह एक वैश्विक शहर के रूप में हैदराबाद के विकास का प्रमाण है। व्यस्त राजमार्गों के किनारे स्थित, ये आउटलेट मॉल सिर्फ दुकानें नहीं हैं, वे खरीददारी के भविष्य पर एक नजर डालते हैं। जैसे-जैसे भारत अपने प्रभावशाली राजमार्गों के साथ आगे बढ़ रहा है, ये मॉल खरीदारी करने वालों के लिए नए हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहे हैं। आउटलेट मॉल की अवधारणा, हालांकि भारत के लिए नई है, एक वैश्विक घटना रही है। वैल्यू जोन, अपने रणनीतिक स्थान और विविध पेशकशों के साथ, इस विकसित परिदृश्य में एक मील का पत्थर बनने के लिए तैयार है। वैल्यू जोन महज एक शॉपिंग सेंटर नहीं है। यह एक ऐसी जगह है जिसे हर किसी के लिए कुछ न कुछ लेकर, लुभाने के लिए डिजाइन किया गया है। कई ब्रांड 40: से शुरू होने वाली छूट की पेशकश कर रहे हैं, यह एक सपने के सच होने जैसा है। लेकिन यह सिर्फ छूट ही नहीं है जो लोगों को आकर्षित करती हैय यह एक ऐसे स्थान पर रहने का समग्र और सौहार्दपूर्ण अनुभव है जो उनकी जरूरतों को समझता है और उन्हें पूरा करता है। वैल्यू जोन के साथ, खुदरा क्षेत्र का भविष्य न केवल उज्ज्वल है। यह जीवंत और संभावनाओं से भरपूर है। यह एक ऐसी जगह है जहां परिवार एक साथ आते हैं, और जहां हर खरीदार को संजोने के लिए कुछ न कुछ मिलता है। हैदराबाद-सोलापुर राजमार्ग आईटी हब से सिर्फ 18 किमी दूर, आप हैदराबाद के उत्तर-पश्चिमी छोर पर स्थित पाटनचेरु देखेंगे।

शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सख्त उपाय होंगे : सुधीर बाबू

सीपी राचकोंडा देंगे कर्मचारी कल्याण को उच्च प्राथमिकता

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेरेडमेट में राचकोंडा आयुक्तालय के कार्यालय में राचकोंडा आयुक्तालय के नए आयुक्त सुधीर बाबू के रूप में कार्यभार संभाला। कई अधिकारियों एवं कार्यालय कर्मियों ने फूलों के गुलदस्ते देकर आयुक्त का स्वागत किया। इस मौके पर राचाकोंडा में कार्यरत डीसीपी, एसीपी और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की गई। कार्यक्रम में बोलते हुए कमिश्नर ने मुख्यमंत्री को उनकी योग्यता पर भरोसा कर जिम्मेदारी देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राचकोंडा में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक की समस्या को रोकने और अपराध नियंत्रण के लिए सीसीटीवी कैमरे जैसी तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा और जल्द सजा दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे कि सिविल, एआर, बटालियन और ट्रैफिक जैसे सभी विभाग समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि महिलाओं की देखभाल के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे और शी टीमों को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम नशीली दवाओं की आपूर्ति और उपयोग पर नकेल कसेंगे और युवाओं को नशे का शिकार होने से रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में साइबर अपराधों की बढ़ती सख्या पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे और लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पूर्व में रचाकोंडा के अतिरिक्त आयुक्त के रूप में काम करने के अनुभव के साथ, उन्हें राचकोंडा के अंतर्गत आने वाले सभी क्षेत्रों की पूरी जानकारी है। उन्होंने कहा कि वह तीनों आयुक्तालयों के साथ समन्वय में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भूमि संबंधी अपराधों पर विशेष ध्यान दिया जायेगा तथा उपद्रवी बदमाशों पर समय-समय पर निगरानी रखी जायेगी। उन्होंने कहा कि शांति एवं सुरक्षा बनाये रखने के लिए यदि आवश्यक हुआ तो सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों की भी सलाह ली जायेगी तथा प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने वाले अधिकारियों को सहायता प्रदान की जायेगी। कार्यक्रम में राचकोंडा एडिशनल सीपी तरूण जोशी, मल्काजगिरी डीसीपी धारावत जानकी, महेश्वरम डीसीपी श्रीनिवास, एलबीनगर डीसीपी साईश्री, महिला सुरक्षा डीसीपी उषा विश्वनाथन आईपीएस, सड़क सुरक्षा डीसीपी श्रीबाला, डीसीपी क्राइम अरविंद, डीसीपी एडमिन इंदिरा और अन्य ने भाग लिया।

कागजनगर तहसीलदार का तबादला

सिरपुर कागजनगर, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर के तहसीलदार के. श्रीपाल रेड्डी को कौटाला मंडल के तहसीलदार के रूप में स्थानांतरित किया गया है। जिला कलेक्टर बोराके हेमंत सहदेव राव ने एक स्थानांतरण आदेश जारी कर कौटाला मंडल के तहसीलदार के रूप में कार्यरत टी किरण कुमार को कागज नगर तहसीलदार के पद पर स्थानांतरित कर दिया है। आदेश की कॉपी कागजनगर के आरडीओ, डीटीओ और एसटीओ को भी भेज दी गयी है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14808806M (Dvr MT), GADDAM CHANDRA SEKHAR REDDY, residing at 14-3- 12. Nallagutta, Sydapuram, Kadiri Sri Satya Sai District, Andhra Pradesh-515591, having changed my daughter's name from G. NAVAYA her date of birth: 31-01-2007 (as per birth POR/RCSR) to GADDAM NAVYA, date of birth 14-01-2007 (proposed new name & date of birth) Vide Affidavit 28 Nov.2023 J Sudershana Chary Advocate & Notary City Civil Court Secunderabad Hyd -500015, Telangana

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

वाय/सी.ई-नीलामी/एचवायबी/2023-24 दि.11.12.2023
हैदराबाद डिवीजन में वाणिज्यिक संविदाओं के प्रति ई-नीलामी सूचना

PUB/1347

हैदराबाद डिवीजन ने वाणिज्यिक आय संविदाओं अथवा कमर्शियल एर्निंग कांट्राक्ट्स एवं एनएफआर संविदाओं के लिए ई-नीलामी लागू की है। तदनुसार, एचवायबी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है।

क्रम सं. 01 श्रेणी: ट्रेन एक्स्टीरियर या रेल का बाहरी भाग (फुल फेस या पूरा अग्र भाग), सूची सं. एचवायबी-पीयुबी-29, कार्य विवरण: ट्रेन नं.12797/12798 काचीगुडा-चित्तूर-काचीगुडा वेंकटाद्रि एक्सप्रेस वाया कर्नूल सिटी, ढोने के लिए विमिल रैपिन्ग व्दारा एडवर्टाइजिन्ग राइट्स या विज्ञापन अनुबंध प्रदान करना। नीलामी की तिथि: 23.12.2023, नीलामी शुरू तिथि: सुबह 11.00 बजे, नीलामी बंद समय: सुबह 11.30 बजे

क्रम सं.02, श्रेणी: एडवर्टाइजिन्ग आउट आफ होम या घर के बाहर विज्ञापन व्यवस्था, सूची सं. एचवायबी- पीयुबी-29, कार्य विवरण क्लस्टर-5 इंचेस में शामिल निम्न 5.1एलसी नं.165(एमवीएन-युएमआरआव), 5.2 एलसी नं. 172(केइके-डीएबी), 5.3एलसी नं.179(केइके-डीएबी), 5.4 एलसी नं.180(डीएबी-बीएमएक्स), 5.5 एलसी नं.182(डीएबी-बीएमएक्स), 5.6 एलसी नं.188(बीएमएक्स-एनबीटी) नीलामी तिथि: 23.12.2023, नीलामी शुरू समय: सुबह 11.00 बजे, नीलामी बंद समय: सुबह 11.40 बजे

क्रम सं. 03 श्रेणी: मिस्क. स्टेटिक सर्विसेज या विविध स्थैतिक सेवाएं, सूची सं. एचवायबी-केसीजी-एमएसएस-01, कार्य विवरण: हैदराबाद डिवीजन के काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर स्लीपीन्ग पाइस की व्यवस्था । नीलामी तिथि: 26.12.2023, नीलामी शुरू समय: सुबह 11.30 बजे, नीलामी बंद समय: दोप. 12.00 बजे

A1855 वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबन्धक, हैदराबाद

भगवान राम और निषादराज की मूर्ति में बदलाव की मांग वाली याचिका खारिज

इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

इलाहाबाद, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। उच्च न्यायालय ने भगवान राम और निषादराज की मूर्ति में बदलाव की मांग वाली एक याचिका खारिज कर दी है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में निषादराज का जिस तरह से उल्लेख किया गया है, वह मूर्ति उसके मुताबिक नहीं है। यह याचिका प्रयागराज के सोरांव में स्थित श्रृंगवेरपुर धाम में लगी प्रतिमा के संबंध में दायर की गई थी। अदालत ने हालांकि, याचिकाकर्ता को उचित मंच पर अपनी शिकायत का निवारण कराने की स्वतंत्रता दी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति दोनादी रमेश ने यह याचिका खारिज करते हुए कहा, "याचिका में यह आरोप भी लगाया गया है कि अन्य स्थानों पर गले मिलते हुए दिखाई देने वाली मूर्ति लगाई गई है और याचिकाकर्ता एवं उसके समुदाय के लोग चाहते हैं कि मूर्ति में आवश्यक बदलाव किया जाना चाहिए अन्यथा यह पूजा के उनके संवैधानिक अधिकार का हनन होगा।"

कार्यपालिका के दायरे में आता है- कोर्ट

याचिकाकर्ता के मुताबिक, वह मूर्ति गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस में निषादराज के उल्लेख के मुताबिक नहीं है। अदालत ने कहा, "हमारे विचार से जो मुद्दा यहां उठाया जा रहा है, मौजूदा सुनवाई में उस पर निर्णय नहीं किया जा सकता। यह कार्यपालिका के दायरे में आता है। हम इस बात से संतुष्ट नहीं हैं कि याचिकाकर्ता या उसके समुदाय के लोगों के किसी संवैधानिक अधिकार का हनन किया गया है।" श्रृंगवेरपुर का उल्लेख रामायण में किया गया है जहां इसे निषादराज की राजधानी के तौर पर बताया गया है। रामायण में उल्लेख है कि भगवान राम, उनके भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता वन गमन से पूर्व एक रात इस गांव में ठहरे थे। बता दें कि गवान राम और निषादराज की मूर्ति करीब 50 फीट ऊंची है। जिसमें भगवान राम और निषादराज की आपस में गले मिलते हुए नजर आ रहे हैं।

इजराइल-हमास पर बहस, पैगंबर पर टिप्पणी: एएमयू कैंपस में 12वीं क्लास के छात्र को कमरे में बंद करके पीटा

अलीगढ़, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। पवित्र पैगंबर मुहम्मद (पीयूबीएच) के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने और उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक विश्वविद्यालय परिसर के भीतर कैंपस के साथियों ने 12वीं क्लास के लड़के की पिटाई कर दी। स्कूल अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने बिजनौर जिले के 18 साल के लड़के को निलंबित कर दिया है और उसकी टिप्पणियों की जांच के आदेश दिए हैं। स्कूल अधिकारियों ने कहा कि जांच पूरी होने तक छात्र निलंबित रहेगा। स्कूल के अधिकारियों ने कहा कि छात्र सोमवार शाम को इजरायल-हमास युद्ध पर चर्चा कर रहे थे, जब इसका रुख पवित्र पैगंबर (पीबीयूएच) की ओर बढ़ गया और 18 वर्षीय लड़के ने कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। स्कूल प्रबंधन के एक अधिकारी ने कहा, 'प्रदर्शनकारी छात्रों ने उनके निष्कासन और एफआईआर दर्ज करने की मांग की है

नीतीश कुमार के मास्टर स्ट्रोक के बाद भाजपा को बदलनी पड़ी नीति

जेडीयू के दिग्गज नेता का बड़ा बयान

पटना, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। जदयू के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार के मास्टर स्ट्रोक जाति आधारित गणना के बाद भाजपा को अपनी नीति को मजबूर होकर बदलना पड़ा है। पत्रकारों से बातचीत के क्रम में उन्होंने यह बात कही। केसी त्यागी ने कहा कि बिहार में जाति आधारित गणना की रिपोर्ट के बाद भगवा पार्टी को अपनी नीति में बदलाव करना पड़ा है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद पर जिन्हें बिठाया गया है, वह बिहार का ही असर है। मुख्यमंत्री की उत्तर प्रदेश यात्रा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह यूपी के साथ-साथ झारखंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान व गुजरात भी जाएंगे। जाति आधारित गणना और उसके बाद आरक्षण के दायरे में बढ़ोतरी की वजह से नीतीश कुमार की लोकप्रियता बढ़ी है।

केसी त्यागी ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा

वहीं, केसी त्यागी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की मदद ली होती तो परिणाम कुछ और होता।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का राम मंदिर में दर्शन से इनकार, सरकार से क्या मांग की , रखी शर्त

अयोध्या, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जहां एक तरफ तैयारी को जोर शोर से पूर्ण किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ इस मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले एक विवाद गहराता हुआ नजर आ रहा है। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने घोषणा की है कि जब तक गौ माता की हत्या पर कठोरता से प्रतिबंध नहीं लगेगा और उन्हें राष्ट्र माता का दर्जा नहीं दिया जाएगा तब तक वह अयोध्या के राम मंदिर में दर्शन के लिए नहीं जाएंगे। हालांकि इस बात को लेकर वाराणसी सहित देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी चर्चाएं काफी तेज हैं। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वर्तमान समय में अमृत महोत्सव का जिक्र किया जा रहा है, लेकिन हमारे लिए सदा से ही पूजनीय गौ माता की हत्या और अपमान हृदय को झकझोर देने वाला है। इसलिए गौ माता की हत्या पर प्रतिबंध और उन्हें राष्ट्रीय माता का दर्जा देने के लिए हम राष्ट्र माता प्रतिष्ठा आंदोलन की शुरुआत कर रहे हैं। इस विषय पर हमारी चारों पीठों के शंकराचार्य से भी बातचीत हुई है और उन्होंने इस पर सहमति जताते हुए अपना समर्थन और आशीर्वाद दिया है। 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा आयोजन में शामिल होने को लेकर जब एबीपी लाइव ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि अयोध्या धार्मिक स्थल मेरे लिए ससुराल नहीं जो आमंत्रण आने पर ही हम वहां पहुंचेंगे। सवाल यह है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के समक्ष जाने के लिए हमारे पास योग्यता है या नहीं।

थार सवारों ने नर्सिंग कर्मचारी को कुचला, मौत

मेरठ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। मेरठ में नशे में धुत्त थार गाड़ी सवारों ने मैरिज होम की पार्किंग में खड़े युवक को कुचल दिया। अस्पताल में युवक की मौत हो गई। दो थार गाड़ी में लोग एक-दूसरे से रेस लगा रहे थे। वारदात को अंजाम देकर थार सवार फरार हो गए। किला परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के खजूरी गांव निवासी नावेद मेरठ के आनंद अस्पताल में नर्सिंग कर्मचारी था। देर रात नावेद अपने फूफा मुदस्सिर के साथ लोहिया थाना क्षेत्र के हापुड़ हाईवे स्थित रॉयल गार्डन में शादी समारोह में आया था। रात 12 बजे नावेद और मुदस्सिर विवाह मंडप की पार्किंग में खड़े थे। इसी बीच दो थार गाड़ी सवार एक-दूसरे से रेस लगा रहे थे। तेज रफ्तार थार सवारों ने गाड़ी नावेद के ऊपर चढ़ा दी। थार सवार शराब के नशे में धुत्त थे। उन्होंने थार को पीछे हटाकर फिर से नावेद पर चढ़ा दी। जबकि मुदस्सिर बाल-बाल बच गया। इसके बाद थार सवार मौके से फरार हो गए। इसी बीच लोग वहां पर इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी। घायल नावेद को लेकर लोग आनंद अस्पताल पहुंचे, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लोगों ने थार गाड़ी का नंबर पुलिस को बता दिया। नावेद के परिजनों ने रात में ही लोहिया नगर थाने में थार सवार युवकों के खिलाफ तहरीर दी। सीओ अमित राय के अनुसार, गाड़ी के नंबर के आधार पर आरोपितों की तलाश की जा रही है। विवाह मंडप में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

सोनभद्र से बीजेपी विधायक नाबालिग से रेप केस के दोषी, पीड़िता के भाई ने बताई पूरी कहानी

सोनभद्र, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र की दुद्धी विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायक रामदुलार गोंड को एक नाबालिग लड़की से रेप का दोषी करार दिया गया है। साल 2014 में उनके खिलाफ पॉक्सो ऐक्ट का ये मामला दर्ज किया गया था। मंगलवार, 12 दिसंबर को कोर्ट का फैसला आया। इसके बाद पुलिस ने रामदुलार गोंड को कस्टडी में ले लिया। कोर्ट 15 दिसंबर को उनकी सजा का एलान करेगा।

15 दिसंबर को सुनाई जाएगी सजा

घटना 2014 की है जब रामदुलार गोंड विधायक नहीं थे, उस समय उन पर एक आरोप लगा था कि उन्होंने एक नाबालिक किशोरी के साथ दुष्कर्म किया है। परिजनों ने इस मामले में मुकदमा भी दर्ज कराया था। जिसकी सुनवाई अपर सत्र न्यायालय/ विशेष न्यायालय में चल रही थी। इस इस मामले में सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश अहसानुल्लाह खान ने विधायक रामदुलार गोंड को दोषी पाया है और उन्हें कस्टडी में लेकर जेल भेज दिया।

बीजेपी विधायक नाबालिग से रेप केस के दोषी

पीड़ित पक्ष के वकील विकास शाक्य के मुताबिक, 'मामला म्योरपुर थाना क्षेत्र का है। पीड़िता के परिवार वालों ने उसे समय रामदुलार गोंड के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। उस समय रामदुलार गोंड विधायक ना हो करके प्रधान पति थे। विधायक बनने के बाद यह मामला अपर सत्र न्यायालय,एमपी-एमएलए कोर्ट में चला गया। इस मुकदमे में सुनवाई करते हुए न्यायालय ने विधायक को दोषी पाया।'

पीड़िता के भाई ने बताई कहानी

वहीं सुनवाई के दौरान पीड़िता का परिवार भी अदालत में मौजूद था। विधायक को दोषी करार दिए जाने पर परिवार ने खुशी जाहिर की। पीड़िता के भाई ने कहा कि, ' उन्हें इस मामले की सुनवाई के दौरान कई तरह के लालच और धमकियां भी मिली, लेकिन वह अपने इरादे पर अडिग थे।

रिश्ते किए तार-तार, मुंह बोले चाचा ने दिल्ली ले जाकर 14 साल की भतीजी से किया दुष्कर्म

बागपत, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। आठवीं की छात्रा को बहला-फुसलाकर दिल्ली ले जाकर मुंह बोले चाचा ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने छात्रा को सकुशल बरामद कर आरोपित युवक को गिरफ्तार किया। बागपत कोतवाली क्षेत्र की 14 वर्षीय आठवीं की छात्रा एक माह पहले रहस्यमय ढंग से लापता हो गई थी। स्वजन ने आसपास व रिश्तेदारी में तलाश किया, लेकिन छात्रा का कहीं पता नहीं चला था। बाद में जानकारी हुई थी कि छात्रा को मुंह बोला चाचा बहला-फुसलाकर अपने साथ लेकर गया है। इस संबंध में कोतवाली पर मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस तभी से ही छात्रा की बरामदगी के प्रयास में लगी हुई थी। पुलिस को आखिरकार छात्रा को बरामद करने में कामयाबी मिल गई। कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार शर्मा का कहना है कि छात्रा को सकुशल बरामद किया गया है।

संसद में बीएसपी सुप्रीमो मायावती की तारीफ में पढ़े गए कसीदे, क्या बोले सांसद ?

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बीते कुछ दिनों से मायावती की काफी चर्चा है। इस चर्चा के पीछे उनका एक फैसला वजह है। बीते दिनों मायावती ने बीएसपी में अपने उत्तराधिकारी का एलान कर दिया है, उन्होंने उत्तराधिकारी की जिम्मेदारी अपने भतीजे आकाश आनंद को दी है। लेकिन अब बुधवार को संसद में भी मायावती की तारीफ में कसीदे पढ़े गए हैं। मायावती की तारीफ बीएसपी सांसद ने ही की है। दरअसल, अभी संसद का शीतकालिन सत्र चल रहा है, ये सत्र 24 दिसंबर तक चलेगा। संसद के इस सत्र के दौरान बीएसपी सांसद मलूक नागर बुधवार को संसद में बोलने के लिए खड़े हुए। इस दौरान उन्होंने पार्टी सुप्रीमो मायावती की तारीफ में जमकर कसीदे पढ़े। मलूक नागर ने कहा, 'जम्मू कश्मीर के लोग हैं वो हमारे नेशनल कांफ्रेंस के तीन पीढ़ी से रिश्तेदारी कर ली। क्या कभी किसी प्लेटफार्म पर आकर या देश की संसद में आकर गुर्जर या मुस्लमानों के बारे में कोई मांग रखी है।'

विपक्षी दलों के आरोपों पर दिया जवाब

बीएसपी सांसद ने कहा, 'अगर नहीं रखी तो क्यों नहीं रखी ये विरोध करने की बजाय ये बताएं। आज अगर देश के प्रधानमंत्री कहीं जाते हैं तो देश के गृह मंत्री संसद में खड़े होकर बोलते हैं। गुजर बक्कर वालों के बारे में बोलते हैं तो दिक्कत होती है। हम इनकी बात करते हैं तो कहते हैं कि गए बीजेपी में, मिल गए बीजेपी से, डर रहे हैं बीजेपी से और ईडी आ गई।

आज तक तो नहीं आई पता नहीं कब आएगी, हमारे समय में दिक्कत होती है। मायावती किसी से डरती नहीं हैं।' सांसद मलूक नागर ने कहा, 'मायावती हमेशा पिछड़ों के लिए और दलितों के लिए आगे आती रही हैं। उन्हें देश सबसे पहले दिखता है और देश के लोग सबसे पहले दिखते हैं। जब पिछड़ों की बात आती है और दलितों की बात आती है हमेशा आगे बढ़कर मायावती खड़ी रहती हैं। करा इन्होंने कुछ नहीं, गलत भी इन्होंने किया, बदनाम भी यही कर रहे हैं और ईडी की बात भी यही फैसा रहे हैं।'

अपने क्रेडिट कार्ड से दिलाया था फोन, फिर ईएमआई मांगी तो दोस्त ने कर दी हत्या

नोएडा, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक सेल्समैन की उसके तीन दोस्तों ने कथित तौर पर रूमाल से गला घोंटकर हत्या कर दी। इनमें से एक ने मृतक के क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके 30,000 रुपये का मोबाइल फोन खरीदा था, लेकिन ईएमआई का भुगतान करने से इनकार कर रहा था। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना रविवार को हुई और आरोपियों ने शव को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एक सुनसान इलाके में नाले में फेंक दिया। इसने बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक आरोपी फरार है। पुलिस के मुताबिक, अमन ने करीब एक महीने पहले ईएमआई पर मोबाइल फोन खरीदने के लिए शुभंजय (24) के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया था। पुलिस के मुताबिक, शुभंजय ने अमन से पहली किस्त का भुगतान करने के लिए कहा। हालांकि, अमन ने भुगतान करने से इनकार कर दिया, जिसके कारण उसके और शुभंजय के बीच बहस हुई। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मध्य नोएडा) ह्रदेश कठेरिया ने कहा, 'रविवार की रात, अमन ने शुभंजय को शराब पीने के लिए मिलने को कहा और कहा कि वह पैसे भी लौटा देगा।

एनडीए में बीजेपी को चुनौती ! सुभासपा, अपना दल और निषाद पार्टी की सीटों पर दावेदारी से खलबली, इन पर दावा

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की चुनौती अब बढ़ने लगी है। सहयोगी दल अब बीजेपी पर सीटों के बटवारे को लेकर दबाव बनाने लगे है। इसके अलावा सहयोगी दलों ने कुछ सीटों पर अपनी दावेदारी भी पेश करनी शुरु कर दी है। बीजेपी के सहयोगी दल सुभासपा, अपना दल और निषाद पार्टी ने मिलकर एक साथ अपनी सीटों की डिमांड रख दी है। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी पर सहयोगी दल सीटों के बंटवारे और अपनी मांग का दबाव बना रहे हैं।

सूत्रों का दावा है कि बीजेपी के साथ बीते दिनों गठबंधन करने वाली सुभासपा ने 3 सीटों की डिमांग आगामी चुनाव के लिए की है।

सुभासपा के ओर से चंदौल, गाजीपुर और घोसी सीट पर दावेदारी की गई है। इतना ही नहीं अपना दल एस ने भी 5 सीटों की डिमांग बीजेपी नेतृत्व के सामने रखी है। अपना दल एस ने मिर्जापुर, प्रतापगढ़, अंबेडकरनगर, फतेहपुर और जालौन सीट पर दावेदारी की है।

निषाद पार्टी की दावेदारी

इसके अलावा यूपी सरकार में मंत्री डॉ। संजय निषाद की निषाद पार्टी के ओर से पूर्वांचल की सीटों पर अपनी दावेदारी पेश की है। दरअसल, बीजेपी अपने सहयोगी दलों के साथ राज्य में लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। पार्टी ने हर लोकसभा सीट और 270 विधानसभा सीटों पर अपने विस्तारक नियुक्त कर दिए हैं। इसके पार्टी ने हारी हुई सीटों पर अलग से केंद्रीय मंत्रियों को जिम्मेदारी दी है, जिन्होंने उन सीटों की समीक्षा कर तैयारी शुरु कर दी है। गौरतलब है कि यूपी में बीजेपी ने आगामी चुनाव के लिए मिशन-80 यानी 80 में 80 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पार्टी ने अपनी रणनीति के अनुसार काम भी तेज कर दिया है। बीते दिनों में सीएम योगी आदित्यनाथ, यूपी बीजेपी के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य दिल्ली दौरे पर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है। इस वजह से यूपी में हलचल बढ़ी हुई है।

यूपी कांग्रेस के नेताओं को बदल रहा मन

इस फैसले पर पीएम मोदी का नाम लेकर की तारीफ

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तीनों राज्यों में प्रचंड जीत हासिल करने के बाद बीजेपी ने यहां अपने मुख्यमंत्रियों के नामों को भी एलान कर दिया है। बीजेपी ने राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी है जो ब्राह्मण चेहरा है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी एक-एक डिप्टी सीएम के लिए ब्राह्मण चेहरे पर दांव चला है। जिसे लेकर कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने बीजेपी के इस कदम की तारीफ की है। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। वो कई बार पार्टी लाइन से हटकर भी बयान देते हैं, जिसकी वजह से उन पर कई तरह के सवाल भी उठते रहे हैं। इस बार भी उन्होंने तीनों राज्यों में बनाए के मुख्यमंत्रियों को लेकर प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के फैसले की तारीफ की है। उन्होंने राजस्थान में मुख्यमंत्री और मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में एक-एक ब्राह्मण डिप्टी सीएम बनाए जाने के फैसले को लेकर शुभकामनाएं दी, ये बयान ऐसे में और अहम हो जाता है जब कांग्रेस लगातार जातीय जनगणना की मांग कर रही है।

प्रमोद कृष्णम ने की पीएम मोदी के फैसले की तारीफ

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा , 'राजस्थान में "ब्राह्मण" को मुख्यमंत्री एवं छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में ब्राह्मणों को उप मुख्यमंत्री बनाये जाने के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को साधुवाद, एवं अन्य सभी "नवनिर्वाचित" सीएम और डिप्टी सीएम को हार्दिक बधाई और शुभ कामनायें।' तीन राज्यों में जीत के बाद बीजेपी ने जिस तरह से शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे सिंधिया और डॉ रमन सिंह की जगह नए चेहरों को तरजीह दी है उसे आगामी लोकसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। इन नए चेहरों के जरिए के साथ पार्टी ने जातीय समीकर को भी साधने की कोशिश की। राजस्थान में जहां पार्टी ने ब्राह्मण चेहरे भजन लाल शर्मा को सीएम बनाया है तो वहीं मध्य प्रदेश में मोहन यादव ओबीसी और छत्तीसगढ़ में आदिवासी नेता विष्णुदेव साय पर दांव चला है। तीनों राज्यों में दो-दो डिप्टी सीएम भी बनाए गए हैं।

कमिशन मांगने के आरोप में घिरे ओम प्रकाश राजभर के विधायक

लखनऊ, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर विवादों में आग गए हैं। उनकी पार्टी के जखनिया से विधायक बेदी राम पर सड़क निर्माण में कमिशन मांगे जाने का आरोप लगा है और कमीशन ना देने पर विधायक प्रतिनिधि के द्वारा सड़क निर्माण स्थल पर पहुंचकर मजदूरों के साथ मारपीट और गाली गलौज की। ठेकेदार ने इस मामले में पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को शिकायत पत्र सौंपा है। दूसरी तरफ बेदीराम ने तमाम आरोपों से इनकार किया है और कहा कि उन्होंने एक पैसे की भी कमीशन नहीं ली है। दरअसल गाजीपुर में जखनिया में हथियाराम मठ तक सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। आरोप है इस सड़क के निर्माण के लिए स्थानीय सुभासपा विधायक बेदी और उनके प्रतिनिधि के द्वारा लगातार ठेकेदार पर कमीशन का दबाव बनाया जा रहा है। जब उन्होंने कमीशन देने से इनकार किया तो अंजाम भुगत लेने की धमकी भी दी। जिसके बाद पीडब्ल्यूडी के वन ग्रेड के ठेकेदार युधिष्ठिर राय ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उनकी शिकायत की है। ठेकेदार ने जखनिया के विधायक बेदीराम के खिलाफ एक शिकायत पत्र पुलिस अधीक्षक को सौंपा है। ठेकेदार ने आरोप लगाया कि इससे पहले भी विधायक के द्वारा कई सड़कों के निर्माण में कमीशन खाई गई है, जो करीब दस लाख रुपये के आसपास होती है।

आजम खान और अब्दुल्ला को कोर्ट से लगा झटका, सफाई मशीन मामले में नहीं मिली जमानत

रामपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान को एक और जोरदार झटका लगा हैं। दरअसल, रामपुर के एमपी एमएलए विशेष अदालत सेशन कोर्ट में आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्लाह आजम खान द्वारा जमानत की अर्जी लगाई गई थी। इस अर्जी पर मंगलवार को बहस हुई और अदालत में उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी। यह मामला 2022 में दर्ज कराया गया था जिसमें आरोप था कि उत्तर प्रदेश सरकार में नगर विकास मंत्री रहते आजम खान ने रामपुर नगर पालिका की सफाई मशीन अपनी जौहर यूनिवर्सिटी में प्रयोग की और वहीं पर बाद में जमीन के अंदर दबा दी। जिनको पुलिस द्वारा निशान देही पर खोद कर बरामद किया गया था।

कोर्ट से लगा एक और झटका

वहीं इस मामले में ज्यादा जानकारी सरकारी वकील सीमा राणा ने बताया कि, '2022 में एक मैटर दर्ज किया गया था। जौहर यूनिवर्सिटी में जो नगर पालिका की मशीन थी वह बरामद हुई थी उसके संबंध में। अब्दुल्लाह आजम खान और आजम खान यह दोनों आरोपी थे और इनकी जमानत सेशन कोर्ट में लगाई गई थी। जिस पर मंगलवार को माननीय न्यायालय का फैसला आया है और इन दोनों की जमानत खारिज कर दी गई है।' सरकारी वकील ने आगे बताया कि, 'जमानत अर्जी खारिज करने का कारण जो जौहर यूनिवर्सिटी से जो मशीन बरामद हुई थी, वह जौहर कैंपस से रिकवर की गई है। इसके अलावा जो नगर पालिका ने जो मशीनें इशू करवाई उसमें एक मशीन वह भी पाई गई थी। इन सारे बातों को देखते हुए अदालत ने आजम खान की जमानत अर्जी खारिज की है।' बता दें कि पुलिस ने पिछले साल सितंबर में जौहर यूनिवर्सिटी से रामपुर नगर पालिका की रोड क्लीनर मशीन बरामद की थी। यह मशीन यूनिवर्सिटी कैंपस में दबाई गई थी। इस मामले में भाजपा नेता बाकर अली खान की ओर से सपा के नेता आजम खान, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और अनवार व सालिम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

16 साल बाद कांग्रेस सरकार में बिलासपुर को मिला मंत्री पद

बिलासपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सरकार बनने के एक साल के इंतजार के बाद जिला बिलासपुर को सुक्खू मंत्रिमंडल में जगह मिल ही गई। जिले से कांग्रेस के एकमात्र विधायक और सीएम सुक्खू के करीबी राजेश धर्माणी ने मंगलवार को मंत्री पद की शपथ ली। कांग्रेस सरकार में 16 साल बाद बिलासपुर को मंत्री पद मिला है। 2007 तक नयनादेवी से रामलाल ठाकुर बतौर वन मंत्री रहे। सरकार के एक साल के जश्न के कार्यक्रम के बाद सोमवार रात को ही तय हो गया था कि धर्माणी को मंत्रिमंडल में शामिल कर दिया जाएगा। सुबह से ही उनके घर पर समर्थकों की भीड़ बधाई देने के लिए जुट गई थी। धर्माणी के पास संगठन में भी काम करने का अच्छा खासा अनुभव है।

2012 में जीत हासिल करने के बाद तत्कालीन कांग्रेस सरकार में धर्माणी को मुख्य संसदीय सचिव का पद दिया गया। वीरभद्र सिंह ने उन्हें वन विभाग के साथ अटैच किया था। वीरभद्र सिंह और राजेश धर्माणी के बीच हमेशा सियासी शीत युद्ध चलता रहा। दोनों नेताओं ने कभी एक-दूसरे के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, लेकिन धर्माणी खुद को पद के साथ शक्तियां न दिए जाने पर अकसर नाराज रहे। धर्माणी ने नाराज होकर पहले 2 अक्तूबर 2013 को मुख्य संसदीय सचिव के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद लोकसभा चुनाव में नुकसान न हो, इसके लिए उन्होंने 4 अक्तूबर 2014 को इस्तीफा वापस ले लिया था। 10 मई 2014 को एक बार फिर सीपीएस का पद छोड़ दिया था। धर्माणी हमेशा अपने सिद्धांतों के पक्के रहे, उन्होंने सीपीएस रहते हुए भी सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल नहीं किया। 2 अप्रैल 1972 को बिलासपुर के घुमारवीं में जन्मे राजेश धर्माणी ने अपनी प्राथमिक शिक्षा राजकीय प्राथमिक पाठशाला चुवाड़ी से पूरी की। घुमारवीं से आगे की स्कूली पढ़ाई पूरी की। एनआईटी हमीरपुर से बीटेक सिविल की पढ़ाई की। उसके बाद उन्होंने एमबीए भी की। राजेश धर्माणी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव, यूथ कांग्रेस के महासचिव और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रह चुके हैं। वह संवेदना चैरिटेबल सोसायटी के फाउंडर मेंबर भी हैं। घुमारवीं सीट से राजेश धर्माणी ने 2007, 2012 में लगातार दो बार जीत हासिल की। इस बार 2022 में तीसरी बार जीत हासिल की है।

आप को झटका, राज शौकीन समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल, राहुल गांधी को लेकर कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली आम आदमी पार्टी को कांग्रेस ने बड़ा झटका दिया है। आप की संस्थापक सदस्य और वर्तमान में ज्वाइंट स्टेट सेक्रेटरी व राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य राज शौकीन कांग्रेस अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गईं। दिल्ली के कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर लवली ने पार्टी के पट्टा पहना उन्हें देश की सबसे पुरानी पार्टी में शामिल कराया। साथ ही कहा कि राज शौकीन का कांग्रेस में स्वागत है। राज का कांग्रेस में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज के साथ पार्टी से जुड़ने वाले आपके सभी नेताओं का और कार्यकर्ताओं का आभार। इस मौके पर दिल्ली कांग्रेस कार्यालय में आप की फाउंडर मेंबर और वर्तमान में ज्वाइंट स्टेट सेक्रेटरी व राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य राज शौकीन ने प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली की मौजूदगी में कांग्रेस परिवार में शामिल होने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि देश में इस समय किस तरह का माहौल है, ये बात किसी से छुपी नहीं है। ऐसे माहौल में राहुल गांधी जी मोहब्बत की बात कर रहे हैं। देशभर में मोहब्बत का पैगाम फैला रहे हैं। राहुल गांधी जी के देश के प्रति प्रेम, लगाव और समर्पण से प्रभावित होकर कांग्रेस से जुड़ रही हूं।

आईवी की बड़ी कार्रवाई, एयरपोर्ट से पकड़े गए 8 'भगोड़े', विदेश में ले रखी थी पनाह

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। इंटेलीजेंस ब्यूरो के अंतर्गत आने वाले इमीग्रेशन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए देश के अलग-अलग एयरपोर्ट से सात भगोड़ों को गिरफ्तार किया है। इन सभी भगोड़ों के खिलाफ विभिन्न राज्यों द्वारा लुक आउट नोटिस (एलओसी) जारी किया गया था। सबसे अधिक 4 गिरफ्तारियां दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से की गई है। इसके अलावा, अन्य गिरफ्तारियां अमृतसर एयरपोर्ट और लखनऊ एयरपोर्ट से की गई है। गिरफ्तार किए गए सभी भगोड़ों को स्थानीय पुलिस के हवाले कर संबंधित विभागों को सूचित कर दिया गया है। पहला मामला, दिल्ली एयरपोर्ट का है। इमीग्रेशन विभाग ने एयर इंडिया की पेरिस से आने वाली फ्लाइट एआई-142 से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे एएच नंदा को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पहुंचते ही इमीग्रेशन अधिकारियों ने लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

दूसरे मामले में, इमीग्रेशन विभाग ने मस्कट से दिल्ली पहुंचे अमृतपाल सिंह को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। अमृतपाल सिंह के खिलाफ भी एलओजी जारी थी। इसके अलावा, दिल्ली एयरपोर्ट से हांगकांग जाने की कोशिश कर रहे महेंद्र विश्वकर्मा को राजस्थान पुलिस द्वारा जारी एलओसी के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। वहीं, अमृतसर एयरपोर्ट से क्वालालंपुर जाने की कोशिश कर रहे टीके सेहमी और अमृतपाल सिंह को एलओसी के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, अहमदाबाद एयरपोर्ट से कमलेश कुमार नामक शख्स को एलओसी के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। वह शाहजाह से अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचा था। इमीग्रेशन विभाग ने दिल्ली एयरपोर्ट से राहुल झा नामक शख्स को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी ब्रिसबेन से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा था। वहीं, लखनऊ एयरपोर्ट से सत्ता भाई कारीगर को गिरफ्तार किया गया है, वह मस्कट से लखनऊ पहुंचा था, उसके खिलाफ गुजरात पुलिस ने एलओसी जारी की थी।

शादी से लौट रहे 'टीएमसी नेता के दामाद को बदमाशों ने मारी गोली, फिर धारदार हथियार से किया वार

कोलकाता, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर में स्थानीय टीएमसी नेता के दामाद की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मृतक 30 वर्षीय तन्मय सरकार को बदमाशों ने मंगलवार को उस वक्त रोका, जब वह अपनी बाइक से एक शादी से लौट रहे थे और फिर करीब से गोली मार दी। गोली मारने के बाद आरोपियों ने मौके से भागने से पहले तन्मय सरकार पर धारदार हथियार से हमला भी किया। तन्मय सरकार को पहले स्थानीय इटाहार अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें रायगंज मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गो फर्स्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट से कहा- कंपनी के पास 2,278 कर्मचारी हैं, नहीं आ रहा कोई काम

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। नकदी संकट से जूझ रही गो फर्स्ट एयरलाइन के रेजोल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक हलफनामा दाखिल किया है, जिसमें कहा गया है कि 2,278 कर्मचारी कंपनी के रोल पर हैं, जिनमें से कोई भी वर्तमान में काम पर नहीं आ रहा है। आरपी शैलेन्द्र अजमेरा ने हलफनामे में कहा, इंजीनियरिंग और रिकॉर्ड टीम के विभिन्न कर्मचारियों (जिन पर रखरखाव गतिविधियों की जिम्मेदारी थी) ने या तो धीरे-धीरे इस्तीफा दे दिया है या वेतन का भुगतान न होने के कारण काम पर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने अदालत को बताया, दिवालियापन शुरू होने की तारीख के अनुसार कॉर्पोरेट देनदार के रोल पर कर्मचारियों की संख्या लगभग ।। 4,621 थी। हालांकि, 10 अक्टूबर 2023 तक लगभग ।। 2,278 कर्मचारी कंपनी के रोल पर बने हुए हैं, जिनमें से कोई भी वर्तमान में काम पर रिपोर्ट नहीं कर रहा है। आरपी का हलफनामा पट्टादाता द्वारा अवमानना याचिका दायर करने के बाद आया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अजमेरा ने उन्हें विमान का निरीक्षण करने की अनुमति नहीं दी और अदालत के निर्देशों के अनुसार उनका रखरखाव नहीं किया। हलफनामे में लिखा है, वर्तमान अवमानना याचिका सही इरादे से दायर नहीं की गई है और वास्तव में रिट याचिकाओं में अंतिम फैसलों को विलंबित करने और पटरी से उतारने के एकमात्र उद्देश्य से दायर की गई है।" उन्होंने अवमानना याचिका की सामग्री को पूरी तरह से अस्वीकार करते हुए कहा कि कॉर्पोरेट देनदार के रिकॉर्ड से संकेत मिलता है कि कर्मचारियों/कर्मचारियों का वेतन अप्रैल 2023 से नहीं दिया गया था। सीआईआरपी 10 मई 2023 को शुरू होने के बाद, पूर्ववर्ती आईआरपी ने मई 2023 के महीने के वेतन का भुगतान करने के लिए कॉर्पोरेट देनदार के पास उपलब्ध मौजूदा धन का उपयोग किया था। इसके बाद, जून 2023 के महीने के लिए वेतन भुगतान अगस्त 2023 में कॉर्पोरेट देनदार की चालू चिंता की स्थिति को जारी रखने के लिए महत्वपूर्ण परिचालन खर्चों को पूरा करने के लिए सीओसी द्वारा प्रदान किए गए कोष से किया गया था। हलफनामे में कहा गया है, हालांकि, चूंकि कॉर्पोरेट देनदार को किसी भी उड़ान संचालन का संचालन करने से प्रतिबंधित किया गया है, कॉर्पोरेट देनदार कोई भी राजस्व उत्पन्न करने में असमर्थ है, जिसका उपयोग कर्मचारियों के वेतन के भुगतान और महत्वपूर्ण परिचालन खर्चों को पूरा करने के लिए किया जा सकता था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने नकदी संकट से जूझ रहे गो फर्स्ट के आरपी को 5 दिसंबर को अवमानना कार्रवाई की मांग करने वाली एक पट्टादाता की याचिका के जवाब में एक हलफनामा दायर करने के लिए कहा था। पट्टादाता का आरोप है कि आरपी ने विमान के निरीक्षण और रखरखाव की अनुमति देने के अदालत के आदेश का पालन नहीं किया है।

जेपी नड्डा ने 22 से 23 दिसंबर को बुलाई बीजेपी की बड़ी बैठक, लोकसभा चुनाव में 325 सीटें जीतने का है टारगेट

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 22 से 23 दिसंबर को पार्टी की एक बड़ी बुलाई है। इस बैठक में सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन मंत्री, प्रदेश प्रभारी, सह प्रभारियों सहित सभी मोर्चों के अध्यक्षों को भी बुलाया गया है। ये बैठक जेपी नड्डा के नेतृत्व में होगी और बैठक में लोकसभा चुनाव में 325 सीटों पर विजय लक्ष्य को लेकर चर्चा की जाएगी। पिछले महीने नवंबर में पांच राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव हुए। जिसके नतीजे इस महीने दिसंबर की 3 तारीख को घोषित किए गए। पांच में से हिंदी पट्टी वाले तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने दमदार जीत हासिल की और तीनों ही राज्यों में मुख्यमंत्री के लिए नए चेहरों को मौका दिया। ऐसे में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए बीजेपी का ये बड़ा कदम बताया जा रहा है।

इंस्टाग्राम के जरिये भी हो रही है नशे की बिक्री, फडणवीस बोले- कड़ी कार्रवाई करेंगे

मुंबई, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के विभिन्न क्षेत्रों में नशे का कारोबार कर रहा माफिया लगातार सिर उठा रहा है। आलम यह है कि अब नशे की सप्लाई और बिक्री के लिए अब इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का भी प्रयोग किया जाने लगा है। महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान ये मामला उठाया गया है। इस मुद्दे पर राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कार्रवाई की बात कही है। आइए जानते हैं कि क्या है ये पूरा मामला। इंस्टाग्राम पर मादक पदार्थ यानी नशे से संबंधी गतिविधियों में वृद्धि पर महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अवैध वस्तुओं की ब्रिकी के बाजार में तब्दील हो गया है। उन्होंने विधान परिषद में कहा कि डार्क नेट के माध्यम से भी मादक पदार्थ बेची जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इंस्टाग्राम मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री के बाजार के रूप में उभरा है, जहां ऑर्डर दिए जा रहे हैं, भुगतान जी-पे और यूपीआई के माध्यम से किया जा रहा है और उनकी आपूर्ति की जा रही है। विधानपरिषद में उठाए गए इस मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस संबंध में निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि इस मामले को ध्यान में रखते हुए कूरियर कंपनियों से पार्सल की जांच करने की अपील की गई है और मादक पदार्थ के व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए कूरियर कार्यालयों में आधुनिक प्रौद्योगिक की मदद से औचक जांच की जा रही है।

भाजपा सांसद किरण खेर पर गंभीर आरोप शख्स को दी जान से मारने की धमकी, कारोबारी को मिली पुलिस सुरक्षा

चंडीगढ़, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने चंडीगढ़ पुलिस को निर्देश दिया है कि वह उस व्यवसायी और उनके परिवार को एक सप्ताह के लिए सुरक्षा प्रदान करे, जिन्होंने स्थानीय सांसद किरण खेर और उनके सहयोगी से धमकी मिलने का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की है। चैतन्य अग्रवाल ने वरिष्ठ वकील अनमोल रतन सिद्धू के जरिए दायर अपनी याचिका में कहा कि उन्हें, उनकी पत्नी रुचिका अग्रवाल और उनकी दो नाबालिग बेटियों की जान को चंडीगढ़ की सांसद से खतरा होने की आशंका है।

याचिकाकर्ता ने कहा कि उनके और प्रतिवादियों के बीच कुछ वित्तीय मुद्दे थे जो इस आशंका का कारण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता के जरिए खेर के सहयोगी सहदेव

सलारिया के संपर्क में आए। उन्होंने दावा किया कि खेर ने उन्हें निवेश के लिए 8 करोड़ रुपये दिए थे और वह पहले ही दो करोड़ रुपये लौटा चुके हैं और शेष लौटाना बाकी है। याचिका में कहा गया है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण, याचिकाकर्ता ने निवेश पर मुनाफा अर्जित करने और पैसे लौटाने के लिए समय मांगा। इसमें कहा गया है कि उन्हें तुरंत ब्याज सहित पैसे लौटाने की धमकी दी गई और खेर तथा उनके सहयोगी द्वारा लगातार परेशान किया जा रहा है। लोक अभियोजक मनीष बंसल ने अदालत के समक्ष कहा कि याचिकाकर्ता या उनकी पत्नी या उनकी नाबालिग बेटियों की ओर से किसी भी थाने में इस संबंध में कोई शिकायत नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी भी धमकी के मामले में, ऐसे मामलों की रिपोर्ट करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 112 है, लेकिन न तो याचिकाकर्ता और न ही उनके परिवार के किसी सदस्य ने हेल्पलाइन नंबर पर फोन किया है। याचिकाकर्ता के वकील सिद्धू ने दलील दी कि ''प्रतिवादी नंबर दो (खेर) की 'प्रोफाइल' को देखते हुए, यदि वे सीधे इस अदालत में आए हैं, तो यह उनके जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा से इनकार करने का आधार नहीं हो सकता है।'' मामले के गुण-दोष और याचिका की विचारणीयता पर टिप्पणी किए बिना, अदालत ने 11 दिसंबर के अपने आदेश में कहा, 'अगर यह अदालत फिलहाल उन्हें सुरक्षा नहीं देती है, तो यह संवैधानिक अधिकार क्षेत्र का प्रयोग नहीं करने के समान होगा।''इसके साथ ही अदालत ने संबंधित पुलिस अधीक्षक और संबंधित थाना प्रभारी को एक सप्ताह के लिए याचिकाकर्ता को उचित सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया। अदालत ने यह भी कहा कि यदि याचिकाकर्ता को अब सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है, तो सुरक्षा एक सप्ताह से पहले भी हटायी जा सकती है।

बंगाल स्कूल भर्ती घोटाला: अस्पताल ने सुजय भद्र को आईसीयू से केबिन में स्थानांतरित किया

कोलकाता, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार द्वारा संचालित दक्षिण कोलकाता के एस।एस।के।एम। मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने पश्चिम बंगाल में स्कूल भर्ती घोटाले के मुख्य आरोपी सुजय कृष्ण भद्र को कार्डियोलॉजी विभाग के आईसीयू से वापस सामान्य केबिन में स्थानांतरित कर दिया है। मामले के जानकार सूत्रों ने बताया कि भद्र की चिकित्सीय स्थिति में सुधार के बाद उन्हें वापस सामान्य केबिन में स्थानांतरित करने का निर्णय रात को लिया गया। यह निर्णय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्डियोलॉजी विभाग के आईसीयू में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के दो सशस्त्र कर्मियों के अलावा अपने दो अधिकारियों को निगरानी के लिए तैनात करके सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करने के फैसले के बाद किया गया है। वहीं, मंगलवार को ईडी के अधिकारियों ने एस।एस।के।एम। से भद्र के कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्ट (सीएबीजी) के बारे में रिपोर्ट माँगी है ताकि यह समझा जा सके कि इस साल अगस्त में बाईपास सर्जरी होने के बाद आरोपी को चार महीने तक भर्ती क्यों रहना पड़ा। उल्लेखनीय है कि ईडी के अधिकारी मामले की जाँच के सिलसिले में 7 दिसंबर को भद्र की आवाज का नमूना परीक्षण करने से पहले अनिवार्य चिकित्सा जांच के लिए उन्हें कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके में केंद्र संचालित ईएसआई अस्पताल में स्थानांतरित करने के लिए एक एम्बुलेंस के साथ एसएसकेएम अस्पताल पहुंचे थे। हालाँकि, अधिकारियों को खाली हाथ लौटना पड़ा क्योंकि एसएसकेएम। के अधिकारियों ने उन्हें सूचित किया

तीन साल की बच्ची से बलात्कार के प्रयास के आरोप में कर्नाटक का एक व्यक्ति गिरफ्तार

मांड्या, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक पुलिस ने बुधवार को मांड्या जिले में तीन साल की एक बच्ची से बलात्कार के प्रयास के आरोप में 55 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान शिवन्ना के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर बच्ची को पड़ोसी के घर से अपने घर ले गया। उसकी चीख सुनकर पड़ोसियों को संदेह हुआ और वे तुरंत आरोपी के घर पहुंचे। उन्होंने दरवाजा तोड़ दिया और बच्ची को सफलतापूर्वक बचा लिया, जबकि आरोपी पिछले दरवाजे से भागने में सफल रहा। बच्ची के माता-पिता ने केआरएस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद, पुलिस ने तलाश शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच चल रही है।

एआई के क्षेत्र में प्रतिभा की कमी को पाटने की गंभीर जरूरत: आईटी राज्य मंत्री

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने बुधवार को यहां कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संबंधित नौकरियों के लिए प्रतिभा की भविष्य की पाइपलाइन को आकार देने के लिए टेक उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों को वैश्विक स्तर पर सरकारों के साथ मिलकर काम करने की गंभीर आवश्यकता है। मंत्री ने राजधानी में ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जीपीएआई) शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन एक फायरसाइड चैट सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभा का पोषण करना एक ऐसी चीज है जिसमें सरकारें मदद कर सकती हैं लेकिन निश्चित रूप से इसमें मुख्य भूमिका नहीं निभा सकती हैं। भविष्य की नौकरियों के लिए उद्योग और शिक्षाविदों को मिलकर काम करना होगा। चंद्रशेखर ने सभा को बताया, यह स्पष्ट है कि एआई के क्षेत्र में प्रतिभा की भारी कमी होने वाली है। हमारे शैक्षणिक संस्थानों, चाहे वह यूके, जापान या भारत में हों, को वास्तव में इसे समझने और इस एआई पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक प्रतिभा प्रदान करना शुरू करने की तत्काल आवश्यकता है। मैकिन्से डेटा के अनुसार, एआई टूल्स का संभावित आर्थिक मूल्य आगे चलकर 26 लाख करोड़ डॉलर तक हो सकता है। मैकिन्से के अनुसार, दुर्भाग्य से, एआई को अपनी पूर्ण व्यावसायिक क्षमता तक पहुंचने में एक प्रमुख सीमित कारक एआई में नवाचार जारी रखने के लिए सही कौशल और क्षमताओं वाले व्यक्तियों की उपलब्धता है। मंत्री के अनुसार, एआई उद्योग को अत्याधुनिक प्रतिभा, आर्किटेक्ट और बड़े-भाषा मॉडल (एलएलएम) के डिजाइनरों की जरूरत है। चंद्रशेखर ने कहा, जैसे-जैसे हम इस एआई मार्ग पर आगे बढ़ेंगे, अधिक से अधिक जटिलताएँ और क्षमताएँ होंगी जिनके लिए हमें प्रतिभा की आवश्यकता है। इसलिए मुझे लगता है कि यह इस पूरी रणनीति का लगभग केंद्रीय हिस्सा है कि हम राष्ट्रों के एक समूह के रूप में विकसित हो रहे हैं, हमारे पास एक प्रतिभा पूल है जो इन क्षमताओं का निर्माण कर रहा है। ऐसा टैलेंट पूल बनाने के लिए विभिन्न देशों और उद्योगों के अकादमी नेटवर्क को मिलकर काम करना होगा। मंत्री ने कहा, पाठ्यक्रम को संरेखित करें और पीछे मुड़कर देखने और अनुमान लगाने की बजाय भविष्य के लिए तैयार कौशल के साथ भविष्य के लिए तैयार नौकरियों के लिए शिक्षित करें।

अपनी पत्नी को दोस्त के साथ रात बिताने को किया मजबूर, केस दर्ज

बेंगलुरु, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी को अपने दोस्त के साथ रात बिताने के लिए मजबूर करने का मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया कि इस घटना को लेकर उसके पति ने उसे प्रताड़ित किया और उसके साथ मारपीट की। शिकायत के बाद बसवनगुडी महिला पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की और जांच शुरू की। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी उस पर अपने दोस्त के साथ रात गुजारने का दबाव बना रहा था। बसवनगुड़ी इलाके के रहने वाले आरोपी ने एक साल पहले पीड़िता से शादी की थी। उसने कथित तौर पर अपने परिवार का कर्ज चुकाने के लिए उसे 10 लाख रुपये का दहेज लाने के लिए मजबूर किया। पीड़िता को अक्सर बेल्ट से पीटा जाता था और उसके भाई ने पहले ही 2 लाख रुपये दे दिए थे।

एयर इंडिया को देरी से विमान उड़ाना पड़ा भारी अब इन लोगों को देना होगा 2 लाख का हर्जाना

तिरुवनंतपुरम, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। विमान को समय से परिचालन करना हमेशा से एक बड़ी समस्या रहा है। सभी विमान कंपनियां दावा करती हैं कि उनकी उड़ान समय से यात्री को उनके गंतव्य स्थान पर पहुंचाएगी, लेकिन बहुत कम एयरलाइन ही इस दावे पर खरा उतर पाती है। ऐसे में एयर इंडिया को भी उड़ान में देरी करना भारी पड़ा और अब उसे इसकी एवज में यात्रियों को 2 लाख रुपये का हर्जाना देना पड़ेगा।

जानिए क्या है पूरा मामला

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) की ओर से उन यात्रियों को दो लाख रुपये का मुआवजा देना आदेश दिया है, जिनकी उड़ानों में 2003 में देरी हुई थी। एनसीडीआरसी द्वारा आदेश में कहा गया कि एयरलाइन कनेक्टिंग फ्लाइट के दौरान अपने यात्रियों की देखरेख के लिए बाध्य हैं। अगर दोनों कनेक्टिंग फ्लाइट की एयरलाइन एक है। जैसा कि इस केस में देखने को मिल रहा है। बता दें, 13 दिसंबर, 2003 को एसीडीआरसी में शिकायत दर्ज कराने वाले चार लोगों ने एयर इंडिया की तिरुवनंतपुरम से चेन्नई,चेन्नई से कोलकाता और बाद में कोलकाता से डिब्रूगढ़ की यात्रा के लिए चार अलग-अलग हवाई रिटर्निंग टिकट खरीदे थे। तिरुवनंतपुरम-चेन्नई उड़ान को देरी का सामना करना पड़ा, जिससे शिकायतकर्ताओं की कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई। शिकायतकर्ताओं ने अपने आरोप में कहा कि बेंगलुरु से कोलकाता के लिए सुबह 6 बजे प्रस्थान के एयरलाइन के भरोसे के बावजूद, आधी रात को वैकल्पिक व्यवस्था की गई। इसके साथ ही कहा कि इस दौरान एयरलाइन की ओर से जो खाना उपलब्ध कराया गया। वह काफी खराब क्वालिटी का था।

इसके बाद दिल्ली और डिब्रूगढ़ की फ्लाइट भी कोलकाता नहीं पहुंची, जिसके कारण शिकायतकर्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। अपनी यात्रा को अधूरा ही छोड़ना पड़ा। इसके बाद जिला फोरम में एयरलाइन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 14 दिसंबर - 2023

नये चेहरों ने चौंकाया

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सीएम ने पद और गोपनीयता की शपथ ले ली है। अब राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा की बारी है। तीनों प्रदेशों के सीएम चेहरे को लेकर जिसने भी चुना सबने आश्चर्य व्यक्त किया। तीनों राज्यों के सीएम अनजान से चेहरे वाले ही हैं। इसके पहले अनुमान लगाए जा रहे थे कि वरिष्ठ नेताओं में से किसी को कमान सौंपी जाएगी, लेकिन हुआ ठीक उल्टा। जयपुर की सांगानेर सीट से पहली बार विधायक चुने गए भजन लाल शर्मा ने नाम पर पार्टी हाइकमान की मुहर लग गई तो सबका मुंह खुला का खुला रह गया। ऐसे ही चौंकाने वाले निर्णय मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी लिए गए। मध्यप्रदेश में तो जितने मुंह उतनी बातें हो रही थीं। काफी लोग भाजपा की विजय के पीछे शिवराज सिंह चौहान के कामकाज और योजनाओं का बड़ा हाथ होने का कयास लगा रहे थे। उनके अलावा केंद्र से मंत्री पद छोड़ कर एमएलए बने नेताओं को भी पुरस्कृत करने की अटकलें चल रही थी। मगर एमपी में मोहन यादव बाजी मारने में सफल रहे। कमोवेश यही हाल छत्तीसगढ़ में रहा जहां विष्णुदेव साय को सत्ता की चाबी सौंप दी गई है। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की कमान बिल्कुल अनजान से नेताओं को सौंप कर भाजपा नेतृत्व ने लोगों को विस्मित कर दिया था। लेकिन राजस्थान में भी जब यही काम किया गया तो लोग चर्चा करने लगे कि पीएम नरेंद्र मोदी की स्टाइल ही यही है। इसके पहले वे गुजरात, उत्तराखंड, हरियाणा जैसे राज्यों में ऐसा प्रयोग कर भाजपा को विजय दिलाई है। यदि मोदी ने इस तरह के साहसपूर्ण निर्णय लिया है तो इसकी कुछ वजहें बिल्कुल स्पष्ट हैं। आमतौर पर राजनीतिक दल नेताओं की वरिष्ठता और अनुभव आदि को ध्यान में रख कर मठाधीश टाइप नेताओं को मुख्यमंत्री, मंत्री और अन्य पदों पर नियुक्ति करते हैं। मगर मोदी के नेतृत्व में भाजपा इस फार्मूले से अलग हटकर काम करती है। मोदी के लिए संगठन सर्वोपरि है। जो संगठन के लिए निष्ठावान कार्यकर्ता की तरह काम करता है, उसे पुरस्कृत किया जाता है। संगठन में खेमेबंदी करने वालों को एकदम से ठिकाने लगा दिया जाता है। इसी का दंड शायद शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे को भुगतना पड़ा है। राजस्थान में वसुंधरा राजे ने मान लिया था कि उनकी अगुआई के बिना भाजपा का चुनाव जीतना मुश्किल होगा। केंद्रीय नेतृत्व के साथ उनके रिश्ते भी सहज नहीं रह गए थे। लेकिन जब राजस्थान में पूर्ण बहुमत से भाजपा जीत गई, तो उन्होंने अपने खेमे के नेताओं की लामबंदी शुरू कर दबाव बनाने का प्रयास किया कि मुख्यमंत्री पद पर एकमात्र हक उनका ही है। लेकिन भाजपा ने भजन लाल शर्मा को आगे कर स्पष्ट संदेश दे दिया है कि खेमेबंदी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान का खेमा भी यही मानता था कि उनका कोई विकल्प नहीं हो सकता। छत्तीसगढ़ में रमन सिंह अपने पुराने कार्यकाल के दागों से मुक्त नहीं थे, इसलिए उनके बारे में कुछ सोचा ही नहीं गया। बता दें कि भाजपा इन तीनों राज्यों में सिर्फ कमल चुनाव चिन्ह को ही चेहरा बनाया था न कि किसी सीएम के चेहरे को। मध्यप्रदेश में जरूर भाजपा की सरकार थी, मगर शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया था। इस तरह पहले से तय था कि नेतृत्व परिवर्तन होगा। नए चेहरे को आगे करने का फायदा यह भी मिलता है कि पहले के नेतृत्व के साथ जो कुछ अनियमितताएं, खराब नीतियां और फैसले जुड़े होते हैं, वे सब हाशिये पर चले जाते हैं। नए चेहरे से नई उम्मीदें बंध जाती हैं। पुराने दाग-धब्बे धुंधले पड़ जाते हैं। उत्तराखंड और गुजरात में नेतृत्व परिवर्तन कर भाजपा ने इसका लाभ उठाया भी है। फिर सबसे बड़ी बात कि इस तरह भाजपा दूसरे राजनीतिक दलों से खुद को अलग खड़ी करती है कि उसमें किसी भी नेता को नेतृत्व सौंपा जा सकता है, वरिष्ठता, लोकप्रियता या पार्टी नेताओं में पकड़ का पैमाना पुरानी बातें हो चुकी हैं। ये नये दौर का भारत है, इसमें सबकुछ नया ही होना है।

बहस तो भाजपा के भविष्य को लेकर होना चाहिए ?

श्रवण गर्ग

हिन्दी भाषी तीन राज्यों में कांग्रेस को शिकस्त देने के तत्काल बाद प्रधानमंत्री के 'मार्गदर्शन' में जिस तरह मुख्यमंत्रियों की नियुक्तियों कीं गईं और स्थापित पार्टी-नेताओं को निस्तेज साबित कर हाशियों पटका गया, विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के लिए गंभीर चेतावनी है। विपक्षी गठबंधन की छह दिसंबर की बैठक का कुछ नेताओं द्वारा कथित तौर पर 'बहिष्कार' करने की खबरों के बाद से कुछ राजनीतिक समीक्षक चिंता ज़ाहिर करने लगे थे कि एकता के प्रयासों में दरार पड़ गई है।

कांग्रेस की पराजय पर हो रही आलोचना में दो तरह की अटकलें तलाशी जा सकतीं हैं : पहली यह कि तीन दिसंबर के नतीजों के बाद से मोदी ज़्यादा ताकतवर हो गए हैं। दूसरी यह कि प्रधानमंत्री द्वारा करार दिया गया 'घमंडिया गठबंधन' ज़्यादा दिन चलने वाला नहीं है।'इंडिया' गठबंधन को अग्रिम श्रद्धांजलि देने को उत्सुक आलोचकों का समूह इसके लिए राहुल गांधी की बलि लेना चाहता है।आलोचकों में बड़ी संख्या उन लोगों की है जो ऐतिहासिक 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान राहुल की शान में क़सीदे पढ़ रहे थे और कर्नाटक जीत में देशव्यापी परिवर्तन की सूनामी ढूँढ़ रहे थे।

दो साल पहले पश्चिम बंगाल में हुए चुनावों में तृणमूल की विजय के बाद पंजाब में 'आप' और हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना में कांग्रेसकी जीत पर आलोचकों के बीच सुगबुगाहट भी नहीं हुई कि लोकसभा चुनावों में भाजपा को किसी संकट का सामना भी करना पड़ सकता है। हक़ीक़त यह है कि 2014 और 2019 की तुलना में न सिर्फ़ एनडीए कमज़ोर ही हुआ है, इस बात का अनुमान लगाना भी कठिन हो रहा है कि सत्ता में वापसी के लिए भाजपा 272 सीटों के बहुमत का आँकड़ा किन राज्यों से जुटाने वाली है ? आश्चर्यजनक रूप से 2024 के लिए भाजपा का नारा तो यह है कि 'अब की बार 400 पार'। ऐसा है तो फिर उसके 2029 के लिए नारे की कल्पना भी अभी से की जा सकती है !

सवाल यह है कि भाजपा को 2019 में मिली 303 सीटों में शामिल महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक से प्राप्त 65 सीटों का सहारा क्या क़ायम रहेगा ? भाजपा ने पिछला चुनाव उद्धव की शिव सेना और नीतीश के जद(यू) के साथ लड़ा था। वर्तमान में दोनों साथ नहीं हैं। कर्नाटक में अब सरकार कांग्रेस की है। महुआ मोइत्रा के ख़िलाफ़ कार्रवाई के बाद भाजपा पश्चिम बंगाल में 2019 की अपनी 18 सीटों में से कितनी बचा पाएगी ? उसकी तेलंगाना की चार ,हिमाचल की चार और झारखंड की ग्यारह सीटों का भविष्य क्या होगा जहां अब विपक्ष की सरकारें हैं ? जिन तीन राज्यों (मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़) में भाजपा की हाल में जीत हुई है वहाँ की 65 में से 61 सीटें तो उसके पास पहले से है। विधानसभा परिणामों से आहत कांग्रेस क्या उनमें कोई सेंध नहीं लगा पाएगी ?पूछा जाना चाहिए कि भाजपा अगर 2024 को लेकर चिंतित नहीं है तो इतनी बड़ी संख्या में सांसदों को विधानसभा चुनाव क्यों लड़वाए गए और संसद से इस्तीफ़े क्यों करवाए गए ? इस मुद्दे पर चुप्पी क्यों है कि केंद्रीय मंत्री और सांसद विधानसभा चुनाव हार गए ? पूरे देश ने देखा कि तीन दिसंबर को नतीजे प्राप्त हो जाने के सात दिन बाद पहले मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा दस दिसंबर को छत्तीसगढ़ के लिए की गई। कोई तो कारण रहा होगा ?

प्रथम दृष्टया तो यही समझ में आता है कि भाजपा राज्यों के स्थापित क्षत्रपों ने पार्टी आलाकमान की सत्ता को चुनौती देना प्रारंभ कर दिया है। 11 दिसंबर को मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री के नाम की नाटकीय अन्दाज़ में घोषणा के पहले और बाद में भी शिवराज सिंह भोपाल में और उसके अगले दिन जयपुर में वसुंधरा राजे जिस अन्दाज़ में पेश आईं उसमें आने वाले दिनों की टोह ली जा सकती है ! छुपी बात नहीं कि जिस एक व्यक्ति को मध्यप्रदेश में भाजपा की जीत का श्रेय जाता है उसकी न सिर्फ़ चुनाव प्रचार के दौरान घोर उपेक्षा की गई, उसके उत्तराधिकारी के चयन में भी दूरी और गोपनीयता बनाकर रखी गई। शिवराज प्रतीक्षा करते रह गए होंगे कि कम से कम एक बुलावा तो दिल्ली से आएगा ! ऐसा तो कुछ नहीं हुआ बल्कि उनके मंत्रिमंडल के ही एक सदस्य का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए प्रस्तावित करने की ज़िम्मेदारी उन्हें सौंप दी गई। अब लाड़ली बहनें शिवराज सिंह से लिपट-लिपटकर विलाप कर रहीं हैं : 'हमने तो आपको चुना है !' उन्हें कौन जवाब देगा ? मोहन यादव तो नहीं ही दे पाएँगे ! पार्टी शायद मानकर चल रही है कि शिवराज सिंह और वसुंधरा राजे आदि नेताओं का राज्यों में काम पूरा हो गया है और उनकी ज़रूरत नहीं बची है ! केवल प्रधानमंत्री के तिलिस्म के दम पर ही पार्टी लोकसभा में बहुमत का आँकड़ा पार करना चाहती है !

वे तमाम आलोचक जो इंडिया गठबंधन में मतभेदों की दरारें तलाश रहे हैं इस सचाई की तह में भी जा सकते हैं कि क्या प्रधानमंत्री का जादुई तिलिस्म अब कमज़ोर पड़ने लगा है ? क्या मतदाताओं ने उनके कहे को नज़रअंदाज़ करना प्रारंभ कर दिया है ? इसका संकेत प्रधानमंत्री द्वारा बाड़मेर के बायतु में दिए गए चुनावी भाषण से प्राप्त परिणामों में तलाशा जा सकता है !

बायतु के अपने बहुचर्चित भाषण में मोदी ने मतदाताओं का आह्वान किया था कि वे कमल के बटन को ऐसे दबाएँ जैसे (कांग्रेस को) फाँसी दे रहे हों। इशारा साफ़ था। परिणामों में क्या हुआ ? भाजपा उम्मीदवार तीसरे नंबर पर रहा। बायतु में जीत कांग्रेस की हुई। ऐसे ही नतीजे राजस्थान के तारानगर, पीलीबंगा, हनुमानगढ़, सूरतगढ़, झुंझूनू ,आदि स्थानों की सभाओं के बाद निकले। हनुमानगढ़ में निर्दलीय की और बाक़ी सभी जगह कांग्रेस की जीत हुई।

इंडिया गठबंधन में पड़ी कथित दरारों का संबंध भाजपा से मुक़ाबले को लेकर नहीं बल्कि सीटों के सम्मानजनक बँटवारे से है। न ही कोई दल गठबंधन को छोड़कर गया है। पूछा जा सकता है कि तीन महत्वपूर्ण राज्यों में इतनी बड़ी जीत के बाद एनडीए के साथ कितने दल और जुड़ गए ? कोई भी क्यों नहीं जुड़ा ? मध्यप्रदेश और राजस्थान में पहले टिकिटों के बंटवारे फिर मुख्यमंत्री-चयन को लेकर जो अंदरूनी संघर्ष प्रकट हुआ उसे अगर नज़रअंदाज़ नहीं करना हो तो असली बहस तो भाजपा और एनडीए के भविष्य को लेकर होना चाहिए ! शिवराज सिंह ने तो भोपाल में संकेत दे दिये हैं : 'मर जाऊँगा पर काम माँगने दिल्ली नहीं जाऊँगा।' देखना यह है कि भजनलाल शर्मा द्वारा शपथ ले लेने के बाद वसुंधरा राजे जयपुर में क्या करने वाली हैं ? लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के पास भी ज़्यादा वक्त नहीं बचा है !

http://shravangarg1717.blogspot.com

मोहन यादव के बहाने चुनाव साधने की कवायद

अशोक भाटिया

राजनीतिक पंडितों का मानना है कि मोहन यादव को मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री बनाने का उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बिहार में राष्ट्रीय जनता दल की राजनीति पर असर पड़ सकता है, ख़ासकर 2024 के लोकसभा चुनाव में। यही नहीं, एक ओबीसी चेहरे को मुख्यमंत्री बनाकर मोदी ने राहुल गांधी के ओबीसी दांव की काट करने की कोशिश की है। मायने साफ हैं कि आप तो सिर्फ कह ही रहे हो जबकि हमने तो बना ही दिया है। आप तो ओबीसी अफसरों की गिनती ही कर रहे हैं. हमने तो एक बड़े राज्य में मुख्यमंत्री ही इस तबके का बना दिया। इसके लिए पुराने और बड़े चेहरों को भी दरकिनार किया है। यह सब गिनवाया जाएगा। आगे जब बाकी राज्यों में जाति सर्वे की मांग उठेंगी तो भाजपा इन ओबीसी चेहरों को उस मांग के सामने खड़ा करेगी। एक तरह से यह चेहरे ही पार्टी के लिए सेफ्टी वॉल का काम करेंगे। ऐन लोकसभा चुनाव के मुहाने पर इस काट के मायने बड़े हैं। लोकसभा चुनावों के मद्देनज़र हिन्दी बेल्ट में ओबीसी की सबसे बड़ी जातियों में से एक यादवों को पाले में लाने के लिए मोहन यादव का चयन मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकता है। सिर्फ मप्र की ही बात करें तो यहां ओबीसी आबादी 51% है। इस तबके को अपने साथ जोड़ने के लिए किसी ऐसे चेहरे की जरूरत थी जो पिछड़ा वर्ग समाज से आता हो।

एक तरफ जहां समाजवादी पार्टी और राजद पर परिवार भाजपा परिवारवाद का आरोप लगाती है तो वहीं अब मध्यप्रदेश में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने यह संदेश दे दिया है कि अब वह उत्तरप्रदेश और बिहार के यादव वोट बैंक में भी सेंध लगाने को तैयार है। भाजपा यह मानती है कि राजद और जदयू के एक साथ होने के बाद लोकसभा चुनाव में भाजपा को बड़ी चुनौती बिहार में मिल सकती है, इसलिए भाजपा हर वह दांव चल रही है जिससे विरोधियों को बैकफुट पर रखा जा सके। मध्यप्रदेश में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर भाजपा के प्रवक्ता राकेश कुमार सिंह मानना है कि भाजपा जाति की नहीं, जमात की राजनीति करती है। भाजपा पहले से ही कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने का काम करती है और छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश का निर्णय भी इसी से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि राजद बनने के बाद से लालू प्रसाद यादव ही राजद के अध्यक्ष रहे। जब मौका मिला तो पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया और फिर बेटी और बेटे को आगे बढ़ाने का काम किया। क्या बिहार में कोई अन्य यादव नहीं हैं। जाति किसी की जागीर नहीं है। यहां आपको यह भी बता दें कि हाल ही में बिहार में हुई जातीय जनगणना के आंकड़ों ने यह साफ कर दिया है कि राज्य में यादवों की आबादी सबसे ज्यादा है। यहां कुल आबादी में से 14. 26 प्रतिशत आबादी यादवों की है। राजद ने मुस्लिम-यादव वोट बैंक के दम पर ही बिहार में 15 सालों तक सरकार चलाया था। ऐसे में मध्यप्रदेश में यादव मुख्यमंत्री बनाने के बाद यह माना जा रहा है कि इसका सीधा असर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों पर पड़ेगा।

गौरतलब है कि यादव ना सिर्फ उत्तरप्रदेश -बिहार बल्कि हरियाणा, मप्र में भी बड़ा संख्या में हैं। सिर्फ बिहार-उत्तरप्रदेश में ही लोकसभा की 120 सीटें हैं। यदि मप्र और हरियाणा को भी जोड़ लें तो सीटों की संख्या 159 तक पहुंच जाती है। पिछली बार यहां भाजपा उस वर्ग को सीधे तौर पर प्रभावित और प्रेरित करने का प्रयास मोदी-शाह की तरफ से किया गया है। दोनों राज्यों में करीब 10 से 12 प्रतिशत की आबादी यादवों की है। मोहन के साथ जुड़े यादव से अगर उस वोट बैंक का कुछ हिस्सा भी पार्टी की तरफ आ गया तो लोकसभा में खेल बदल सकता है। भाजपा ने मोहन यादव के नए मुख्यमंत्री बनाने के साथ ही मप्र में लालकृष्ण आडवाणी के युग के क्षत्रपों की जगह मोदी ने भाजपा की नई लीडरशिप गढ़ने की कवायद भी शुरू कर दी है। इससे साफ है कि अब नई भाजपा 2. 0 दिखाई नए नेता सामने आएंगे। नाम चमकाने के प्रयासों की जगह साइलेंटली किए जा रहे हैं. काम को महत्व मिलेगा। यह प्रयास अन्य राज्यों में भी दिखाई देंगे। युवाओं को महत्व मिलेगा। नए मुख्यमंत्री मोहन यादव लंबे समय से आरएसएस के करीबी रहे हैं हालांकि उन्होंने अपनी पारी एबीवीपी से शुरू की थी। बाद में वे आरएसएस की गतिविधियों में सक्रिय हो गए। मालवा, विशेष रूप में उज्जैन में उन्होंने संघ में काफी काम किया है। मालवा हमेशा से भाजपा का गढ़ रहा है। 2013 के विधानसभा चुनावों को छोड़ दें तो हर चुनाव में उसे इस क्षेत्र से बेहतर रिस्पांस मिलता है। मालवा क्षेत्र से मुख्यमंत्री मिलना आगे के चुनावों में लोगों को जोड़ने के नजरिये से बहुत काम आएगा। यहां लोकसभा की आठ सीटें हैं जिन पर भाजपा ने पिछली बार क्लीन स्वीप किया था। भाजपा लोकसभा चुनावों में भी अपने परंपरागत गढ़ को बचाए और बनाए रखना चाहती है। यहां से मुख्यमंत्री और जगदीश देवड़ा के रूप में एक डिप्टी मुख्यमंत्री चुनकर क्षेत्र को उसकी लॉयल्टी का एक तरह से तोहफा मिला है। ऐसा नहीं है कि मप्र में सिर्फ ओबीसी वर्ग को ही महत्व दिया गया है। यहां दो डिप्टी मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के साथ अन्य वर्गों को साधने की कवायद भी की गई है। जहां राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा को डिप्टी बनाकर ब्राह्मण और एससी वर्ग, वहीं नरेंद्र तोमर को विधानसभा अध्यक्ष बनाकर राजपूतों को साधने का प्रयास किया गया है।

जानकार लोगों के अनुसार उत्तरप्रदेश में सपा का यह सबसे ठोस वोट बैंक हैं। लोकसभा में इस समय चार यादव सांसद हैं जिसमें दो सपा, एक बसपा व एक भाजपा का है।दूसरी ओर, बिहार में आए हालिया जातीय सर्वे के अनुसार वहां यादवों की जनसंख्या 14. 30 फीसदी है। यहां से पांच यादव लोकसभा पहुंचे हैं, जिसमें नित्यानंद राय को मोदी सरकार में मंत्री भी बनाया गया है हालांकि यादव यहां लालू प्रसाद यादव की आरजेडी का कोर वोट बैंक माने जाते हैं। आरजेडी- जेडीयू की प्रदेश सरकार में 25 फीसदी मंत्री इसी बिरादरी से हैं। ये आंकड़ें इन राज्यों की सियासत में यादव वोटरों के दम की तस्वीर पेश करते हैं। मध्यप्रदेश में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाना भी इसी दांव का हिस्सा माना जा रहा है। बिहार में 2013 में यादव चेहरे को नेता प्रतिपक्ष बनाने से लेकर सरकार-संगठन तक भागीदारी बढ़ाई गई। लालू के खास रामकृपाल यादव जैसे चेहरे साथ लाए गए।वहीं, उत्तरप्रदेश में भी भाजपा सरकार, संगठन, सदन तक यादवों की भागीदारी बढ़ी है। हरिनाथ सिंह यादव और संगीता यादव को राज्यसभा भेजा गया है तो सुभाष यदुवंश एमएलसी बनाए गए हैं। प्रदेश सरकार में गिरीश यादव मंत्री हैं। मुलायम परिवार के करीबी माने जाने वाले चेहरों तक को भाजपा अपने पाले में करने में सफल रही है। यहां तक कि दोबारा सपा में लौटे मुलायम के भाई शिवपाल यादव भी मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव के पहले भाजपा व सरकार के ही नजदीक खड़े थे।

नेपाल में हिन्दू राष्ट्र के द्वार पर दस्तक

राज सक्सेना

नेपाल में हिंदू राष्ट्र की मांग फिर से उठ रही है। एक विशाल आंदोलन के बाद 2008 में नेपाल को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य घोषित किया गया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हिंदू राष्ट्र की मांग लगातार बढ़ रही है। हिंदू राष्ट्र की मांग का समर्थन करने वाले लोग तर्क देते हैं कि नेपाल एक हिंदू बहुल देश है और इसलिए इसे एक हिंदू राष्ट्र होना चाहिए। वे कहते हैं कि धर्मनिरपेक्षता ने नेपाल के हिंदू मूल्यों और संस्कृति को नुकसान पहुंचाया है। हिंदू राष्ट्र की मांग के समर्थन में कई आंदोलन हुए हैं। 2023 से नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने देश को एक हिंदू राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का अभियान शुरू किया है। इसके अलावा, कई हिंदू संगठनों ने भी हिंदू राष्ट्र की मांग को प्रबल समर्थन दिया है। हिंदूराष्ट्र की मांग, नेपाल की राजनीति में एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। यह देखना बाकी है कि क्या नेपाल सरकार इस मांग को स्वीकार करती है या नहीं। नेपाल की राजधानी काठमांडू में गुरुवार 23, नवंबर को राजतन्त्र के पुनर्स्थापन और नेपाल को हिंदू राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। समाज के लगभग सभी वर्गों के लाखों लोगों, जिनमें देश के अन्य प्रान्तों से भी सहभागी थे, ने राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर मार्च किया और पुलिस से भिड़ गए जिन्हें लाठी चार्ज करना करके हटाना पड़ा और आंसू गैस के गोले दागने पड़े। राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म संस्कृति और नागरिक बचाओ आंदोलन के नाम से चलने वाले इस आंदोलन के तहत, संगठित प्रदर्शनकारी विपक्ष के कार्यकर्ताओं के साथ भी भिड़ गए। इस आंदोलन का नेतृत्व दुर्गा प्रसाद प्रसेन कर रहे हैं जो मांग कर रहे हैं कि माओवादी प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार इस्तीफा दे। आंदोलन के आयोजकों ने अगले कुछ दिनों में राष्ट्रीय राजधानी के साथ-साथ अन्य प्रमुख शहरों में विरोध प्रदर्शन की एक श्रृंखला की योजना बनाई है। पिछले कुछ हफ्तों से प्रसेन के आंदोलन ने जो गति पकड़ी है, उसने नेपाल और नेपाल में राजनीतिक नौकरशाही सहित सुरक्षा प्रतिष्ठानों को भी आश्चर्यचकित कर दिया है।

यह आंदोलन अब सरकार और वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था के लिए एक वास्तविक खतरा पैदा कर रहा है। नेपाल में, सत्ताधारी और विपक्ष दोनों ही राजनीतिक दलों की नाकामी को लेकर भारी गुस्सा है। नेपाल में सभी राजनीतिक दलों को आमतौर पर भ्रष्ट माना जाता है और राजनेताओं को बेईमान, सत्ता का भूखा और अनैतिक माना जाता है। वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था को व्यापक रूप से निष्क्रिय माना जाता है और इसे देश के राजनेताओं के हितों की पूर्ति के लिए बनाया गया माना जाता है।

नेपाल भीषण बेरोजगारी से घिरा हुआ है। दौड़ती मुद्रास्फीति ने गंभीर वित्तीय संकट और खराब प्रशासन के साथ-साथ सिस्टम के खिलाफ जनता में गुस्सा पैदा कर दिया है। देश की आर्थिक स्थिति काठमांडू घाटी के बाहर, समुचित भौतिक बुनियादी ढांचे की कमी, खराब स्वास्थ्य सम्बन्धी देखभाल और शिक्षा सुविधा के अतिरिक्त एक अल्प विकसित सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क से जूझ रहा वातावरण, लोगों का वर्तमान संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली में तेजी से विश्वास खो रहा है।

पूरे देश में लाखों लोगों से उनकी मेहनत की कमाई को उन सहकारी समितियों और माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा लूट लिया गया है जिनके संरक्षक शक्तिशाली राजनेता हैं। इससे भी गुस्से की लहर पैदा हो गई है। अंधकार में भविष्य को जाते देख, नेपाल की क्रोधित और असंतुष्ट जनता ने यह मानना शुरू कर दिया है कि एक संवैधानिक राजशाही देश के लिए सबसे उपयुक्त शासन प्रणाली होगी। देश की विशाल हिंदू आबादी राजा को भगवान विष्णु के जीवित अवतार के रूप में देखती है। 2008 में देश के धर्मनिरपेक्ष हो जाने को लेकर हिंदुओं के बड़े वर्ग में नाराजी बढ़ रही है। हिंदू राष्ट्र की स्थिति में इस वक्त बदलाव ने ईसाई और मुस्लिम प्रचारकों के लिए दरवाजे खोल दिए। जिन्होंने देश में गरीबी का फायदा उठाकर कई लोगों को ईसाई धर्म में प्रत्यावर्तित कर दिया और प्रलोभन के माध्यम से इस्लाम में प्रत्यावर्तन सामाजिक तनाव पैदा कर रहा है। नए धर्मांतरित लोग हिंदू पूजा स्थलों पर भी हमले कर रहे हैं। इसलिए नेपाल को एक बार फिर हिंदूराष्ट्र बनाने की मांग जोर पकड़ रही है।

प्रचंड के सीपीएन यूएमएल प्रमुख ओली के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध थे लेकिन दोनों के बीच अनबन हो गई। एक साल पहले से प्रचंड न केवल ओली बल्कि वर्तमान शासन प्रणाली के भी कटु आलोचक बन गए हैं। प्रचंड ने ओली के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने ओली पर भारी संपत्ति अर्जित करने और गलत तरीके से अर्जित धन को कंबोडिया में संपत्तियों और उद्योगों में निवेश करने का आरोप लगाये हैं। प्रचंड को एहसास हुआ है कि लोग राजनेताओं की वर्तमान पीढ़ी से नाराज थे और शासन की वर्तमान प्रणाली परिणाम देने में विफल रही है। प्रसेन ने इस आम गुस्से का फायदा उठाया और अपने संसाधनों का उपयोग करते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में छोटे आंदोलन शुरू किये।

कश्मीर का भविष्य उज्जवल

पंकज गाँधी

कश्मीर में धारा ३७० और ३५A की प्रासंगिकता को ख़त्म करने हेतु देश का माननीय सुप्रीम कोर्ट माननीय गृहमंत्री अमित शाह एवं माननीय प्रधानमंत्री मोदी बधाई के पात्र हैं. कश्मीर के जो हालात थे, उस पर एक कहानी याद आती है। एक संयुक्त परिवार में एक ने बगावत कर दी है, कारण यह नहीं है कि वह अपने होशो हवास से अलग होना चाहता है, उसके पीछे उसके परिवार का दुश्मन, जो उसका पडोसी है उसकी साजिश है. वह उस बेटे को बाप से लड़ने के लिए हथियार भी सप्लाई कर रहा है । ऐसे में परिवार के मुखिया की समझदारी किसमे है? वह पडोसी के जाल में खुद आ जाये या उस पडोसी के जाल से खुद और अपने बेटे को पहले बचाये ? वाजिब है पहला धर्म बेटे को पडोसी के चंगुल से बचाना है जो उसके मष्तिष्क पर हावी होने की कोशिश कर रहा है.

ऐसे मौकों पर मैं कश्मीर के युवाओं से कुछ संवाद करना चाहता हूँ. आप कश्मीरी किसे आज़ादी कहते हैं? आप भारत संघ में आजाद ही तो हैं और आपके विकास के लिए तो सबसे महफूज भारत संघ में होना ही है. भारत जैसा संघीय देश विभिन्न संसाधनो वाला देश है जिसके संसाधन विभिन्न प्रदेशों मे फैले हैं और लोग बिना वीजा पासपोर्ट के आते जाते हैं, माल और सेवाएँ आयात निर्यात की जटिलताओं से मुक्त है और राज्यों ने संसाधनो के संदर्भ मे एक दूसरे के पूरक हो के सिर्फ अपने राज्य और राज्य के लोगों का ही विकास नहीं किया बल्कि अपने राज्य के नागरिकों को पूरे भारत के राज्यों मे बिना वीजा पासपोर्ट के रोजगार के अवसर प्रदान किए।

तकनीकी दृष्टि से भारत का हर राज्य अपने आप मे भारतीय संघ का एक देश है। वे अपनी विदेश नीति, संचार नीति और रक्षा नीति संघीय सरकार के पास रख बाकी कार्य खुद से करती हैं, अपवादकाल में कुछ एजेंसिया सक्रिय होती हैं. विकास के फंड भी राज्य सरकार और पंचायत के द्वारा ही क्रियान्वित होते हैं। राज्यपाल भी तभी सक्रिय होते हैं जब संविधान पे संकट हो अन्यथा हर हाल मे तो उन्हें राज्य के मंत्रिमंडल के अनुसार ही चलना है. GST और आयकर राज्य एवं संघ में बंटता है. राज्य एवं संघ के बीच व्यापार बहस का विषय हो सकता है पर यह आज़ादी का कारण नहीं बन सकता है। आप पाकिस्तान के बहकावे में आज़ादी की बात करते थे. आप बताओ आजाद राष्ट्र बनने के बाद आर्थिक तौर पे आपके पास क्या विकल्प होते ? खाद्यानों, आर्थिक संसाधनो और रोजगार के क्या विकल्प होते?

गृहमंत्री ने बोला है हालात सामान्य होने पर कश्मीर पूर्ण राज्य होगा. फिर तो कानून व्यवस्था भी आपके पास होगी. संघीय सरकार तो हस्तक्षेप नहीं करने वाली. भारत को आपको जबर्दस्ती संघ मे मिला के क्या मिलेगा? वह तो कश्मीर को दूसरा विफल राष्ट्र पाकिस्तान या अफगानिस्तान नहीं बनते देखना चाहता है, भारत तो कश्मीर को फलते फूलते देखना चाहता है, वो भी पूरी कश्मीरियत के साथ । क्या आपको नहीं लगता कि भारत से अच्छा संविधान खाड़ी के सभी देशों से अधिक स्वतन्त्रता एवं विकसित होने के अवसर प्रदान करता है। कहीं ऐसा तो नहीं कि अब तक दुश्मन ताक़तें कश्मीरियत के नाम पे आपका इस्तेमाल तो नहीं कर रही थी। कश्मीरियत को या कश्मीरी पहचान को कहाँ खतरा है ? भारतीय संघ मे गुजराती, मराठी, पंजाबी, तमिल, मलयाली या बंगाली पहचान कहाँ नष्ट हुवे और भारतीय शब्द ने कहाँ इस स्थानीय पहचान का अतिक्रमण किया हो? आज आपको क्या नहीं मिल रहा है? आज आपके संसाधनो के अनुकूलतम दोहन संभावना मूल्य से कई गुना ज्यादे भारतीय संघ निवेश कर रहा है और आगे करने वाला है।

रहिमन "पानी" राखिए

डॉ टी महादेव राव

मुझे लगता है रहीम ने इस युग के कर्ता-धर्ताओं को ध्यान में रखकर ही कहा था "रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून पानी गए न ऊबरे मोती मानुष चून।" पानी का पहला अर्थ स्वाति की बूंद। यह पानी जो चातक की प्यास बुझा सकता है या अधखुले सीप में गिरकर मोती बन सकती है। पीने के पानी की उपलब्धता पर भी विचार करने और हमें सोचने को कहते रहे रहीम जी। दूसरा अर्थ पानी का इज्जत या मान। इसकी धज्जियां उड़ती आप देख ही रहे हैं। न नेताओं को, न ही मंत्रियों को इज्जत का ध्यान और ज्ञान है और न बड़े बड़े तथाकथित कर्णधारों को। तुर्रा यह कि इज्जत उनके लिए ऐसी चीज़ हो गई है जो उनके लिए कोई माने नहीं रखती। एक पुराना गीत आपको याद होगा – "न इज़्ज़त की चिंता न फिकर कोई अपमान की"। भैंस पर धुआंधार बारिश भी उसकी चाल में कोई अंतर नहीं ला पाता, ठीक इसी तरह की हो गई है आजकल के खासमखास लोगों की फितरत। कोई फर्क नहीं उन्हें। केवल सत्ता पर काबिज रहें। दोस्त यार बैंकों को चपत मार कर खुश रहें, सरकारी कंपनियां बेचकर जिगरी दोस्तों को देकर प्रसन्न कर लें, हम तो वही करेंगे जो हमें करना है, जो हमें भाता है। भक्त हमारे भजन गाते रहें, चारण भाटों सा प्रशस्ति गान करते रहें, आम आदमी की चीख-पुकारें उन्हें सुनाई ही नहीं देती, या उनके लिए अनसुनी रह जाती हैं। रिश्तो से जहां जुड़ाव न हो, अहम से जहां मित्रता हो, खुद को तोप समझ लेना, यह कहना कि अहम ब्रह्मास्मि और मुझसे बड़ा ज्ञानी और कूटनीतिज्ञ कोई न होगा। यह भरम रावण में भी था लेकिन वह वास्तव में ज्ञानी था। ब्रह्मज्ञानी और विद्वान ऐसा कि राम भी उनसे शिक्षा लेने को लक्ष्मण से कहते हैं। लेकिन यहां तो पूरा ढकोसला है। दिखावा है ओना मासी धम की तर्ज पर हैं। तो इन में पानी यानी कि इज्जत कि कोई भी बूंद नहीं है। अपने स्वार्थ और अधूरे कचरे ज्ञान से देश की जनता का पानी उतारा जा रहा है। फिलहाल तुर्रा यह कि समस्याओं से पीड़ित जनता इन्हें पानी पी पी कर कोस रही है, लेकिन भैंस खड़ी पगुराय कि स्थिति में बहरे बने फिरते हैं। राजनीतिज्ञ घाट घाट का पानी पिए हुए हैं। शर्म नहीं तो पानी पानी कैसे होंगे? आधुनिक राजनीति की पहली शर्त है निर्लज्ज होना । वे जितना भी अपमानित हों पानी पानी नहीं होंगे। ठोस बर्फ बने रहेंगे। जनता को लग रहा है उनके जीवन की भैंस गई पानी में। नेताओं और कर्णधारों के चलते कई लोगों का अभावों की वजह से इस धरती पर से दाना पानी उठ गया। सब कुछ जानने के बाद भी सत्ता सुख में व्यस्त लोग कभी नहीं चाहेंगे कि दूध का दूध और पानी का पानी हो।

ओशोः ना पैदा हुए ना मरे, कुछ समय के लिए धरती पर विचरण किया

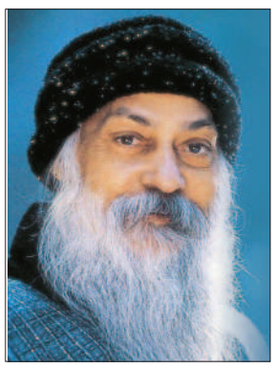

दरअसल, ओशो को चाहने वाले आज भी उन्हें इसी तरह याद भी करते हैं जैसे वे कहीं गए ही नहीं। ये काम सोशल मीडिया और आसान किए देता है कि ढेरों वीडियो देखे जा सकते हैं। उन वीडियो में जो बातें वे कर रहे हैं, वे युवाओं को बड़ी भाती हैं, उनके बाग़ी मन को, जब नई-नई समझ पकड़ता मन दुनिया को बदलने की, रूढ़ियों को तोड़ने की चाह रखता है।

हालांकि ऐसा भी नहीं कि सिर्फ़ युवा मन ही, दबे-दबे ही सही सामाजिक लोग भी ओशो की हां में हां ही मिलाना चाहते हैं। सामाजिक इसलिए लिखा है कि ओशो समाज के लिए नहीं थे, इसलिए कई जगह से बेदखल भी किए गए पर सनद रहे कि शरीर से बेदखल कर देना विचार से बेदखल कर देना तो नहीं है तो जो लोग उनसे प्रभावित हुए उनके लिए वे प्रिय हैं, उन पर किताबें लिखी जा रही हैं, चर्चाएं की जा रही हैं, उनके बनाए सैन्टर में डायनामिक मेडिटेशन भी किया जा रहा है।

मोरारी बापू से लेकर, धीरेन्द्र शास्त्री और सद्गुरु तक भी सभी ने ओशो की तारीफ़ के पुल बांधे हैं। ओशो को नकारना मुश्किल है, हां द्वेष और प्रेम निजी मसला है। ये बात तो वे ख़ुद भी कहते थे।

ओशो का कहा सब कुछ वीडियो के रूप में तो दर्ज नहीं है लेकिन सौभाग्य से इतना है कि उन्हें समझा और जाना जा सके। आचार्य रजनीश से भगवान रजनीश बनने के बाद वो उनके फॉलोअर्स के लिए ओशो हो गए थे। ओशो का मतलब विराट समुद्र से एक हो जाना, दार्शनिक भाषा में इसका अर्थ है ईश्वर से है। अर्थात ईश्वर से एकात्म की अवस्था। अक्सर लोग पूछते हैं कि क्या ओशो एनलाइटेंड थे और जिस पर उन्होंने कहा कि जिस अदृश्य का अनुभव आप स्वयं न करे लें वह दूसरों के माध्यम से कैसे जानेंगे। अध्यात्म वही एक अनुभव देता है, वही एक अनुभूति। ओशो का कहा इसलिए और खींचता है कि उनके पास एक तार्किक दिमाग़ था और तीव्र मेधा।

गोपालदास नीरज, विनोद खन्ना, अमृता प्रीतम, ख़ुशवंत सिंह, सुमित्रानंदन पंत उनसे मिलने आश्रम पहुंचे। हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों में पकड़ रखने वाले जब ओशो मेरे प्रिय आत्मन से शुरु करते और अंदर बैठे परमात्मा को प्रणाम कर अपनी बात समाप्त करते। हज़ारों और फिर लाखों की भीड़ उन्हें सुनने आने लगी।

बंबई में दो कमरों से मकान से शुरु हुआ सफ़र पुणे की कई बीघा ज़मीन से होता हुआ अमेरिका पहुंचा। भगवान रजनीश का कम्यून जो उनके विचारों और सपनों का समाज था, उसका पूंजीवादी विस्तार हुआ। रोल्स रॉयस गाड़ियों से लेकर, महंगी घड़ी, ज्वैलरी और कपड़ों तक। बंबई की सेक्रेटरी लक्ष्मी का पद अब शीला को मिल गया। सन्यास के बाद जिसका नाम हुआ मां आनंद शीला। वे एक अच्छी टीम थे, ये शीला के शब्दों की बात है। वह ओशो के प्रेम में थीं और ओशो भी उनके प्रेम में थे, उन्होंने दावा किया हालांकि किसी भी शारीरिक संबंध की बात से इंकार किया।**(जारी)**

इस मंदिर में लक्ष्मी माता के आठ रूप

मंदिर में पूजा का समय सुबह 6.30 बजे से आरंभ होता है। दोपहर 12 बजे मंदिर बंद हो जाता है। फिर शाम को 4 बजे खुलता है और रात के 9 बजे बंद हो जाता है। शुक्रवार से रविवार तक मंदिर दोपहर 1 बजे तक खुला रहता है।

शास्त्रों में लिखा गया है कि देवतों से ज्यादा शक्तिशाली माता रानी को बताया गया है। हर शख्स अपने जीवन में धन, विद्या, वैभव और शक्ति के लिए माता रानी की आराधना करता है। आज आपको एक ऐसे मंदिर के बारें में बताने जा रहे है।

चेन्नई के अडयार समुद्र तट पर अष्टलक्ष्मी का सुंदर मंदिर स्थित है। अष्टलक्ष्मी मंदिर लक्ष्मी माता के आठ रूपों को समर्पित है। देवी लक्ष्मी के ये विविध रूप हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

अष्टलक्ष्मी हमें धन, विद्या, वैभव, शक्ति और सुख प्रदान करती हैं। इस मंदिर में लक्ष्मी की आठ अलग-अलग मूर्तियां अलग-अलग तलों पर स्थापित की गई हैं। यहां आदि लक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी, धैर्य लक्ष्मी, गज लक्ष्मी, विद्या लक्ष्मी, विजया लक्ष्मी, संतना लक्ष्मी और धन लक्ष्मी के दर्शन होते हैं। सभी देवियों के मंदिर घडी की सूई की दिशा में आगे बढते हुए दिखाई देते हैं। सबसे अंत में नवम मंदिर है, जो भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का है। इस मंदिर में विष्णु की तुलना में लक्ष्मी को प्राथमिकता दी गई है।

इस मंदिर का निर्माण 1974 में आरंभ किया गया। मुकुर श्रीनिवास वरदचेरियार की अगुवाई में बनी समिति ने इस मंदिर का निर्माण कराया। 5 अप्रैल 1976 से इस मंदिर में विधिवत पूजा आरंभ हुई। मंदिर का डिजाइन ओम के आकार का है। नवरात्रि और गोकुलअष्टमी मंदिर के प्रमुख त्योहार हैं। मंदिर में आने वाले श्रद्धालु कमल का पुष्प जरूर चढ़ाते हैं।

हर लक्ष्मी के लिए लोग अलग-अलग कमल के फूल लेकर जाते हैं। मंदिर के ऊपरी हिस्से से समुद्र का सुंदर नजारा दिखाई देता है।

वहीं समुद्र के तट से मंदिर भी काफी सुंदर नजर आता है। मंदिर का निर्माण तीन मंजिलों में हुआ है। मंदिर के चारों तरफ विशाल आंगन है। इसके परिसर में पूजा सामग्री की दुकान भी है।

अकाल मृत्यु के कारण परिजनों को नहीं मिल रही शांति तो करा लें ये पूजा

वरना झेलनी पड़ सकती है बड़ी मुसीबत

गरुड़ पुराण में जीवन के जन्म और मृत्यु के अटल सत्य को बताया गया है। इस पुराण में नरक लोक की यातनाओं और उनसे बचने के बारे में भी बातें लिखी हुई हैं। यदि परिवार में किसी की अकाल मृत्यु हो गई है तो उसकी शांति के लिए ये एक पूजा करना बेहद जरूरी होता है। आइए जानते हैं आखिर वो कौन सी पूजा है।

हिंदू धर्म में जन्म से लेकर मरण अवस्था तक कार्मकांड का विधान है। बात करें पुराणों में तो गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु और उनके वाहन गरुड़ का दिव्य संवाद है। पक्षिराज गरुड़ ने भगवान विष्णु से वो सारे प्रश्न पूछे हैं जिससे मानव का कल्याण हो सके।

पक्षिराज गरुड़ ने भगवान विष्णु से इस पुराण में वो सारी बातें मानव क्लयाण के हित के बारे में पूछी हैं जिससे प्राणियों को मोक्ष मिले और उनका मानव जीवन सुखद बीते। आज हम आपको गरुड़ पुराण के अनुसार यह बताने जा रहे हैं कि जब किसी की अकाल मृत्यु होती है तो उसके निमित्त कौन सी पूजा कराने से मृत्य लोगों की आत्मा को शांति प्रदान की जाती सकती है और यह पूजा कितनी जरूरी है।

अकाल मृत्यु होने पर जीवात्मा विचलित हो जाती है

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि जब किसी की असमान्य मृत्यु होती है जैसे की अचानक से चोट लग जाना, किसी हादसे के कारण या किसी दुर्घटना के चलते जब मनुष्य प्राण त्यागता है तो उसे अकाल मृत्यु कहा जाता है। यह समय जीवात्मा के लिए बहुत कष्टकारी होता है क्योंकि उसका सांसारिक मोह होने के कारण उससे उसका शरीर छिन जाता है और वह पुनः अपनी देह में वापस आने के लिए व्याकुल होती है। अपने मृत्य शरीर को जीवात्मा देख कर इसलिए बेचेन होती है क्योंकि उसकी कुछ अधूरी इच्छाएं, परिवार से मोह और अपनों से उम्मीदें ये सभी बातें उस समय जीवात्मा को घोर पीड़ा देती है। गरुड़ पुराण के अनुसार वह जीवात्मा अपनी सीमित आयु की अवधि तक 84 योनियों में से प्रेत योनि को प्राप्त करती है और जब तक पूर्ण आयु अवधि नहीं पूरी होती है। वह इधर-उधर भूख प्यास से व्याकुल होकर भटकती रहती है। यह सब कर्मों के अनुसार निर्धारित होता है।

अकाल मृत्यु हो जाने पर कराएं नारायण बलि पूजा

जीवात्मा को जब शांति नहीं मिलती या उसके निमित्त उचित क्रिया कर्म और अंतिम संस्कार नहीं होता तो वह अपने परिजनों से यह अपेक्षा करती है कि वह उसके निमित्त उचित कर्माकांड करा कर उसे मुक्ति दिला दें। जब तक जीवात्मा को मुक्ति नहीं मिलती वह पितृ रूप में प्रेत योनि प्राप्त कर मृत्युलोक में भटकती रहती है। इसके लिए गरुड़ पुराण में नारायण बलि की पूजा का विधान बताया गया है। अकाल मृत्यु हो जाने के बाद नारायण बलि ही एक ऐसी पूजा है जिसे विधि विधान द्वारा कराने पर जीवात्मा को मुक्ति मिल जाती है और वह कर्म बंधन से मुक्त हो जाती है। विष्णु जी से की जाती है मुक्ति की प्रार्थना गरुड़ पुराण के अनुसार नारायण बलि की पूजा में भगवान विष्णु से जीवात्मा की मुक्ति के लिए प्रार्थना की जाती है और उसके कर्मों के प्राश्चित के लिए छमा याचना की जाती है। इस पूजा में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवों के निमित्त एक-एक पिंड बनाया जाता है।

यह पूजा 5 उच्च वेद पाठी ब्राह्मणों द्वारा कराई जाती है। इस पूजा में विधि पूर्वक पिंड दान समेत जीवात्मा की मुक्ति के लिए पूजा पद्धति अपनाई जाती है। यह पूजा कराने से अकाल मृत्यु प्राप्त जीवात्मा को मुक्ति मिल जाती है और परिजन पितृ रूप में आशीर्वाद देते हैं। यह पूर्वज रूप में सदैव के लिए उस घर में संपन्नता का आशीर्वाद बना देते हैं। जो लोग अकाल मृत्यु होने पर परिजनों के निमित्त यह पूजा कराते हैं उनके ऊपर पितृ दोष नहीं लगता है।

तीर्थ स्थल में करा सकते हैं नारायण बलि की पूजा

गरुड़ पुराण के अनुसार इस पूजा को पवित्र तीर्थस्थल, देवालय या तीर्थजल और घाट के पास कराना बेहद फलदायक होता है। यह पूजा पितृ पक्ष या फिर किसी बड़ी अमाव्सया के दिन ही करानी चाहिए।

वास्तु शास्त्र और महालक्ष्मी का अनूठा रिश्ता

महालक्ष्मी का वास्तुशास्त्र से भी अनूठा रिश्ता है। जहां उत्तर और पूर्व हल्का व खुला हुआ, प्रकाशवान हो, जल युक्त, अग्निविहीन, नीचा, चमकदार और बढ़ा हुआ हो, उत्तर पूर्व में भारी समान न हो, दक्षिण पूर्व यानि आग्नेय में अग्नि, चूल्हा या बिजली से चलने वाली मशीने हों, दक्षिण पश्चिम कोण बंद, ऊंचा और भारी हो, वहां महालक्ष्मी का वास होता है। इसके अलावा जहां बैठने की व्यवस्था उत्तर या पूर्वमुखी हो, खाना पूर्वाभिमुख होकर बनाया जाता हो, मालिक दक्षिण-पश्चिम कोने में वास करता हो, लोग दक्षिण दिशा में सिर रखकर सोते हों वहां लक्ष्मी सुख-समृद्धि के रूप में होती हैं। जहां परनिंदा न हो और अतिथि, संतों, बुजुर्गों का सम्मान हो, परिजन तीखे वचन न बोलें, घर में घंटियां बजती हों, वहां लक्ष्मी स्थिर होकर वास करती हैं।

यहां लक्ष्मी नहीं करतीं वास

वास्तु और आध्यात्मिक सिद्धांत कहते हैं कि जिस घर के ईशान्य कोण में अग्नि हो, आग्नेय में जल हो, दक्षिण पश्चिम में खिड़की दरवाज़े हों, ईशान्य कोण में गंदगी हो अथवा वह भारी वस्तुओं से भरा हो, ईशान्य में फ्रिज या बिजली का मेन स्विच हो, उत्तर और पूर्व दीवारों में दरवाजे खिड़कियां बिलकुल न हों, उत्तर-पूर्व कोना कटा हुआ हो, जहां महात्माओं और वरिष्ठ जनों की इज्जत नहीं होती हो, जहां लोग बार-बार थूकते हों, जहां बात-बात में नाराज हो जाते हों, वहां लक्ष्मी वास नहीं करती हैं।

कर्ज कब लें, कब नहीं

मान्यताओं के अनुसार मंगलवार, हस्त नक्षत्र के साथ रविवार, संक्रांति या वृद्धि योग हो तो ऋण कदापि न लें, अन्यथा कर्ज़ के भवसागर में आकंठ डूब जाएंगे। मंगलवार को उधार लिया गया धन नष्ट हो जाता है, उसे लौटा पाना असंभव सा हो जाता है। यदि ऋण चुकाना हो, तो मंगलवार का दिन सर्वश्रेष्ठ है। अमावस्या, व्यतिपात, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, कृतिका, रोहिणी, आर्द्रा, आश्लेषा, उत्तरा फाल्गुनी, उत्तरा भाद्रपद, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र, भद्रा तथा बुधवार के दिन किसी को उधार न दें। इस दिन उधार दिया हुआ धन वापस नहीं लौटता। या तो डूब जाता है, या विवाद का पर्याय बन जाता है।

घर में इस दिशा में भूलकर भी न रखें डस्टबिन

इस दिशा में न रखें डस्टबिन

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि डस्टबिन को कभी भी घर के अंदर उत्तर पूर्व दिशा में नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से घर के सदस्यों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। साथ ही घर के मुखिया को भी तनाव से गुजरना पड़ सकता है।

इस दिशा में डस्टबिन रखने से बढ़ेगी आर्थिक समस्या

वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि अगर आप डस्टबिन को घर की दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर रखते हैं तो आपको धन संचय करने में परेशानी होगी। ऐसा करने से घर में जमा धन भी धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा और घर के सदस्यों पर कर्ज का बोझ बढ़ सकता है।

पूर्व और उत्तर दिशा में भी न रखें डस्टबिन

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की पूर्व दिशा या उत्तर दिशा में डस्टबिन नहीं रखना चाहिए। इससे घर में रहने वाले लोगों में निराशा फैलने लगती है। इससे घर के सदस्यों के विकास में बाधा आती है। इसके साथ ही उत्तर दिशा में रखा डस्टबिन नौकरी और करियर के बेहतर अवसरों में भी कमी ला सकता है।

इस दिशा में रखें डस्टबिन

वास्तु शास्त्र में घर के अंदर डस्टबिन रखने की सही दिशा भी बताई गई है। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि कूड़ेदान को हमेशा घर के दक्षिण-पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर रखना चाहिए। दक्षिण-पश्चिम दिशा विसर्जन के लिए है इसलिए इस दिशा में डस्टबिन रखना अच्छा रहता है। इसके साथ ही डस्टबिन को उत्तर-पश्चिम दिशा में भी रखा जा सकता है।

इस दिशा में भी डस्टबिन रखना शुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार कूड़ेदान कभी भी घर से बाहर नहीं होना चाहिए। बल्कि इसे हमेशा घर के अंदर ही रखना चाहिए। इसके अलावा वास्तु शास्त्र में डस्टबिन के लिए दक्षिण-पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा को शुभ माना गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कूड़ेदान को उत्तर-पश्चिम दिशा में रखने से कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है।

बेहद खास होते हैं इस राशि के लोग प्रेम जीवन में होते हैं आजाद खयाल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार राशि चक्र की नवीं राशि धनु के लोग बेहद खास होते हैं। इस राशि के स्वामी गुरु बृहस्पति हैं। इनकी कुछ विशेषताएं दूसरी राशि के लोगों से बिल्कुल अलग होती है, जिनको देखकर आप अपने प्रियजनों का स्वभाव भी जान सकते हैं।

धनु राशि के लोग ईमानदार, सच्चे, विश्वास योग्य और समझदार होते हैं। हालांकि इनमें काफी अधिक गुस्सा भी पाया जाता है और कभी-कभी आक्रामक हो जाते हैं। अध्यापन और दर्शन में करियर बनाएं तो बहुत सफल होते हैं।

भारतीय ज्योतिष के अनुसार जिन लोगों की राशि धनु होती है, प्रायः वे लोग प्रेम जीवन में आजाद ख्याल और बड़े दिल वाले होते हैं। आइये जानते हैं धनु राशि वाले कैसे होते हैं।

धार्मिक और बुद्धिमान

ज्योतिष के अनुसार धनु राशि के लोग धार्मिक होने के साथ-साथ बुद्धिमान भी होते हैं। प्रायः इनके मन और शरीर में द्वंद्व की स्थिति बनी रहती है, इसलिए ये दूसरों की सलाह लेते हैं। साथ ही धनु राशि वाले लोगों का रोमांस की बजाय प्यार के प्रति आकर्षण अधिक होता है।

आशावादी और हंसमुख होते हैं धनु राशि के लोग

धनु राशि के लोग प्रभावी वक्ता और भविष्य के प्रति आशावादी होते हैं। भारतीय ज्योतिष के अनुसार धनु लग्न के लोग प्रायः अच्छे और हंसमुख स्वभाव के होते हैं। इनमें एक बुरी बात यह देखी जाती है कि विपरीत परिस्थितियों में संयम खो देते हैं और जबाबदेही के प्रति आशंकित रहते हैं। बातचीत में जल्दबाजी करते हैं, जिसके कारण कई बार दूसरे लोग इनको गलत समझ लेते हैं। कभी-कभार जुआ के प्रति इनमें रूझान होता है।

महत्वाकांक्षी और खर्चीले

धनु लग्न वाले लोग प्रायः आशावादी, महत्वाकांक्षी, प्रेरणादायक, उत्साही और खर्चीले होते हैं। इनका जीवन के प्रति नजरिया सकारात्मक, ऊर्जा से ओतप्रोत, साहसी, अपने अनुभव को दूसरों से अधिक से अधिक बांटने वाला होता है। अनावश्यक बातों से दूसरों को लुभाने में रूचि नहीं होती। आप लोग यात्रा करना पसंद करते है और आसपास के बारे में जानकारी इकट्ठा करना भी पसंद करते हैं।

खूब मिलती है प्रतिष्ठा

धनु लग्न वालों को खूब मान प्रतिष्ठा मिलती है। इस लग्न के लोग सम्मानित, ईमानदार, विश्वासी, उदार और न्याय के प्रति वफादार होते हैं।

आप आम तौर पर फैशन की चाह रखने वाले और ईमानदारी की मजबूत भावना के साथ आध्यात्म की और झुकाव रखने वाले होते है। धनु लग्न के लोग मजबूत इच्छा शक्ति वाले होते हैं और वे किसी भी कार्य को सफलता पूर्वक अंजाम देने का हर यत्न करते हैं।

जॉर्जिया ने की अरबाज खान से ब्रेकअप पर बात कहा- उनकी गर्लफ्रेंड के रूप में पहचाने जाना पसंद नहीं, रिश्ते में फंसने से बेहतर निकल जाओ

बॉलीवुड एक्टर और प्रोड्यूसर अरबाज खान का इटालियन मॉडल और एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी से ब्रेकअप हो चुका है। ब्रेकअप के बाद जॉर्जिया ने एक इंटरव्यू में अलग होने का कारण बताया। उनका मानना है कि उनकी अपनी एक पहचान है और वो नहीं चाहती हैं कि लोग उन्हें सिर्फ अरबाज की गर्लफ्रेंड के रूप में पहचानें।

हाल ही में एक इंटरव्यू में जॉर्जिया एंड्रियानी ने अरबाज से ब्रेकअप पर कहा- हम दोनों ही इस बात को जानते थे कि हम साथ रहने के लिए नहीं बने हैं। 4 सालों तक किसी रिश्ते में रहने के बाद जाहिर है कि मैं उन्हें मिस करती हूं। हम अब भी दोस्त हैं, लेकिन अब मैं कभी भी उनसे दोबारा रिश्ता नहीं रखना चाहती। मैं इस पर इसलिए बात कर रही हूं क्योंकि मेरी अपनी पहचान है, मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे अरबाज की गर्लफ्रेंड के रूप में पहचानें। मैं अब बहुत अच्छी जगह हूं।

आगे जॉर्जिया ने कहा, फिलहाल हम बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमने हमेशा ही एक मजबूत दोस्ती शेयर की है, जबकि हम दोस्त से कहीं ज्यादा थे। हमारा बहुत करीबी रिश्ता था। हमारे पास साथ कई यादगार मोमेंट्स हैं। काफी करीब रहने के बाद दोस्त बनना काफी चैलेंजिंग है।

बातचीत के दौरान जॉर्जिया ने ये भी कहा कि किसी रिश्ते में फंसे रहने से बेहतर है कि उस रिश्ते से निकल जाएं।

मलाइका अरोड़ा नहीं हैं ब्रेकअप की वजह

कुछ दिनों पहले खबरें थीं कि जॉर्जिया के ब्रेकअप का कारण मलाइका अरोड़ा और अरबाज की दोस्ती है, हालांकि कुछ समय पहले ही उन्होंने पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में इन अफवाहों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने इंटरव्यू में कहा था, तलाक के बाद अरबाज और मलाइका के बॉन्ड ने हमारे रिश्ते पर कोई असर नहीं डाला है। उनका मलाइका के साथ जो रिश्ता था, वह मेरे रिश्ते के आड़े नहीं आया। बताते चलें कि जॉर्जिया और अरबाज खान पिछले 4 सालों से रिलेशनशिप में हैं। दोनों की उम्र में भी 22 साल का फासला था, जहां अरबाज 56 साल के हैं, वहीं जॉर्जिया महज 34 साल की है। इन दिनों अरबाज खान बिग बॉस 17 में अपने भाई सोहेल के साथ होस्टिंग करते नजर आ रहे हैं।

फाइटर के बिकिनी सीन पर ट्रोल हो रहीं दीपिका

यूजर्स बोले- वुमन फाइटर पायलट्स को बदनाम मत करो, मेकर्स ने रिलीज किया नया पोस्टर

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की अपकमिंग फिल्म 'फाइटर' है। यह इंडिया की पहली एरियल एक्शन फिल्म होगी। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है।

इस टीजर में कई एरियल एक्शन सीन हैं पर उन सबको छोड़कर सिर्फ दीपिका के मोनोकिनी सीन पर चर्चा की जा रही है। सोशल मीडिया पर दीपिका को अब तक इस सीन के लिए ट्रोल किया जा रहा था पर अब इस मामले में एक नया ट्विस्ट आया है। सोशल मीडिया पर इस तरह के मीम्स के जरिए मेकर्स और दीपिका को ट्रोल किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर इस तरह के मीम्स के जरिए मेकर्स और दीपिका को ट्रोल किया जा रहा है।

यूजर्स बोले- फाइटर पायलट का अपमान कर रही दीपिका

सोशल मीडिया पर कई यूजर्स का मानना है कि फिल्म में दीपिका वुमन फाइटर पायलट का अपमान कर रही हैं। कई यूजर्स ने उनके किसिंग और बिकिनी सीन पर आपत्ति जताई है।

एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'फाइटर का टीजर वुमन फाइटर पायलट का अपमान कर रहा है। हर देश और क्लचर की एक मान्यता होती है। कोई भी भारतीय हमारी बहादुर इंडियन एयरफोर्स वुमन फाइटर पायलट्स के इस तरह पेश किए जाने को एप्रिशिएट नहीं करेगा

वहीं एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'मुझे उम्मीद है कि आपके अंदर थोड़ी सी शर्म बची होगी। हर फिल्म के साथ आप बतौर आर्टिस्ट और बतौर महिला नीचे गिरती जा रही हैं। मुझे आपके आउटफिट्स से कोई दिक्कत नहीं पर कम से कम IAF वुमन फाइटर को बदनाम मत कीजिए। आप चीप हैं, वो नहीं...'

पठान में ऑरेंज बिकिनी पहनने पर हुआ था विवाद

इससे पहले फिल्म पठान में भी दीपिका के

ऑरेंज बिकिनी पहनने पर काफी विवाद हुआ था। हालांकि, इस बार बात आउटफिट या उसके कलर की नहीं बल्कि उस किरदार की है जिसे दीपिका फिल्म में निभा रही हैं।

मेकर्स ने शेयर किया फिल्म का नया लुक पोस्टर

सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बनी फाइटर 25 जनवरी 2024 में रिलीज होगी। इसमें ऋतिक और दीपिका के अलावा अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर, संजीदा शेख और अक्षय ओबरॉय भी नजर आएंगे। मंगलवार को मेकर्स ने फिल्म से एक नया लुक पोस्टर रिलीज किया है। इसके जरिए उन्होंने करण सिंह ग्रोवर के किरदार ताज से इंट्रोड्यूस करवाया है।

कभी अनुष्का का करियर बर्बाद करने के फिराक में थे करण

आज फिल्म रब ने बना दी जोड़ी की रिलीज को हुए 15 साल हो गए। फिल्म में शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा ने लीड रोल प्ले किया था। फिल्म के लिए डायरेक्टर आदित्य चोपड़ा नए चेहरे की तलाश में थे। इस वजह से उन्होंने अनुष्का को कास्ट किया था। हालांकि आदित्य के दोस्त और फिल्ममेकर करण जौहर उनके इस फैसले के खिलाफ थे। अनुष्का की तस्वीर देखते ही करण ने उन्हें रिजेक्ट कर दिया था। उनके इस फैसले के बाद भी आदित्य अनुष्का के ही फेवर में थे। हालांकि फिल्म बैंड बाजा बारात को देखने के बाद करण को अपनी गलती का एहसास हुआ था। उन्होंने अनुष्का से माफी भी मांगी थी।

फिल्म रब ने बना दी जोड़ी ने प्रोडक्शन हाउस YRF को नुकसान से उबरने में मदद की थी। दरअसल, 2007 और 2008 में इस प्रोडक्शन की बनी सिर्फ फिल्म चक दे इंडिया ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी। बाकी सभी फिल्में फ्लॉप रही थीं।

अनुष्का की इस डेब्यू फिल्म की कहानी आदित्य चोपड़ा ने लंदन ट्रिप के दौरान सिर्फ दो हफ्तों में ही लिख दी थी।

लगातार फिल्मों की असफलता से प्रोडक्शन हाउस को बहुत नुकसान हो रहा था। आदित्य फिल्मों की फ्लॉप साइकिल को एक हिट फिल्म से तोड़ना चाहते थे। तब उन्होंने खुद से फिल्म को डायरेक्ट करने का फैसला किया।

शुरुआत से शाहरुख आदित्य की पहली पसंद थे। दूसरी तरफ आदित्य फिल्म के लीड एक्ट्रेस के लिए फ्रेश चेहरे की तलाश में थे। उन्होंने इस रोल के लिए अनुष्का शर्मा को चुना था। नेटफ्लिक्स के इसी डॉक्यूमेंट्री में अनुष्का ने बताया था कि वे 19 साल की थीं, जब उन्हें फिल्म में साइन किया गया था। आदित्य उनकी कास्टिंग की खबर को सीक्रेट रखना चाहते थे। उन्होंने अनुष्का से कह दिया था कि वे पेरेंट्स को भी इस बात की जानकारी ना दें।

आदित्य को अनुष्का पर पूरा भरोसा था लेकिन उनके बेस्ट फ्रेंड और फिल्ममेकर करण जौहर उनके इस फैसले के खिलाफ थे। करण अनुष्का के लुक से इंप्रेस नहीं थे। वे अनुष्का का करियर शुरू होने से पहले ही खत्म कर देना चाहते थे।

18वीं मुंबई फिल्म फेस्टिवल के दौरान करण ने खुलासा किया था कि उन्होंने आदित्य को अनुष्का की जगह उस वक्त की लीडिंग एक्ट्रेस को कास्ट करने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा था- मैं शुरुआत में ही अनुष्का के करियर का मर्डर करना चाहता था। जब आदित्य ने मुझे अनुष्का की तस्वीर दिखाई थी, तब मैंने उनसे कहा था- नहीं, नहीं, तुम पागल हो क्या। तुम इसे साइन कर रहे हो। तुम पागल हो गए हो। तुम इसे साइन करने की कोई जरूरत नहीं है। करण ने आगे बताया था कि फिल्म बैंड बाजा बारात में अनुष्का का काम देखने के बाद उनकी राय बदल गई थी। इस बारे में उनका कहना था- जब मैंने फिल्म बैंड बाजा बारात देखी, तो मैंने अनुष्का को कॉल किया और पुरानी बातों के लिए माफी मांगी। इस वक्त मैं बहुत शर्मिंदा हुआ। मुझे लगा कि वो गलती करके मैं किसी बेहतरीन कलाकार की जिंदगी बर्बाद कर देता।

फिल्म रब ने बनी दी जोड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया था। आतंकवादी हमले की वजह से बड़े स्तर पर फिल्म का प्रमोशन नहीं हो पाया था। इसके बावजूद फिल्म ने दुनियाभर में 151.6 करोड़ का कलेक्शन किया था। ये उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई थी। YRF और शाहरुख की ये हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों में से एक है।

एजाज खान और पवित्रा पुनिया के रिश्ते में आई दरार

दोनों तीन साल से रिलेशनशिप में हैं, पवित्रा से 10 साल बड़े हैं एजाज

साल 2020 में आए 'बिग बॉस 14' शो में एजाज खान और पवित्रा पुनिया बतौर कंटेस्टेंट नजर आए थे। शो की शुरुआत में दोनों एक दूसरे से नाराज रहते थे, लेकिन कुछ हफ्तों बाद

ही दोनों की दोस्ती हो गई थी। एजाज खान और पवित्रा पुनिया की रोमांटिक केमिस्ट्री दर्शकों को भी खूब पसंद आई थी।

हाल ही में अब दोनों के रिश्ते में दरार आने की खबर सुर्खियों में हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार एजाज और पवित्रा का रिश्ता अब तनाव से गुजर रहा है। हालांकि दोनों अभी भी लिव-इन रिलेशनशिप में साथ रहते हैं, और रिश्ता सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। एजाज और पवित्रा ने अपने रिश्ते में आई खटास को लेकर अभी तक कुछ कंफर्म नहीं किया है। बता दें, एजाज खान उम्र में पवित्रा पुनिया से तकरीबन 10 साल बड़े हैं।

एजाज खान और पवित्रा पुनिया शादी प्लान कर रहे थे

एजाज और पवित्रा पिछले तीन साल से रिलेशनशिप में हैं। दोनों मालाड में एक साथ लिव-इन में रहते हैं। बता दें, दोनों की मुलाकात बिग बॉस 14 शो के दौरान हुई थी। शो से निकलने के बाद एजाज और पवित्रा पुनिया एक दूसरे के साथ समय बिताते नजर आते थे।

इतना ही नहीं बिग बॉस शो के दरमियान एजाज ने पवित्रा से वादा किया था कि वो एक दिन उन्हें अपने अब्बा से जरूर मिलवाएंगे। शो के बाद उन्होंने अपना वादा पूरा किया था। एक इंटरव्यू के दौरान एजाज और पवित्रा ने अपनी रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात की थी और कहा था कि वे इस रिश्ते को अगले लेवल पर ले जाना चाहते हैं।

एजाज ने पवित्रा को अपने परिवार से मिलाया था

बिग बॉस शो से बाहर निकलने के बाद से ही पवित्रा पुनिया और एजाज खान अक्सर साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करते नजर आते थे। यहां तक कि दोनों राहुल वैद्य और दिशा परमार की शादी में भी साथ पहुंचे थे।

एजाज ने अपने भतीजे के जन्मदिन पर भी पवित्रा को अपने परिवार से मिलवाया था। इस खास मुलाकात और डिनर की तस्वीरें सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर करते हुए पवित्रा ने लिखा था- बहुत प्यारे हैं सब। ब्लेस्ड। शुक्रिया खान साहब मुझे अपने परिवार से मिलवाने के लिए। दोनों की जोड़ी को सोशल मीडिया पर #pavijaj का नाम दिया गया।

'फोर डाटर्स' को बेस्ट डाक्यूमेंट्री पुरस्कार से नवाजा गया

डाक्यूमेंट्री में इस्लामिक स्टेट के आतंक और सेक्स क्राइम का सच दिखाया गया

सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित तीसरे रेड सी अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के मुख्य प्रतियोगिता खंड में दिखाई गई ट्यूनीशिया की महिला फिल्मकार कौथर बेन हनिया की फिल्म 'फोर डाटर्स' को बेस्ट डाक्यूमेंट्री के पुरस्कार से नवाजा गया है।

'फोर डाटर्स' एक साहसिक डाक्यूमेंट्री है

'फोर डाटर्स' अतिवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के खिलाफ एक सशक्त सिनेमाई प्रतिरोध है। यह एक साहसिक डाक्यूमेंट्री है जो बताती हैं कि इस्लामिक स्टेट से सबसे ज्यादा नुकसान इस्लाम और मुसलमानों, खासकर मुस्लिम औरतों का हुआ है। उनकी क्रूरता, यौन शौषण और हिंसा की शिकार दुनिया भर की मुसलमान औरतें हीं हो रही हैं। ऐसी औरतों को एक ओर जहां दिल दहलाने वाले शोषण से गुजरना पड़ता है। वहीं इस्लामिक स्टेट से किसी तरह आजाद होने या अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा छुड़ाए जाने पर बाकी जिंदगी जेलों में काटनी पड़ती है। ऐसा इसलिए क्योंकि दुनिया भर में आतंकवादी संगठनों को लेकर ऐसे ही कानून (जीरो टालरेंस) बनाए गए हैं।

मलाइका अरोड़ा को ब्रालेस लुक में अनकंफर्टेबल देख ट्रोल्स ने लगाई क्लास, कहा- 'शर्म आती है तो...'

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। मलाइका अरोड़ा अक्सर अपने नए-नए में लुक में नजर आती हैं। मलाइका अरोड़ा की फोटोज और वीडियो को उनके फैंस काफी पसंद करते हैं। इसी बीच मलाइका अरोड़ा एक इवेंट में पहुंची थीं। इस इवेंट के दौरान मलाइका अरोड़ा अपने नए लुक में नजर आ रही हैं। मलाइका अरोड़ा के इस लुक को उनके फैंस खूब तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं मलाइका अरोड़ा के ड्रेस को लेकर अनकंफर्टेबल पर ट्रोल्स ने उनकी क्लास लगा दी। इस वीडियो में मलाइका अरोड़ा ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं

ड्रेस को लेकर ट्रोल हुईं मलाइका अरोड़ा

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर की गर्लफ्रेंड मलाइका अरोड़ा एक बार फिर अपनी ड्रेस को लेकर चर्चा में आ गई है। अभी हाल ही में मलाइका अरोड़ा एक इवेंट में पहुंची थीं। इस दौरान मलाइका अरोड़ा ब्रालेस लुक में दिखाई दीं। मलाइका अरोड़ा ने बॉसी लुक आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। मलाइका अरोड़ा की इस वीडियो में ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं। वीडियो को देखने से लग रहा है कि मलाइका अरोड़ा अपनी इस नई ड्रेस के साथ अनकंफर्टेबल नहीं दिखाई दे रही हैं। इसे देखने के बाद मलाइका अरोड़ा लोग जमकर ट्रोल कर रहे हैं।

लोगों ने किए ये कमेंट्स

अरबाज खान की एक्स वाइफ मलाइका अरोड़ा की इस वायरल हो रहे वीडियो पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं। मलाइका अरोड़ा के लुक की जहां फैंस ने जमकर तारीफ की, तो वहीं ट्रोल्स ने एक्टर की क्लास लगा दी। मलाइका अरोड़ा के इस वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा कि 'इतनी शर्म आ रही है तो एसे कपड़े पहनती ही क्यों हो'। तो वहीं कई यूजर्स एक्टर को सही से कपड़े खरीदने की सलाह देते हुए नजर आए। मलाइका अरोड़ा के नए लुक को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

एनिमल में रणबीर की बहन बनीं अंशुल चौहान बोलीं

आरके 24 घंटे सेट पर रहते हैं, नखरे नहीं करते, मैं उनकी हीरोइन बनना चाहती थी

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'एनिमल' में अंशुल चौहान उनकी छोटी बहन बनी हैं। एक्ट्रेस अंशुल चौहान ने रणबीर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह इंडस्ट्री के लिए बहुत अनमोल हैं। रणबीर बहुत साधारण व्यक्ति हैं। एक सुपरस्टार होने के बाद भी वह सेट पर किसी तरह का नखरा नहीं दिखाते थे। वह शूट के दौरान सेट पर हर समय मौजूद रहते थे।'एनिमल' इन दिनों विवादों में है। विवाद को लेकर अंशुल ने कहा कि ये कहना सही नहीं होगा कि फिल्म समाज को गलत मैसेज दे रही है। ये फिल्म किसी को मैसेज देने के लिए नहीं बनाई गई है। फिल्म में रणबीर कपूर का किरदार बेशक थोड़ा खतरनाक दिखाया गया है। लेकिन उनके पिता बने अनिल कपूर और पत्नी बनीं रश्मिका मंदाना हमेशा उन्हें वायलेंस के लिए रोकते नजर आए हैं। अंशुल का कहना है कि लोगों को फिल्म के हर पहलू पर ध्यान देना चाहिए।

बॉडी डबल नहीं यूज करते हैं रणबीर

एक्ट्रेस ने बताया कि रणबीर सेट पर कभी भी बॉडी डबल यूज नहीं करते हैं। रणबीर सेट पर मौजूद रहे सभी एक्टर्स को खुद खड़े होकर क्यू देते हैं। उनका मानना है कि जब रियल एक्टर्स क्यू देते हैं, तो सीन ज्यादा बेहतर होता है। वह सेट से बाहर भी नहीं जाते हैं। दरअसल एक बड़े एक्टर का हर समय सेट पर मौजूद रहना अपने आप में बड़ी बात है। ज्यादातर बड़े एक्टर्स अपने शिफ्ट तक ही सेट पर समय देते हैं। कुछ एक्टर्स बहुत नखरे दिखाते हैं। अंशुल का मानना है कि रणबीर बाकी एक्टर्स से बहुत अलग हैं। मैंने उनके साथ काम करके यही सीखा है। वो हमेशा मुझे सेट पर बहन की तरह ही ट्रीट करते थे।

एनिमल की कॉन्ट्रोवर्सी पर बोलीं अंशुल

अंशुल ने कहा कि फिल्म को पसंद करना या न करना यह हर इंसान पर अलग-अलग निर्भर करता है। साधारण सी बात है कि अगर किसी को फिल्म पसंद नहीं आ रही है, तो वह फिल्म न देखे। यह जरूरी नहीं है कि फिल्म सबको एक जैसी पसंद आए। जिन लोगों को फिल्म पसंद नहीं आ रही है, वो अपनी जगह सही हैं। वहीं 'लिक माइ शू' डायलॉग पर एक्ट्रेस का कहना है कि, यह केवल एक सीन था। आखिर में रणबीर उसे ऐसा करने भी नहीं देते हैं। अगर मैं जोया का किरदार निभाती तो मैं भी वो सीन करती। क्योंकि मैं अपने परिवार से इतनी दूर एक्टर बनने आई हूं। एक्टर होने के कारण मैं हमेशा एक ऐसे ही अच्छे किरदार की तलाश में रहती हूं। मुझे ऐसा मौका मिलेगा तो मैं जरूर करना चाहूंगी।

रणबीर के अपोजिट एक्ट्रेस बनना चाहती थीं अंशुल

जब अंशुल से पूछा गया कि आपको किसी फिल्म में लीड एक्ट्रेस का रोल मिले तो आप किस एक्टर के साथ काम करना चाहेंगी। इस पर 'एनिमल' एक्ट्रेस ने हंसते हुए जवाब दिया कि मैं रणबीर कपूर के अपोजिट हमेशा काम करना चाहती थी। एनिमल मिलने से 11 महीने पहले मैंने अपनी डायरी में लिखा था- रणबीर कपूर फिल्म कोएक्टर। उन्होंने कहा कि 11 महीने बाद मुझे संदीप रेड्डी का कॉल आया और मैं रणबीर की बहन बन गई। उन्होंने कहा कि आगे कभी मौका मिला तो मैं उनके अपोजिट काम करना चाहूंगी।

बच्चों के साथ खेलें ये खेल, मनोरंजन के साथ बच्चों में शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास होगा

बच्चों को मगन रखने या उनके मन-बहलाव की कुछ गतिविधियां ऐसी हैं, जो दिखने में तो सामान्य लगती हैं, लेकिन इन्हें गंभीरता से लिया जाए तो इनका दूरगामी असर होता है।

तीन-चार साल के बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं। उन्हें जैसे मोड़ा जाए वैसे मुड़ जाते हैं। और उनके माता-पिता या अभिवावक होते हैं उनके कुम्हार जो उन्हें आने वाले जीवन के लिए एक नए स्वरूप में ढालते हैं। तो इससे बेहतर समय और क्या हो सकता है जब उन्हें शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में खेल-खेल में सिखाया जाए।

शारीरिक विकास संबंधी गतिविधियां

झूला-झुलाना- सुनने में भले ही थोड़ा अटपटा लगे कि झूला झुलाने से क्या हो सकता है। पर ये बच्चे में बैलेंस करने की क्षमता को बेहतर करता है। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे को अधिक तेज़ी से झूला न झुलाएं। वह घबरा भी सकता है। उसे सुरक्षित रखते हुए पकड़कर ही झूला झुलाएं।

डांस करना- बच्चों को सामंजस्य की कला सिखाने के लिए नृत्य बेहतर विकल्प है। इसके ज़रिए बच्चे की मांसपेशियों का विकास होगा। नृत्य के स्टेप्स को करने से बच्चे क्रियाशील भी बनेंगे। ऐसे कौशल लोगों के साथ मेल-जोल और तालमेल बैठाने की कला में भी माहिर बनाते हैं।

सामाजिक विकास संबंधी गतिविधियां

रोलप्ले या एक्टिंग करना- बच्चों को एक्टिंग करने में या फिर नकल करने में बहुत मज़ा आता है। और वे इस उम्र में स्कूल भी जाने लगते हैं तो उनसे स्कूल के दोस्तों की नकल करने को कहें। इससे होगा यह कि बच्चा अपने आस-पास मौजूद लोगों को ग़ौर से देखना और समझना शुरू कर देगा। ये उसके लिए बाक़ी लोगों से जुड़ने में सहायक होगा।

प्रतियोगिता में भाग लेना- स्कूल में किसी भी प्रकार की प्रतियोगिता में भाग लेने से बच्चा न केवल ज़्यादा से लोगों से बात कर पाएगा बल्कि कई प्रकार की चुनौतियों के लिए तैयार हो पाएगा। इसके लिए ज़रूरी है कि आप उसका साथ दें, जितना हो सके उसे समझें और उसके संसार को उसके अनुसार विस्तार देने की कोशिश करें।

भावनात्मक विकास संबंधी गतिविधियां

कहानी सुनाना- बच्चों को कहानी सुनना बेहद पसंद होता है और ये उनके सामाजिक-भावनात्मक विकास के लिए बहुत अच्छा है क्योंकि कहानियां बच्चों में भाव और रचनात्मकता पैदा करती हैं। बच्चे को कहानियां सुनाएं और फिर इस बारे में उससे चर्चा भी करें। ऐसा करने से बच्चे में समानुभूति विकसित होगी। वह ख़ुद की और दूसरों की भावनाओं को बताना भी सीखेगा।

घर के बाहर घुमाना- पार्क या किसी ऐसी जगह उसे घुमाने ले जाएं जहां पर्यावरण या इतिहास से संबंधी चीज़ें/इमारतें मौजूद हों। इससे बच्चा चीज़ों को महसूस करके उनके बारे में जानेगा। जो उसके संसार की तस्वीर को बड़ा करने का काम करेंगे। कोशिश करें कि बच्चे को जानकारी देते समय आप उत्साहित रहें। इससे वह भी आपसे हर प्रश्न उत्साह के साथ ही पूछेगा जो उसे जिज्ञासु बनाने के साथ उसके बौद्धिक विकास में भी अहम भूमिका निभाएगा।

न भूलें कि वह बच्चा ही है

बच्चे को कोई भी चीज़ सिखाने से पहले इतना याद रखें कि वह अभी संसार को जानने के लिए पहला क़दम रख रहा है। इसलिए उस पर बोझ न बनने न दें कि उसे क्या सीखना और क्या करना है। उसे हर चीज़ प्यार के साथ धीरे-धीरे ही सिखाएं। साथ ही बच्चे के प्रश्नों के जितना हो सके उत्तर देने की कोशिश करें। इससे उसके दिमाग़ में हर चीज़ को जानने की इच्छा और बढ़ेगी। जिस गतिविधि में बच्चा उत्साहित नहीं हो उसे न ही करें तो बेहतर है।

अब सरोगेसी से भी मां बनना नहीं रहा आसान, सरकार ने बदले नियम

मां बनने का सपना वैसे तो हर महिला का होता है, लेकिन ये सुख हर किसी को नहीं मिलता। जिसके चलते लोग जहां लोग बच्चे adopt भी करते हैं, साथ ही आजकल सरोगेसी भी आम है। सरोगेसी यानी की किराए की कोख। इसमें दूसरी महिला की कोख में बच्चा पलता है। ऐसे में अगर कोई महिला मां नहीं बन सकती हैं, उसकी गोद भी सरोगेसी के जरिए भर जाती है। पर क्या ये प्रोसेस इतना आसान है? बिल्कुल भी नहीं। ये बात हम नहीं कह रहे बल्कि इस प्रोसेस के जरिए मां बनना चाह रही 32 साल की सुषमा की जुबानी है। दरअसल, सुषमा 3 साल पहले गर्भाशय में कैंसर- पूर्व की स्थिति से जूज रही थीं, जिसके बाद उन्होंने हिस्टेरेक्टॉमी की सर्जरी करवाई थी। नतीजा ये हुआ की वो इस सर्जरी के बाद प्रेग्नेंट नहीं हो पाई। उन्होंने सरोगेसी के जरिए मां बनने की चाह में मुंबई के एक पॉश आईवीएफ क्लिनिक में अपने पति संग दाखिला लिया।

कोविड के बाद आया सरोगेसी के नियमों में बदलाव

लेकिन इसके बाद कोविड की लहर आ गई और सरकार ने सरोगेसी को लेकर नए नियम बना दिए। जिसके बाद से नए नियमों के लागू होने में देरी के कारण से सुषमा कभी तर सरेगेट मदर नहीं ढूंढ पाई है। केंद्र सरकार ने बिचौलियों द्वारा सरोगेसी के बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण और शोषण को रोकने के लिए 25 जनवरी 2022 को सरोगेसी अधिनियम 2021 लागू किया। लेकिन पिछले 23 महीनों में ज्यादातर राज्यों ने अभी तक इस नए कानून को लागू नहीं किया था और उपयुक्त प्राधिकारी की स्थापना 5 अक्टूबर को की गई थी। आईवीएफ डॉक्टरों के साथ काम करने वाले वकील कार्तिक गुप्ता का कहना है कि दिल्ली के अधिकारियों ने अब तक 30 सरोगेट्स को हरी झंडी दे दी है। आईवीएफ एक्सपर्ट्स का कहना है कि मुंबई सहित महाराष्ट्र में, अब तक एक भी जोड़ा सभी अनुमतियां प्राप्त करने में कामयाब नहीं हुआ है।

सरोगेसी के नियमों को सरल करने की जरूरत

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि सेरोगसी की प्रोसेस को शुरु करने में देरी का सबसे बड़ा कारण कई चरणों पर अप्रूवल की जरूरत होती है। हर शहर का हर डीपार्टमेंट अलग तरीके से काम करते हैं। सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम 2021 के तहत, कागजी कार्रवाई कठिन है क्योंकि इसमें जिला या नगरपालिका अधिकारियों से कई प्रमाणपत्र प्राप्त करना, सरोगेट के लिए एक मजिस्ट्रेट से मंजूरी और एक नई स्थापित केंद्रीय एजेंसी से अंतिम मंजूरी लेना शामिल है। सीधी भाषा में कहा जाए तो नियमों को सरल बनाने की जरूरत है।

कागजी काम निपटने के बाद भी इंतजार हुआ लंबा

महाराष्ट्र में, प्रबोध और सुषम जैसे सरोगेसी अपनी कागजी काम निपटाने में कामयाब हो जाने के बाद भी, इंतजार कर रहे हैं क्योंकि सरोगेसी क्लीनिकों का सरकारी प्रमाणीकरण अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

नए अधिनियम के अनुसार, सरोगेसी केवल प्रमाणित क्लीनिकों द्वारा ही की जा सकती है। दरअसल, मुंबई क्षेत्र में, सरोगेसी क्लीनिकों को प्रमाणित करने का काम ठाणे अधिकारियों को सौंपा गया है। ये काम अभी तक शुरु नहीं हुआ है।

रोज रात को किचन में जलाएं तेज पत्ता, मिलेंगे अनगिनत फायदे

रोज रात को किचन में जलाएं तेज पत्ता, मिलेंगे अनगिनत फायदे

तेज पत्ते खाने का टेस्ट बढ़ाने का तो काम करता ही है। लेकिन क्या आपको पता है कि ये सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। तेज पत्ते को एक बर्तन में जलाकर कमरे में रखने से तनाव दूर होता है, मानसिक शांति मिलती है और कई सारे स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं।

दिमाग को मिलती है शांति

रात को किचन में 1 तेज पत्ता जलाने से दिमाग शांत होता है। इसे जलाने पर मिलने वाली गंध थकान और चिड़चिड़ाहट भी दूर करती है।

इम्यून सिस्टम रहता है मजबूत

तेज पत्ते के धुएं को इम्यून सिस्टम मजबूत करने वाला भी माना जाता है। ये भी माना जाता है कि तेज पत्ता आसपास के वातावरण में मौजूद दूषित कणों को भी काटता है।

नेगेटिव एनर्जी होती है दूर

रोजाना रात को किचन में तेज पत्ता जलाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। ये घर से हर तरफ की नेगेटिव एनर्जी को दूर करता है।

बुरे सपनों से मिलेगा छुटकारा

अगर आपको रात को बुरे सपने परेशान करते हैं तो आपको सोने से पहले किचन में तेज पत्ता जलाना चाहिए। इससे नेगेटिव एनर्जी और बुरे सपने दूर होते हैं।

बुरी नजर से होती है रक्षा

अगर आपको ये किसी और को बुरी नजर परेशान कर रही है तो ऐसे में आपको रात के समय किचन में लौंग के साथ तेज पत्ता जलाना चाहिए। इससे बुरी नजर से सुरक्षा होती है।

तनाव होता है कम

आजकल की भाग- दौड़ वाली जिंदगी में तनाव होना आम बात है। इससे निजात पाने के लिए रोज रात को किचन में तेज पत्ते का धुआं करना चाहिए।

होता है धन लाभ

अगर आप पैसों की तंगी से जूज रहे हैं तो किचन में तेज पत्ता जलाएं। इससे घर में लक्ष्मी का आगमन होता है।

माइग्रेन, आंखों की कमजोरी और जोड़ों के दर्द का इलाज है एक देसी लड्डू

सर्दियां आते ही लोग कई तरह की चीजें अपनी डाइट में शामिल करते हैं ताकि इम्यूनिटी स्ट्रांग हो। इस दौरान ड्राई फ्रूट का भी सेवन किया जाता है, क्योंकि इनकी तासीर गर्म होती है। वहीं हमारी दादी-नानी भी सर्दियों में अकसर हमें पिन्नी का सेवन करने की सलाह देती हैं। इसे खाने के कई सारे फायदे होते, जैसे इम्यूनिटी बूस्ट होती है, आंखों की रोशनी तेज होती है, जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है। वहीं अगर सर्वाइकल या माइग्रेन का दर्द ज्यादा बढ़ जाए तो भी ड्राई फ्रूड लड्डू का सेवन कर सकते हैं।

कैसे करें सेवन?

ड्राई फ्रूटस पिन्नी का सेवन का सुबह नाश्ते में गर्म दूध के साथ कर सकते हैं। वहीं रात को अगर आप डिनर लाइट रखना चाहते हैं तो रात को सोने से पहले 1 पिन्नी का गर्मा-गर्म दूध के साथ सेवन कर सकते हैं। इससे नींद अच्छी आती है और इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। लेकिन रात को ये खाकर रहे हैं तो कुछ देर टहलें और फिर सोएं। आइए आपको बताते हैं इसे बनाने की रेसिपी..

ड्राई फ्रूट पिन्नी बनाने की सामग्री

बेसन- 1 छोटी कटोरी
सूजी- 1 छोटी कटोरी
आटा- 5 कटोरी
देसी घी- 2 कटोरी
काजू- बादाम- 1 कटोरी
किशमिश- 4 चम्मच
खरबूजे की गिरी- 4 चम्मच
गोंद- 4 चम्मच
चिरौंजी- 4 चम्मच

ड्राई फ्रूट पिन्नी बनाने की विधि

1. सबसे पहले एक कढ़ाई में देसी घी लें और उसमें काजू बादाम को तलकर बाहर निकाल लें।

2. अब इसी घी में गोंद, खरबूजे की गिरी, चिरौंजी को तलकर बाहर निकाल लें और ठंडा होने पर सभी ड्राई फ्रूट्स को मिक्सी जार में डालकर दरदरा पीस लें।

3. अब घी में किशमिश और नारियल को भूनें । एक बड़ी कढ़ाई में सूजी को मध्यम आंच पर गोल्डन होने तक भूनें।

4. फिर कढ़ाई में थोड़ा घी लें और उसमें बेसन को भी माध्यम आंच पर गोल्डन होने तक भूनें।

5. उसमें आटे को भी माध्यम आंच पर गोल्डन होने तक भूनें।

6. फिर कढ़ाई में थोड़ा सा घी डालें और उसमें सारे ड्राई फ्रूट्स डालकर लगातार चलाते रहें और साथ ही गोल्डन किया हुआ बेसन आटे में डालकर लगातार चलाते रहें।

7. सबको अच्छी तरह से मिक्स कर लें और ठंडा होने दें।

8. अब इनकी छोटी- छोटी पिन्नी बना लें।

बर्तनों में लगी जंग हो जाएगी साफ, अपनाएं ये तरीके

लोहे के बर्तनों में तो जंग लगी आपने कई बार देखी होगी लेकिन पानी, हवा और मैटल के रिएक्शन के कारण लोहे में भी बहुत जल्दी जंग लगती है। लोहे के बर्तनों की देखभाल करने का सबसे अच्छा तरीका यह होता है कि उनमें तेल लगाकर रखा जाए। इसी तरह अन्य बर्तनों में भी कई बार जंग लगती है जिसके कारण उन्हें फेंकने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचता है। ऐसे में यह बर्तन खराब होने लगते हैं। कई बार लाइटर को भी जंग लगती है। किसी पुराने चाकू, चम्मच या फिर प्लेट में भी जंग लगने लगता है। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे ट्रिक्स बताते हैं जिनके जरिए आप बर्तनों में लगी जंग हटा सकते हैं। आइए जानते हैं....

बेकिंग सोडा

क्लीनिंग एजेंट के तौर पर आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। घर में खाने के साथ-साथ घर में कई काम निपटाने के लिए इसका इस्तेमाल होता है। बर्तनों में लगी जंग यदि आप साफ करना चाहते हैं तो एक कटोरे में गर्म पानी लें और 1 छोटा चम्मच बेकिंग सोडा डालकर घोल बना लें। इसमें बर्तनों को 30-40 मिनट के लिए डुबोएं रखें और फिर साबुन और स्क्रब से रगड़कर इन्हें साफ करें।

साइट्रिक एसिड और बेकिंग पाउडर

साइट्रिक एसिड पाउडर और बेकिंग पाउडर मिलाकर भी आप एक असरदार ब्लीचिंग एजेंट बना सकते हैं। बर्तनों को धोने के लिए एक पेस्ट बना लें फिर इसे जंग लगे बर्तन पर लगाकर 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद स्क्रब की मदद से उससे स्क्रब करें। धीरे-धीरे जंग दूर होने लगेगी।

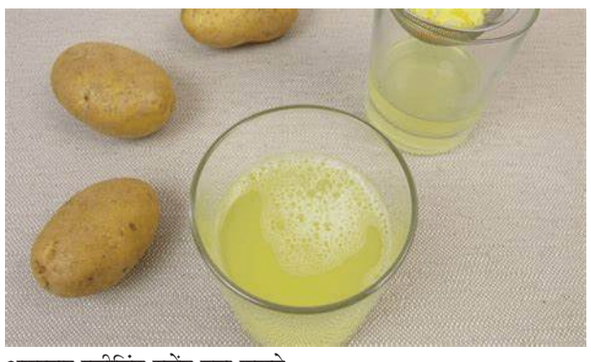

कच्चे आलू

आलू में ऑक्सालिक एसिड पाया जाता है जिसका इस्तेमाल जंग हटाने के लिए किया जाता है। ऐसे में एजेंट के रुप में आप इसे इस्तेमाल कर सकते हैं। कच्चा आलू ऑक्सालिक एसिड होता है जिसका इस्तेमाल जंग हटाने वाले एजेंट के रुप में किया जाता है। इसके लिए आप एक कच्चे आलू को आधा काट लें। कटे हुए किनारों पर डिशवॉशिंग लिक्विड की कुछ बूंदे डालें किसी भी जगह में जंग लगा हुआ है तो उस जगह पर आलू को अच्छी तरह से रगड़ें।

आलू का रस और नींबू

नींबू का रस स्क्रब की तरह काम करता है और आलू जंग हटाने का भी कारगार तरीका हो सकता है। नींबू और आलू के रस को मिलाकर किसी कपड़े से जंग वाली जगह पर अच्छी तरह से लगाएं। इसके बाद 40 मिनट के लिए इसे जंग वाली जगह पर लगाएं। लिक्विड डिशवाशिंग और स्टील के स्क्रब से रगड़कर बर्तनों को साफ करें। डिशवॉशिंग सोप में मिलाकर रखें। इसी से जंग लगे बर्तन साफ करें यह एकदम साफ हो जाएंगे।

क्या आपके बच्चों में भी बढ़ रहा है मोटापा तो जानें किस तरह करें कंट्रोल

बिगड़ते लाइफस्टाइल और गलत खान-पान का असर बच्चों पर बहुत ज्यादा हो रहा है। बड़ों के मुकाबले गलत लाइफस्टाइल के चलते बच्चे मोटापे का शिकार हो रहे हैं। इसके कारण उन्हें कई तरह की समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है। मोटापा और बच्चों का बढ़ा हुआ वजन कई तरह की क्रोनिक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चों में मोटापा बढ़ने के क्या कारण है और आप उनके बढ़ते हुए मोटापे को कैसे कंट्रोल में कर सकते हैं। आज आपको इस बारे में बताएंगे आइए जानते हैं...

क्यों बढ़ रहा है बच्चों में मोटापा? फिजिकली एक्टिव न होने के कारण

आजकल ज्यादातर बच्चे बाहर जाने की जगह घर में बैठकर ही मोबाइल पर गेम्स खेलना पसंद करते हैं। इसके चलते उनकी फिजिकल एक्टिविटी कम हो रही है। फिजिकल एक्टिविटी कम होने के कारण और शरीर में कैलोरीज भी कम नहीं हो रही। ऐसे बच्चों में फिजिकली एक्टिव न होने के कारण बच्चों में मोटापा भी बढ़ रहा है।

अनहेल्दी फूड्स

बचपन से ही कुछ बच्चे बाजार का जंक फूड खाने के शौकीन हो जाते हैं। ऐसे में वह घर का खाना भी पसंद नहीं करते। हमेशा जंक फूड्, कार्बोहाइड्रेट्स और शुगरी वाली ड्रिंक्स पीने के कारण बच्चों में मोटापा बढ़ने लगता है। अनहेल्दी फूड्स और डाइट बच्चे के शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है जो बच्चों में मोटापे का मुख्य कारण बनती है।

लाइफस्टाइल में बदलाव

समय के साथ-साथ बच्चों के लाइफस्टाइल में भी तेजी से बदलाव हो सकता है। ऐसे में इसके चलते बच्चों के स्वास्थ्य और सेहत दोनों पर ही बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है। कई बार वर्किंग पेरेंट्स न होने के कारण बच्चों के सोने और जागने के पैटर्न में भी बदलाव हो सकता है जिसके कारण उसकी सेहत पर प्रभाव पड़ता है।

किस तरह करें बच्चों में मोटापा कम?

हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के लिए कहें

यदि आप चाहते हैं कि बच्चा समय से सोए और उठे तो इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा पूरी नींद लें। यदि पेरेंट्स अपने बच्चों का लाइफस्टाइल को बैलेंस करके रखेंगे तो ही बच्चों पर इसका असर पड़ेगा। मोटापा ऐसी समस्या है जो कि बच्चों में कई सारी दिक्कतें पैदा कर सकता है लेकिन सही दिशा और देखभाल के जरिए ही आप बच्चों को मोटापे से बचा सकते हैं।

अच्छी डाइट दें

यदि बच्चे अपनी डाइट का ध्यान नहीं रखते तो ऐसे में अगर बच्चों को स्वस्थ और मोटापे से दूर रखना है तो माता-पिता को इस बात का ध्यान देना होना कि बच्चों को हेल्दी डाइट दें। यदि आपके बच्चे जंक फूड की जिद्द करते हैं तो उसे पूरी न करें बल्कि घर में भी उन्हें हेल्दी रखने का प्रयास करें। बच्चों को भरपूर मात्रा में फल, सब्जियां और ड्राई फ्रूट्स खिलाएं।

फिजिकली एक्टिव रखें

माता-पिता को अपने बच्चों को फिजिकली एक्टिविटी के लिए जरुर प्रोत्साहित करना चाहिए। आप बच्चों के साथ पार्क में खेलने के लिए जा सकते हैं। यदि बच्चा कोई गेम खेलना पसंद करता है तो आप उसे सीखने का मौका जरुर दें। ऐसे में बच्चा बिजी, हेल्दी और एक्टिव रहेगा।

भारत ने रूस से खरीदा 10 माह में सबसे महंगा तेल

स्पाइसजेट को 446 करोड़ रुपये का घाटा

नई दिल्ली, 13 (एजेंसियां)। सस्ते दाम पर कच्चा तेल खरीदने वाला भारत अब रूस से महंगे भाव पर क्रूड खरीद रहा है। अक्तूबर में भारत ने 84.20 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर कच्चा तेल खरीदा है। दिसंबर, 2022 के बाद 10 महीने में सबसे ज्यादा है। सितंबर में क्रूड का भाव 81.24 डॉलर प्रति बैरल था। हालांकि, यह इराक से 85.97 डॉलर और सऊदी अरब से 98.77 डॉलर प्रति बैरल की दर से खरीदे तेल से फिर भी सस्ता है। ओपेक देशों ने रूसी तेल पर 60 डॉलर प्रति बैरल की सीमा लगाई है।

औद्योगिक उत्पादन 16 माह के उच्च स्तर पर

औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर अक्तूबर, 2023 में बढ़कर 16 महीने के उच्चस्तर 11.7 फीसदी पर पहुंच गई। विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के शानदार प्रदर्शन से यह तेजी देखने को मिली है। एक साल पहले की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी)

में 4.1 फीसदी की गिरावट रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, इससे पहले जून, 2022 में आईआईपी में सर्वाधिक 12.6 फीसदी तेजी दर्ज की गई थी। आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 10.4 फीसदी बढ़ा। एक साल पहले की समान अवधि में इसमें 5.8 फीसदी की गिरावट रही थी।

खनन क्षेत्र की वृद्धि दर 13.1 फीसदी रही, जबकि एक साल पहली की समान अवधि में यह 2.6 फीसदी रही थी। बिजली क्षेत्र में 20.4 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों यानी अप्रैल-अक्तूबर अवधि में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 6.9 फीसदी पर पहुंच गई। पिछले साल की समान अवधि में यह 5.3 फीसदी रही थी।

कोल इंडिया : निवेश 7.6 फीसदी बढ़ा

कोल इंडिया का निवेश चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में 7.6 फीसदी बढ़कर 10,492 करोड़ पहुंच गया। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को बताया, एक साल पहले यह 9,751 करोड़ रुपये था। घरेलू कोयला उत्पादन में इसका हिस्सा 80 फीसदी है।

स्पाइसजेट को 446 करोड़ रुपये का घाटा

स्पाइसजेट को सितंबर तिमाही में 446 करोड़ का घाटा हुआ है। एक साल पहले 830 करोड़ का घाटा हुआ था। इस दौरान राजस्व 27 फीसदी गिरकर 1,429 करोड़ रहा। उधर, कंपनी के बोर्ड ने शेयरों के जरिये 2,250 करोड़ जुटाने को मंजूरी दे दी है।

फॉक्सवैगन जनवरी से 2% बढ़ाएगी दाम

फॉक्सवैगन एक जनवरी से कारों की कीमतों में दो फीसदी बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि लागत बढ़ने से उसे दाम बढ़ाने पड़ रहे हैं। उधर, स्कोडा ने भी एक जनवरी से अपने वाहनों की कीमतें 2 फीसदी बढ़ाने की घोषणा की है।

यूपीआई से स्वचालित भुगतान की सीमा बढ़कर एक लाख

यूरोपीय देशों को चावल के निर्यात पर छूट बढ़ी

नई दिल्ली, 13 (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को म्यूचुअल फंड की सदस्यता सहित कुछ श्रेणियों के लिए यूपीआई के माध्यम से स्वचालित भुगतान की सीमा मौजूदा सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये प्रति लेनदेन कर दी है। आरबीआई ने बताया कि म्यूचुअल फंड, बीमा प्रीमियम और क्रेडिट कार्ड के बिल भुगतान के लिए इसका उपयोग किया जा सकेगा। यूपीआई से नवंबर में रिकॉर्ड 11.23 अरब लेनदेन किए गए हैं। ऑटोमैटिक पेमेंट का मतलब ईसीएस से है जो एक तय समय पर ग्राहक के खाते से कटता है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने पिछले सप्ताह दिसंबर की द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए इस संबंध में घोषणा की थी।

64 हजार से 61 हजार पर आया सोना

चांदी 77 हजार से 71 हजार रुपए पर आई, कैरेट के हिसाब से गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 13 (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दामों में आज यानी 13 दिसंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 254 रुपए सस्ता होकर 61,023 रुपए पर आ गया है। वहीं 18 कैरेट सोने की कीमत 45,767 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई है। इस महीने की शुरुआत में 24 कैरेट शुद्ध सोने का भाव 63,805 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था।

वहीं चांदी में भी आज गिरावट देखने को मिली है। ये 757 रुपए सस्ती होकर 70,818 रुपए प्रति किलो ग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 71,575 रुपए पर थी।

इस महीने 4 दिसंबर को चांदी 77 हजार के पार पहुंच गई थी। इसके बाद इसमें गिरावट देखने को मिली है।

2023 में अब तक सोने ने दिया का 11% रिटर्न

इस साल अब तक सोने में तेजी देखने को मिली है। साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो अब 61,595 प्रति ग्राम पर है।

यानी इस साल अब तक इसकी कीमत में 11% की तेजी आई है। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 70,818 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

सरकार सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की दो नई किस्त जारी करने जा रही है। पहली किस्त दिसंबर और दूसरी किस्त फरवरी में जारी की जाएगी। पहली किस्त 18-22 दिसंबर को खुलेगी। जबकि दूसरी किस्त 12-16 फरवरी की तारीख को खुलेगी। बॉन्ड की बिक्री बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, पोस्ट ऑफिस और बीएसई और एनएसई के जरिए की जाएगी।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 33 अंक चढ़कर 69,584 पर बंद

मुंबई, 13 (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी बुधवार (13 दिसंबर) को मामूली बढ़त देखने को मिली है। सेंसेक्स 33 अंक की तेजी के साथ 69,584 के लेवल पर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी में भी 19 पॉइंट की तेजी रही। ये 20,926 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में तेजी और 12 में गिरावट देखने को मिली है। आज पावर और ऑटो शेयर्स में तेजी रही। आज एक समय सेंसेक्स गिरकर 69,100 पर पहुंच गया था, लेकिन बाद में इसमें रिकवरी देखने को मिली और ये 69,584 के लेवल पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला	में	वृश्चिक.	04-37 बजे
चंद्र-	धनु	में	धनु.....	06-50 बजे
मंगल	तुला	में	मकर..	08-56 बजे
बुध-	धनु	में	कुंभ...	10-48 बजे
गुरु-	मेष	में	मीन ..	12-24 बजे
शुक्र-	तुला	में	मेष--	14-01 बजे
शनि-	कुंभ	में	वृष--	15-46 बजे
राहु-	मीन	में	मिथुन..	17-46 बजे
केतु-	कन्या	में	कर्क...	19-58 बजे
			सिंह...	22-11 बजे
			कन्या..	00-17 बजे
			तुला.....	02-26 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- **हेमन्त**
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-41** सूर्यास्त - **17-39**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल --दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - **00 -56** - तक उपरान्त तृतीया
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , गुरुवार **14 December**
नक्षत्र - मूल - **09- 46** - तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - गण्ड - **13 - 23** - तक उपरान्त वृद्धि
करण- बालव - **14 -04** - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - **16** शनिवार से मल मास प्रारंभ

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:34 से 14:57 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:41 - 08:02 शुभ	अमृत	17:39 - 19:20 शुभ
रोग	08:02 - 09:25 अशुभ	चंचल	19:20 - 20:57 शुभ
उत्पात	09:25 - 10:48 अशुभ	रोग	20:57 - 22:34 अशुभ
चंचल	10:48 - 12:11 शुभ	काल	22:34 - 24:11 अशुभ
लाभ	12:11 - 13:34 शुभ	लाभ	24:11 - 01:48 शुभ
अमृत	13:34 - 14:57 शुभ	उत्पात	01:48 - 03:25 अशुभ
काल	14:57 - 16:20 अशुभ	शुभ.	03:25 - 05:02 शुभ
शुभ	16:20 - 17:39 शुभ	अमृत	05:02 - 06:41 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

शोध विद्यार्थियों को आज के दिन शुभ सन्देश मिल सकता है । जो विद्यार्थी आज के दिन प्रतियोगिता परीक्षा में भाग ले रहे है वे भी अपनी आशा से ज्यादा अछी परीक्षा देंगे परन्तु समय के अनुसार निर्णय और काम करना काफी महत्वपूर्ण होगा । इन घटनाओं से आपको जो अवसर मिल रहे है आपको शीघ्र अतिशीघ्र इनका उपयोग करना होगा अन्यथा अवसर हाथ से निकल सकता है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वजह से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे तथा सांयकालीन वेला में आप किसी समारोह का भी आयोजन कर सकते है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की । आपको वित्तीय स्थिति उच्च रहेगी हालाँकि आपको लाभ के लिए जोखिम उठाने पड़ सकते है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है । आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अछा रहेगा । आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है या उसी नौकरी में स्थान परिवर्तन के संकेत भी आपको मिल सकते है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चों पर लगाम लगाएंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपको अपने पार्टनर के ही भले के लिए उनसे किसी बात पर कहासुनी करनी पड़ सकती है । हो सकता है कि उन्हें आपकी बात अच्छी न लगे लेकिन आपको उन्हें अपनी बात समझानी होगी । इस बात को बहुत अधिक लम्बा न खींचें नही तो बात बिगड़ भी सकती है । शांति से पेश आयें ,शाम को आपके सुलझे हुए व्यवहार के कारण आपको अपने पार्टनर से और भी अधिक सम्मान मिलेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपकी करियर से सम्भंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है । आज आप अपने करियर के बारे में एक दिशा में सोच सकते है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

अपने हाल फिलहाल इसलिए धन खोया क्यों की आपने अविवेकपूर्ण तरीके से जल्दी पैसे देने वाली मृगतृष्णाओ वाली परियोजनाओं में पैसे लगाया । इस तरह की और परियोजनाओं आपके समक्ष आएगी लेकिन आपको अपने विवेक का इस्तेमाल करना है अन्यथा आप वित्तीय परेशानी में फँस सकते है । आपको अपने निवेश के निर्णय चरणबध्द तरीके से लेने है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

विश्व में सबसे ज्यादा भारत में होंगी भर्तियां

37% कंपनियां तीन महीने में बढ़ाएंगी कर्मचारी

नई दिल्ली, 13 (एजेंसियां)। दुनियाभर में सुस्ती के बीच अगले तीन महीनों में भारत में सर्वाधिक रोजगार मिलने की उम्मीद है। 37 फीसदी कंपनियों ने कहा, वे कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएंगी, जो 2023 की तुलना में पांच फीसदी अधिक है। मैनपावर ग्रुप ने विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 3,100 कंपनियों पर किए एक सर्वे में कहा कि भारत में कर्मचारियों की भर्ती की संभावना 41 देशों में सबसे अधिक है। मैनपावरग्रुप इंडिया व मध्य पूर्व के एमडी संदीप गुलाटी ने सर्वे के हवाले से कहा, भारत और नीदरलैंड 37 फीसदी भर्ती की संभावना के साथ सबसे ऊपर हैं। कोस्टारिका व अमेरिका 35 फीसदी के साथ दूसरे, मेक्सिको 34 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर भर्ती की उम्मीद 26 फीसदी है।

वित्तीय व रियल एस्टेट क्षेत्र में सर्वाधिक 45 फीसदी भर्ती की उम्मीद है। आईटी में 44 फीसदी व कंज्यूमर गुड्स सेवाओं में 42 फीसदी की उम्मीद है। पश्चिमी भारत में भर्तियों की उम्मीद 39 फीसदी व उत्तरी भारत में 38 फीसदी है। पूर्वी क्षेत्र में सबसे कमजोर भर्ती की उम्मीद है। ज्यादातर कंपनियों को पदों के हिसाब से कुशल उम्मीदवार नहीं मिल पा रहे हैं। भारत में 81 फीसदी नियोक्ताओं का मानना है कि कुशल कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। इस कमी से ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक और ऑटोमोटिव क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

ग्रीन एनर्जी के लिए 10 साल में 100 अरब डॉलर खर्च करेगा अडानी ग्रुप

5 कंपनियां होंगी कार्बन उत्सर्जन मुक्त

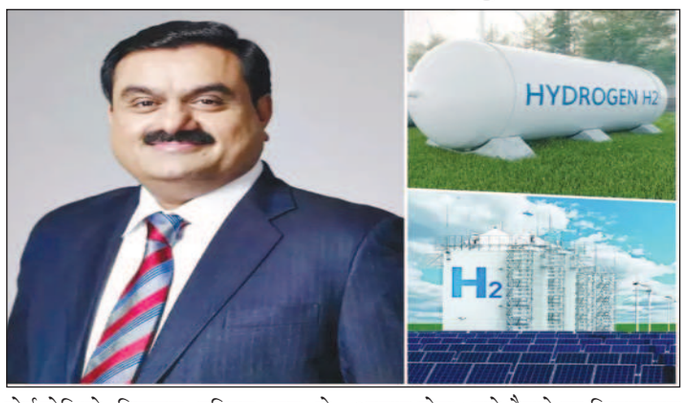

नई दिल्ली, 13 (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप ग्रीन एनर्जी के लिए काफी निवेश कर रहा है। अडानी ग्रुप अपने कारोबारों में भी ग्रीन एनर्जी का उपयोग करना चाहता है। ग्रुप की 5 कंपनियों का लक्ष्य साल 2050 तक कार्बन उत्सर्जन मुक्त होना है। इसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए अडानी ग्रुप अगले 10 साल में ग्रीन एनर्जी पर 100 अरब डॉलर का निवेश करेगा। अहमदाबाद बेस्ड इस ग्रुप का कारोबार पोर्ट्स, एनर्जी, सीमेंट और पावर आदि सेक्टर्स में फैला हुआ है। ग्रुप ने कहा है कि उसने साल 2030 तक 100 मिलियन (10 करोड़) पेड़ लगाने का भी संकल्प लिया है।

5 कंपनियां 2050 तक होंगी कार्बन मुक्त

अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी एनर्जी सोल्यूशंस, अडानी पोर्ट्स, एसीसी और अंबुजा सीमेंट का साल 2050 तक कार्बन मुक्त बनने का लक्ष्य है। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'अडानी के पोर्टफोलियो बिजनस एक्टिव रूप से रिन्यूएबल्स की सोर्सिंग कर रहे हैं, ऑपरेशंस का विद्युतीकरण कर रहे हैं और बायोफ्यूल्स को अपना रहे हैं। इसके अलावा वे वेस्ट हीट रिकवरी और एनर्जी स्टोरेज टेक्नोलॉजीज को अपना रहे हैं।' ग्रुप की कुछ पहलों में हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक ट्रक का डेवलपमेंट और गुजरात में ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम का विकास शामिल है।

अडानी के लिए आसान होगा ग्रीन हाइड्रोजन एडोप्शन

ग्रुप ने अपने बयान में कहा, 'ग्रीन हाइड्रोजन एडोप्शन अडानी ग्रुप के लिए आसान होगा। बड़े पैमाने पर रिन्यूएबल्स और एंड-टू-एंड ईपीसी कैपेबिलिटी के साथ पूरी तरह से इंटिग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग सभी एक सिंगल लोकेशन पर है। इससे लागत में कमी आएगी।'

हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक ट्रक के लिए किया समझौता

लॉजिस्टिक्स और माइनिंग में ट्रांसपोर्टेशन के लिए हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक ट्रक डेवलप करने को लेकर कंपनी ने अशोक लेलैंड और बैलार्ड पावर के साथ समझौता किया है। इसका लॉन्च इसी साल के लिए शेड्यूल है।

चीन के छूट रहे पसीने! आईफोन निर्माता फॉक्सकॉन कर्नाटक में करने जा रही अरबों रुपयों का निवेश

नई दिल्ली, 13 (एजेंसियां)। आईफोन निर्माता फॉक्सकॉन कर्नाटक में 1.67 बिलियन डॉलर यानी करीब 139.11 अरब रुपयों का अतिरिक्त निवेश करने जा रही है। फॉक्सकॉन द्वारा अप्रैल 2024 तक कर्नाटक में आईफोन का निर्माण शुरू करने की भी उम्मीद है। इसकी तेजी से तैयारियां चल रही हैं। राज्य सरकार की ओर से एक बयान में इस बात की जानकारी दी गई है। ताइवान स्थित कंपनी करीब 70 फीसदी आईफोन्स असेंबल करती है। कंपनी ने दक्षिण भारत में विनिर्माण सुविधाओं में भारी निवेश करके पिछले वर्ष में भारत में अपनी उपस्थिति का तेजी से विस्तार किया है। कर्नाटक में ही कंपनी ने बीते अगस्त महीने में आईफोन के लिए केसिंग कंपोनेंट और चिप बनाने वाले इक्विटमेंट्स बनाने की दो परियोजनाओं में करीब 600 मिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की थी।

नौकरी के बढ़ेंगे अवसर

फॉक्सकॉन द्वारा अप्रैल 2024 तक कर्नाटक में आईफोन का निर्माण शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इस परियोजना से करीब 50,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। हालांकि अभी सरकार ने कंपनी के कर्नाटक में अतिरिक्त निवेश की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी है। कर्नाटक में फॉक्सकॉन जिन दो बड़े प्रोजेक्ट शुरु करने की घोषणा की थी, उसमें पहला प्लांट फोन इन्क्लोजर प्रोजेक्ट होगा। इससे 12 हजार लोगों को नौकरी मिलेगी। वहीं दूसरा प्लांट सेमिकॉन इक्विपमेंट प्रोजेक्ट होगा, जिसमें कंपनी 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और इससे करीब एक हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

श्रीलंका को फिर मिली आईएमएफ से सहायता

अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए देगा 33.7 करोड़ डॉलर

कोलंबो, 13 (एजेंसियां)। श्रीलंका पिछले कुछ साल से कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। देश में आर्थिक संकट के कारण भोजन, बिजली और ईंधन की कमी हो गई है। पिछले साल श्रीलंका अपने कर्ज चुकाने के दायित्वों से चूक गया, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ उसे तीन अरब यूरो का बेलआउट सौदा करना पड़ा था। अब एक बार फिर देश ने आईएमएफ की ओर सहायता की नजर से देखा है।

करीब 33.7 करोड़ डॉलर की सहायता

इसी को लेकर आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने श्रीलंका के साथ 48 महीने की विस्तारित कोष सुविधा के तहत पहली समीक्षा पूरी कर ली है। साथ ही फैसला लिया है कि नकदी संकट से जूझ रहे देश को व्यापक आर्थिक व ऋण स्थिरता बहाल करने के लिए करीब 33.7 करोड़ डॉलर की सहायता दी जाएगी।

गोपनीय आधार पर किया गया ऋण पुनर्गठन

श्रीलंका के वरिष्ठ मिशन प्रमुख पीटर ब्रेउर ने बताया कि आईएमएफ द्वारा 2.9 अरब डॉलर जारी करने की पहली समीक्षा को समाप्त करने के लिए चीन के साथ ऋण पुनर्गठन का काम बहुत ही गोपनीय आधार पर किया गया। श्रीलंका ने चीन से काफी कर्ज लेकर रखा है। उसे अपने कुल ऋण का 52 प्रतिशत हिस्सा चीन को देना है।

दूसरी किश्त जारी

ब्रेउर ने मंगलवार को बताया, 'सैद्धांतिक रूप से चीनी समझौता श्रीलंका की ऋण पुनर्गठन वार्ता के लिए बेहद अच्छी खबर है। हमने अधिकारियों द्वारा गोपनीय आधार पर साझा किए गए समझौते की शर्तों का पढ़ा है।' आईएमएफ ने मंगलवार देर रात समीक्षा पूरी की और द्वीप राष्ट्र को 33.7 करोड़ डॉलर की दूसरी किश्त जारी करने की मंजूरी दे दी। इससे चार साल की सुविधा में संवितरण मूल्य 67 करोड़ डॉलर हो गया।

जीवाश्म ईंधन से दूर जाने से जुड़े समझौते को किया गया स्वीकार

नई दिल्ली, 13 (एजेंसियां)। जीवाश्म ईंधन से दूर जाने से जुड़े ऐतिहासिक समझौते 'ग्लोबल स्टॉकटेक टेक्स्ट' को बुधवार को दुबई में वार्षिक जलवायु वार्ता सीओपी28 के अंतिम सत्र में बिना किसी आपत्ति के स्वीकार कर लिया गया। सीओपी 28 के अध्यक्ष सुल्तान अल-जबर ने जब समझौते को मंजूरी दी तो कमरा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

दुबई जलवायु वार्ता के मूल पाठ में पेरिस समझौते और उनकी विभिन्न राष्ट्रीय परिस्थितियों, मार्गों और दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारितर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में गहरी, तेज और निरंतरर कमी का आह्वान किया गया। हालांकि, पिछले संस्करणों के विपरीत इस बार के समझौते में नए और निर्बाध कोयला बिजली उत्पादन की अनुमति को सीमित करने के संदर्भों का अभाव है। यह कमी भारत और चीन जैसे देशों जो कोयले पर बहुत ज्यादा निर्भर देश हैं के लिए झटके की तरह है। समझौते को स्वीकार करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए, सुल्तान अल-जबर ने कहा कि यह एक मजबूत कार्य योजना है जिसमें 1.5 डिग्री को पहुंच के भीतर रखने की योजना है। उनके अनुसार यह एक संतुलित योजना है जो उत्सर्जन से निपटती है, अनुकूलन पर अंतर को कम करते हुए वैश्विक वित्त की फिर से कल्पना करती है और नुकसान और क्षति को पूरा करती है। ऐतिहासिक दस्तावेज में इसे हासिल करने के लिए आठ सूत्री योजना रखी गई है।

आर्टिकल 370 हटाने के रास्ते में तीन सबसे बड़े कांटे थे

गृहमंत्री ने उन्हें कैसे निकाला कि सुप्रीम कोर्ट ने सभी को वैध बताया

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 26 वकील, 23 याचिकाएं, 16 दिन और 5 जस्टिस। इस मैराथन बहस के बाद 11 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिकल 370 पर अपना फैसला सुनाया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- 'हम आर्टिकल 370 को निरस्त करने के लिए जारी राष्ट्रपति के आदेश को वैध मानते हैं।' सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने राष्ट्रपति के सभी कदमों पर मुहर लगा दी। ये साफ संकेत हैं कि जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाते वक्त तमाम अड़चनों को हटाकर कितनी पुख्ता कानूनी तैयारी की गई थी। आखिर वो तीन कदम क्या थे, जिन्हें आर्टिकल 370 हटाने से पहले गृहमंत्री शाह ने उठाए थे

पहला कदमः आर्टिकल 370 में 'संविधान सभा' की जगह विधानसभा शब्द शामिल किया।

5 अगस्त 2019 को उस वक्त के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने एक प्रेसिडेंशियल ऑर्डर सीओ 272 जारी किया। इसके जरिए केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 367 में बदलाव किया। अनुच्छेद 367 में संविधान को पढ़ने यानी उसमें शामिल शब्दों की व्याख्या दी गई है। यह बदलाव ऐसा था कि अनुच्छेद 370 (3) में शामिल शब्द 'संविधान सभा' की जगह 'विधानसभा' शब्द शामिल किया गया। जम्मू-कश्मीर भारत का अकेला ऐसा राज्य था, जिसका अपना अलग संविधान और उसे लिखने वाली संविधान सभा थी। भारत में विलय के बाद शुरुआती सालों में अनुच्छेद 370 में कोई भी बदलाव राज्य की संविधान सभा की सलाह पर ही हो सकता था। कुछ सालों बाद संविधान सभा में शामिल सभी सदस्य दुनिया में नहीं रहे, ऐसे में अनुच्छेद 370 में बदलाव एक कानूनी पेच बन गया था। अब राष्ट्रपति के इस आदेश के जरिए संविधान सभा की यह शक्ति जम्मू-कश्मीर की विधानसभा को दे दी गई। खास बात यह है कि राष्ट्रपति के आदेश के जरिए केंद्र सरकार ने यह बदलाव अनुच्छेद 370 (1) में दी गई शक्तियों के दम पर ही किया।

विधानसभा भंग थी, इसलिए संसद में रखा वैधानिक प्रस्ताव

संविधान सभा का कानूनी पेंच निकल चुका था। इसके कुछ घंटे बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में एक वैधानिक प्रस्ताव रखा। कुछ ही देर में राज्यसभा ने अनुच्छेद 370 को हटाने का यह प्रस्ताव पारित कर दिया। अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर विधानसभा भंग थी और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा हुआ था। ऐसे में जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सभी शक्तियां भारत की संसद में आ गईं। मतलब यह कि केंद्र सरकार ने 370 को हटाने की राह से पहले जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा की अनुमति का पेंच हटाया, फिर विधानसभा की अनुमति यानी प्रस्ताव की भी जरूरत नहीं पड़ी। यानी जम्मू-कश्मीर विधानसभा के प्रस्ताव की जगह संसद का प्रस्ताव काफी था और हुआ भी यही। 6 अगस्त 2019 को तब के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आदेश सीओ 273 जारी कर राज्यसभा के प्रस्ताव को लागू कर दिया। आखिरकार 370 (1) का इस्तेमाल करके 370 को जम्मू-कश्मीर से हटा दिया गया। यानी जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त हो गया। तकनीकी तौर पर 370 (1) आज भी बरकरार है।

जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन किया

अनुच्छेद 370 को हटाने का प्रस्ताव पारित होने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 राज्यसभा में रखा। 9 अगस्त 2019 को संसद के दोनों सदनों में जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बदलने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया। इनमें जम्मू और कश्मीर राज्य में विधानसभा को बरकरार रखा गया। वहीं लद्दाख को पूरी तरह केंद्रशासित प्रदेश बना दिया गया।

5 जजों की संविधान पीठ ने 5 अहम बातें कहीं

1. अनुच्छेद 370 अस्थायी हैः चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अनुच्छेद 370 संविधान के चैप्टर-21 का हिस्सा है, जिसका शीर्षक ही अस्थायी प्रावधान है। ये एक अंतरिम व्यवस्था थी, ताकि जम्मू-कश्मीर संविधान सभा बन जाए और ये भारतीय संविधान को रेक्टिफाई करे। दूसरा, जंग के हालात में इसकी जरूरत महसूस हुई थी।

2. जम्मू-कश्मीर को आंतरिक संप्रभुता नहींः जम्मू-कश्मीर को आंतरिक संप्रभुता के मुद्दे पर चीफ जस्टिस ने कहा- भारत में विलय के बाद जम्मू-कश्मीर के पास कोई आंतरिक संप्रभुता नहीं बची थी। चीफ जस्टिस ने कहा कि जम्मू कश्मीर कॉन्स्टिट्यूशन के सेक्शन 3 में साफ तौर पर लिखा हुआ है कि जम्मू कश्मीर राज्य भारत संघ का एक अभिन्न हिस्सा है। इसके अलावा भारतीय संविधान के आर्टिकल 1 में लिखा है कि भारत, जो कि इंडिया है, राज्यों का एक संघ होगा।

3. राष्ट्रपति के फैसले की नीयत सहीः चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने फैसले में कहा कि आर्टिकल 356 के तहत राष्ट्रपति शासन के दौरान राष्ट्रपति और संसद राज्यपाल/विधानसभा के रूप में टेक-ओवर कर सकते हैं। इसमें कोई कानूनी बाधा नहीं है। चीफ जस्टिस ने कहा कि हालांकि राष्ट्रपति शासन में राष्ट्रपति के एक्शन की सीमाएं होती हैं। इस केस में पहली नजर में ये नहीं लगता कि राष्ट्रपति का आदेश गलत इरादे से जारी किया गया हो या उन्होंने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया हो।

4. जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस मिलेः इस विषय को सुप्रीम कोर्ट ने विचार के लिए खुला रखा है। सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि सरकार जल्द ही जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे को बहाल करेगी। इसलिए जम्मू और कश्मीर (पुनर्गठन) अधिनियम 2019 की वैधानिकता के सभी पहलुओं पर संविधान पीठ ने अभी फैसला नहीं दिया है।

5. राष्ट्रपति के फैसले कानून सम्मतः देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अनुच्छेद-370 के तहत आदेश जारी करके जम्मू-कश्मीर में अनेक संवैधानिक प्रावधानों को लागू किया था। उसके बाद भी संसद से पारित अनेक कानूनों को राष्ट्रपति के आदेशों से जम्मू-कश्मीर में लागू किया गया। राष्ट्रपति के आदेश सीओ- 272 के पैरा 2 के जरिए संविधान के जो प्रावधान जम्मू कश्मीर में लागू किए गए, वे कानून सम्मत हैं।

सुप्रीम कोर्ट के वकील विराग गुप्ता का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के खिलाफ पुर्नविचार याचिका की सुनवाई फैसला करने वाले बेंच के सामने ही बंद कमरे में होती है। कई बार याचिकाकर्ताओं की मांग पर सुप्रीम कोर्ट की खुली अदालत में भी रिव्यू मामलों की सुनवाई होती है। आर्टिकल 370 मामले में फैसला सुनाने वाली संविधान पीठ के एक सदस्य जस्टिस कौल दिसंबर में रिटायर हो जाएंगे। इसलिए यदि कोई रिव्यू दायर हुई तो उसकी सुनवाई के लिए नए सदस्य के साथ बेंच का गठन चीफ जस्टिस करेंगे। मुख्य मामले की लिस्टिंग और सुनवाई में कई साल लग गए, ऐसे में रिव्यू की सुनवाई में भी देरी हो सकती है। रिव्यू मामले में सुप्रीम कोर्ट के पास सीमित मामला होता है, इसलिए उसमें याचिकाकर्ताओं को विशेष राहत की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के खिलाफ कोई अपील नहीं होती। हालांकि, एक मामले में दो विरोधाभासी फैसले हों तो न्यायिक आदेश से बड़ी बेंच का गठन किया जा सकता है। मुख्य मामले की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों में से किसी पक्ष को 7 जजों की बेंच से सुनवाई की मांग करनी चाहिए थी। संविधान पीठ के 5 जजों के विस्तार से फैसले के बाद अब 7 जजों की बेंच गठित होने की संभावना नहीं है। संपूर्ण राज्य को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया जाने के संसद और केंद्र सरकार के अधिकार के बारे में भविष्य में 7 जजों के संविधान पीठ में सुनवाई हो सकती है।

विष्णुदेव छत्तीसगढ़ के चौथे मुख्यमंत्री

अरुण साव और विजय शर्मा बने डिप्टी सीएम, शपथ ग्रहण के बाद मंत्रालय पहुंचे साय

रायपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के चौथे मुख्यमंत्री बन गए हैं। रायपुर में उन्होंने हिंदी में सीएम पद की शपथ ली। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने उन्हें शपथ दिलाई। उनके बाद अरुण साव और विजय शर्मा ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद साय मंत्रालय पहुंचे हैं। यहां यहां वे कार्यभार ग्रहण करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह के कार्यक्रम स्थल साइंस कॉलेज मैदान के मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ कई राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहे।

साव ने जगन्नाथ मंदिर में की पूजा

सीएम पद की शपथ लेने से पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद मांगा। इस दौरान रायपुर उत्तर से विधायक पुरंदर मिश्रा भी मौजूद रहे।

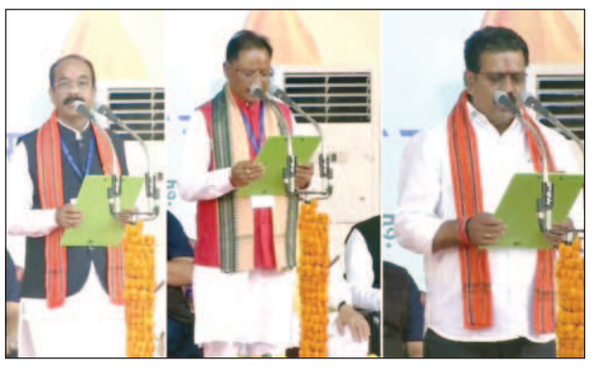

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुरैना स्थित अपने आवास पर पत्नी के साथ नवग्रह पूजन भी किया। साय ने अपनी मां जसमनी देवी का आशीर्वाद लिया। अपने बेटे की सफलता से भावुक मां ने उन्हें गले लगा लिया। विष्णु देव साय रायपुर के अवंति विहार एटीएम चौक स्थित अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद जय स्तंभ चौक स्थित शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कहा- 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर से छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार आई है। छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं का बहुत-बहुत अभिनंदन और आभार व्यक्त करता हूं। निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री और उनकी पूरी टीम मोदी की गारंटी को पूरा करेगी ये मैं दावे के साथ कह सकता हूं।' इस मौके पर ओम माथुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने 'बदलबो' का नारा पूरा किया। वहीं पीएम मोदी का स्वागत एक थीम सॉन्ग के साथ किया गया। जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे इस थीम सॉन्ग के साथ स्वागत और सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री समेत ये दिग्गज रहे मौजूद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा
केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी
केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया
केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले
उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा
गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत
त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा
बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर

छत्तीसगढ़ सीएम की शपथ से पहले आईईडी ब्लास्ट

नारायणपुर में एक जवान शहीद, एक घायल, 3 दिन में अलग-अलग धमाके में 6 जवान जख्मी

जगदलपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सीएम के शपथ ग्रहण से ठीक पहले नक्सलियों ने नारायणपुर जिले में आईईडी ब्लास्ट किया है। आईईडी की चपेट में आने से एक जवान शहीद हो गया जबकि एक जवान घायल है। घायल जवान को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। बताया जा रहा है कि आमदई खदान के पास सीएएफ के जवान सर्चिंग पर निकले थे, उसी दौरान आईईडी ब्लास्ट हुआ। मामला छोटेडोंगर थाना क्षेत्र का है। ब्लास्ट में शहीद जवान कमलेश साहू जांजगीर-चांपा जिले के हसौद गांव का रहने वाला था। पिछले 3 दिन में हुई अलग-अलग घटनाओं में अब तक 6 जवान घायल हुए हैं, जबकि एक जवान शहीद हुआ है।

सुरक्षाबलों की ओर से भी जवाबी फायरिंग

बस्तर आईजी सुंदर राज पी ने बताया कि नारायणपुर के थाना छोटेडोंगर क्षेत्र के आमदाई खदान में करीब 11 बजे नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट और फायरिंग की। जवाब में सुरक्षा बलों की ओर से भी फायरिंग की गई। नक्सलियों के हमले में सीएएफ 9वीं वाहिनी का जवान आरक्षक कमलेश कुमार शहीद हो गया। एक आरक्षक विनय कुमार को मामूली चोट आई है, जिनका इलाज चल रहा है। आसपास के इलाके में पुलिस बल, डीआरजी

और आईटीबीपी जवान सर्चिंग में जुटे हैं। जानकारी के मुताबिक, आमदई खदान के पास बुधवार सुबह सीएएफ के जवान सर्चिंग पर निकले हुए थे। यहां जवानों को नुकसान पहुंचाने के मंसूबे से नक्सलियों ने पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखा हुआ था। इसी बीच सर्चिंग के दौरान एक जवान कमलेश कुमार का पैर नक्सलियों की लगाई प्रेशर आईईडी पर आ गया, जिससे जोर का धमाका हुआ। इस घटना में कमलेश को गंभीर चोट आई, वे मौके पर ही शहीद हो गए। धमाके की चपेट में आने से एक अन्य जवान विनय कुमार को भी चोट आई है। साथी जवानों ने दोनों को फौरन मौके से निकाला और छोटेडोंगर के अस्पताल लेकर आए हैं। जहां घायल जवान का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि, इलाके में अब भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। 24 नवंबर को इसी इलाके में बम फटा था। नक्सलियों की लगाए प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई थी, जबकि एक मजदूर घायल हुआ था। ये सभी मजदूर आमदई माइंस में काम करने के लिए जंगल के रास्ते से जा रहे थे। इसी दौरान प्रेशर आईईडी पर इनका पैर आ गया था।

साय कैबिनेट में बिलासपुर संभाग से 7 की दावेदारी मजबूत

अमर या कौशिक को मिल सकता है मंत्रिमंडल में मौका

बिलासपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। विष्णुदेव साय के मंत्रिमंडल में बिलासपुर संभाग का दबदबा रहने की पूरी संभावना है। अरुण साव अगर डिप्टी सीएम बनाए जाते हैं, तो बिलासपुर से अमर अग्रवाल और धरमलाल कौशिक में से एक को ही मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। वहीं रायगढ़, कोरबा और मुंगेली जिले से भी मंत्री बनाए जा सकते हैं। जांजगीर-चांपा जिले को छोड़ दें, तो हर जगह से कैबिनेट में मंत्री पद के दावेदार हैं।

कांग्रेस सरकार के 5 साल के कार्यकाल में बिलासपुर उपेक्षित रहा, क्योंकि यहां पहली बार विधायक बनने वाले शैलेष पांडेय पूरे 5 साल विपक्षी विधायक की भूमिका में रहे, तो वहीं तखतपुर से पहली बार विधायक बनीं रश्मि सिंह को संसदीय सचिव का पद मिला। अब भाजपा की सरकार आते ही दिग्गज नेताओं के चुनाव जीतने पर एक बार फिर से मंत्रिमंडल में बिलासपुर जिले का रुतबा बढ़ेगा।

हाईकोर्ट में राज्य सरकार ने कहा, अमन हत्याकांड की जांच एसआईटी से कराएंगे

रांची, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद जेल में कुख्यात शूटर अमन सिंह की हत्या मामले में स्वतः संज्ञान याचिका पर मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंदा सेन की खंडपीठ के समक्ष राज्य सरकार ने बताया है कि इस मामले में एसआईटी बनाने का फैसला लिया गया है। कोर्ट ने सरकार को दो सप्ताह में एसआईटी के संबंध में विस्तृत जानकारी देने का निर्देश दिया है। सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा है। 3 दिसंबर को धनबाद जेल में अमन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अमन सिंह पूर्व डिप्टी मेयर और कांग्रेस नेता नीरज सिंह हत्या मामले में लंबे समय से जेल में बंद था। अब इस मामले में जनवरी के तीसरे सप्ताह में सुनवाई होगी। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस मामले में बड़ी साजिश होने की बात कहते हुए राज्य सरकार को एसआईटी जांच कराए जाने से संबंध में जवाब मांगा था। सिख दंगा मामले में प्रभावित लोगों को मुआवजा दिलाने व क्रिमिनल केस की मॉनिटरिंग को लेकर दायर सतनाम सिंह गंभीर की जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी का गुजरात फॉर्मूला

हिंदू वोटर्स के लिए विजय, ओबीसी को साधने के लिए अरुण को किया आगे, नए चेहरों को भी मौका

रायपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी टीम को लेकर अटकलों का दौर चल रहा है। बीजेपी का शक्ति संतुलन बना रहे, इसलिए प्रदेश में गुजरात फॉर्मूला लागू करने की तैयारी है। जिस तरह से गुजरात में सरकार बनने के बाद नए और पुराने नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था, उसी तरह छत्तीसगढ़ में भी अनुभवी और नए चेहरों को जगह दी जाएगी।

बीजेपी सूत्रों के अनुसार 2 डिप्टी सीएम और मंत्रियों के नाम भी बीजेपी के केंद्रीय नेताओं ने फाइनल किए हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि डिप्टी सीएम के रूप में विजय शर्मा और अरुण साव का नाम पर मुहर लगी है। बीजेपी नेताओं के अनुसार इसकी आधिकारिक पुष्टि भी शपथ से थोड़ी देर पहले हो जाएगी।

बीजेपी छत्तीसगढ़ में गुजरात फॉर्मूला लागू करने की तैयारी कर

रही है। इसके तहत साय के मंत्रिमंडल में अनुभवी और नए चेहरों दोनों को मौका दिया जाएगा। अनुभवी नेताओं की संख्या कम और नए विधायको की संख्या ज्यादा होगी। बीजेपी सूत्रों के अनुसार चार पुराने और छह नए विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल करने की तैयारी है।

नई सरकार अनुभवी और युवा वर्ग को साथ लेकर चलेगी। साल 2013 में रमन सिंह के तीसरे कार्यकाल में दो नए चेहरों को मौका मिला था।

क्या है गुजरात फॉर्मूला

गुजरात के मंत्रिमंडल में अनुभवी मंत्रियों की संख्या कम और नए मंत्रियों की संख्या ज्यादा है। साय मंत्रिमंडल में भी इसी पैटर्न पर होगा। बीजेपी सूत्रों के अनुसार 4 पुराने और 6 नए विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल करने की तैयारी चल रही है। नई सरकार अनुभवी और युवा वर्ग को साथ लेकर चलने की तैयारी में है। मंत्रिमंडल आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर बनेगा। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह का स्पीकर बनना तय है। मुख्यमंत्री साय सरगुजा संभाग से हैं। डिप्टी सीएम के लिए जिन दो नामों की चर्चा है, वो दुर्ग और बिलासपुर संभाग से आते हैं। जबकि बस्तर से तीन से चार नामों की चर्चा है। नए मंत्रिमंडल में क्षेत्रीय और जातिगत समीकरण बनाने का भी प्रयास होगा।

दो डिप्टी सीएम बनाने के पीछे समीकरण

विधानसभा चुनाव जीतने के बाद बीजेपी ने लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव में सभी वर्गों से तामलमेल बैठाया जा सके, इसलिए सीएम के साथ दो डिप्टी सीएम बनाए जा रहे हैं। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक आलोक पुतुल के अनुसार देश में स्थाई भाव बन गया है, कि मोदी या बीजेपी ऐसा फैसला लेंगे, कि विपक्ष सहित देश के सभी लोग चौक जाएंगे और चर्चाओं का दौर शुरू हो जाएगा।

हर राज्य में नए चेहरे को सीएम बनने से ये बात सही साबित होती भी दिख रही है। शक्ति संतुलन बना रहे, इसलिए हर जगह उपमुख्यमंत्री बनाया जा रहा है।

बच्चों को नहीं मिली यूनिफॉर्म की राशि

धनबाद, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। ठंड बढ़ती जा रही है। पारा 10 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क चुका है। चौक-चौराहों पर अलाव जलने लगे हैं। लेकिन, बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे ठंड में ठिठुरने को विवश हैं। ये वैसे बच्चे हैं, जिनके खाते डाकघरों में खुलवाए गए थे। उन खातों में स्वेटर समेत स्कूल यूनिफॉर्म की राशि जमा ही नहीं की गई। दूसरी कई योजनाओं का लाभ मिलना भी शुरू नहीं हुआ।

सक्षम परिवारों ने तो खुद के पैसों से बच्चों के लिए यूनिफॉर्म खरीद लिए, लेकिन अन्य परिवारों के बच्चे कड़कड़ाती ठंड में भी पुराने कपड़ों में बिना स्वेटर के स्कूल आने को मजबूर हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारी कहते हैं कि उन्होंने कई बार उन खातों में राशि जमा कराने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। अब थक-हार कर वे संबंधित बच्चों के अभिभावकों के बैंक खातों की जानकारी लेकर उनमें राशि जमा करा रहे हैं।

सरकारी स्कूलों के कक्षा 3 से 8 तक के करीब 4900 बच्चों के खाते जिले के विभिन्न डाकघरों में खुलवाए गए हैं। उनमें पिछले 4 माह से यूनिफॉर्म के लिए राशि जमा करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन किसी खाते में राशि नहीं गई। अब अभिभावकों के बैंक खातों में राशि जमा कराई जा रही है। अब तक करीब 1900 बच्चों के अभिभावकों के बैंक खातों में राशि भेजी जा चुकी है।

बाकी 3 हजार बच्चों को अब तक राशि नहीं मिली। जिले को यूनिफॉर्म की राशि जुलाई/अगस्त में ही मिली थी। बैंकों में जिन बच्चों के खाते खुल चुके थे, उन्हें कुछ ही दिनों में राशि मिल गई। बाकी बच्चे राशि नहीं मिलने से यूनिफॉर्म और स्वेटर आदि नहीं खरीद सके।

पुलिस ने 9 साइबर अपराधियों को दबोचा

गिरिडीह, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह में एक बार फिर साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले के अलग-अलग थाना से पुलिस ने नौ शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आज की गिरफ्तारी के बाद बीते 100 दिनों में गिरिडीह जिले में 100 साइबर अपराधियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। आज हुई गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने 55 मोबाइल फोन, 36 सिमकार्ड, 01 एटीएम कार्ड, 2 पासबुक, 3 आईपैड, 1 लैपटॉप, तीन पावर बैंक और चार बाइक बरामद किए हैं। गिरफ्तार साइबर अपराधियों में भेलवाघाटी थाना क्षेत्र के तिलकडीह का मनीष कुमार मंडल, बेंगाबाद थाना क्षेत्र का विकास मंडल, बेंगाबाद के सोनबाद का सागर तूरी, गांडेय थाना क्षेत्र के आहारडीह का मो. मुस्ताक अंसारी, बेंगाबाद थाना क्षेत्र के गोपालपुर का सगीर अंसारी, बेंगाबाद के लखनपुर का इनामुल हक, सयुम अंसारी और बुढ़ई थाना क्षेत्र के कुम्हरगढ़िया का रहने वाला अजरूदीन अंसारी शामिल है।

लोकसभा चुनाव, आंतरिक सर्वे में भाजपा का दावा

झामुमो-कांग्रेस में गठबंधन होने पर 12, नहीं तो 14 सीटों पर जीतेगी भाजपा

रांची, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा के हौसले बुलंद है। वहीं, झारखंड में भाजपा के ताजा आंतरिक सर्वेक्षण ने भी पार्टी नेताओं के चेहरे पर खुशी ला दी है। पार्टी के आंतरिक सर्वे में दावा किया गया है कि अगर राज्य में झामुमो-कांग्रेस-राजद में गठबंधन हुआ, तो भी पूर्व की तरह 12 संसदीय सीटों पर भाजपा की जीत होगी। लेकिन, किसी कारण से गठबंधन नहीं हुआ, तो सभी 14

संसदीय सीटों पर पार्टी की जीत होगी। बताया गया कि विभिन्न संसदीय क्षेत्रों के प्रखंड स्तर पर सर्वे किया गया। पार्टी का कहना है कि सर्वे में आम लोगों के साथ-साथ भाजपा व अन्य राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ताओं की भी राय जानी गई। वर्ष 2019 संसदीय चुनाव में अनुसूचित जनजातियों के लिए सुरक्षित राजमहल और सिंहभूम संसदीय सीटों पर क्रमशः झामुमो और कांग्रेस प्रत्याशियों ने जीत हासिल की थी। इस बार इन दोनों सीटों पर जीत के लिए भाजपा ने मजबूत अभियान चलाया है। लोकसभा प्रवास योजना के अंतर्गत पिछले 10 माह से इन क्षेत्रों में सघन अभियान चल रहा है। सर्वे में कहा गया है कि इन दोनों सीटों पर पहले से स्थिति सुधरी है, पर जीत अब भी दूर है। भाजपा ने आंतरिक सर्वे में राज्य की 14 संसदीय सीटों में से नौ को पहले नंबर पर रखा है, यहां हर हाल में जीत पक्की बताई गई है।

दुनिया के सामने संतुलन बनाना चुनौती

इजरायल-हमास सीजफायर पर भारत, महासचिव गुटेरस ने पहली बार दिखाई ताकत

न्यूयॉर्क, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने इजरायल और हमास के हिंसक संघर्ष को खत्म करने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मंच पर भारत उन 153 देशों में शामिल रहा, जिन्होंने पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) में बीते दो महीने से अधिक समय से जारी युद्ध रोकने की वकालत कर रहे हैं। इजरायल और अमेरिका सरीखे देशों के मजबूत प्रतिरोध के बावजूद भारत ने युद्धविराम प्रस्ताव का समर्थन किया। भारत का रूख स्पष्ट करते हुए संयुक्त राष्ट्र में राजदूत रुचिरा कंबोज ने कहा, टकराव बढ़ने के इस कठिन दौर में दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती फैसलों के बीच सही संतुलन कायम करना है।

उन्होंने हमास और इजरायल के टकराव को असाधारण और कठिन समय करार दिया। संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि और भारतीय राजदूत रुचिरा कंबोज ने कहा, 193 सदस्यीय यूएनजीए में भारत ने महासभा में अभी अपनाए गए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने कहा, यूएनजीए महासचिव ने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुच्छेद 99 को लागू किया है। महासभा ने इस पहल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों की गंभीरता और जटिलता को रेखांकित किया है।

यूएन के 78 साल के इतिहास में कोवल 10 बार हुई यह खास घटना

गौरतलब है कि यूएनजीए के प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 99 के तहत लिखा गया महासचिव गुटेरस के 6 दिसंबर के पत्र का भी जिक्र किया गया। खास बात यह कि करीब छह साल पहले- 2017 में महासचिव बनने के बाद पहली बार उन्होंने इस अनुच्छेद का इस्तेमाल किया है। अनुच्छेद 99 में कहा गया है कि अगर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव की राय में अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा खतरे में हो, तो महासचिव किसी भी मामले को सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के ध्यान में ला सकते हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के 78 साल लंबे इतिहास में अनुच्छेद 99 का इस्तेमाल बेहद दुर्लभ घटना रही है। सात दशक से अधिक समय बीतने के बाद भी अतीत में ऐसे केवल 10 उदाहरण मिलते हैं, जब महासचिवों ने अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के मामले सुरक्षा परिषद में लाए गए हैं।

बता दें कि युद्धविराम का प्रस्ताव मिस्र ने पेश किया। प्रस्ताव में 'तत्काल मानवीय युद्धविराम' की मांग की गई। मिस्र ने अपनी मांग दोहराते हुए कहा, सभी पक्ष अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून सहित अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करें। ऐसा खास तौर पर, नागरिकों की सुरक्षा के मामले में होना चाहिए। प्रस्ताव में 'सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई' की मांग भी की गई। हालांकि, इजरायल ने इस प्रस्ताव में हमास का नाम शामिल न होने को लेकर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई।

संयुक्त राष्ट्र में 10 देशों ने विरोध में मतदान किया

बता दें कि युद्धविराम के प्रस्ताव पर भारत समेत 153 देशों ने समर्थन किया। 10 सदस्य देशों ने विरोध में मतदान किया, जबकि 23 देशों ने मतदान नहीं किया। प्रस्ताव का विरोध करने वाले देशों में अमेरिका, इजरायल, ऑस्ट्रिया, चेकिया, ग्वाटेमाला, लाइबेरिया, माइक्रोनेशिया, नाउरू, पापुआ न्यू गिनी और पैराग्वे हैं।

गाजा में युद्ध की विभीषिका, 18 हजार से अधिक की मौत, 50 हजार से घायल

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र में इजरायली राजदूत गिलाद एर्दान ने यूएनजीए में पोस्टर दिखाकर कहा कि युद्धविराम का समर्थन करने वाले देशों को हमास के प्रमुख याह्या सिनवार को फोन कर हथियार डालने के लिए राजी करना चाहिए।

बता दें कि याह्या सिनवार को युद्धग्रस्त गाजा पट्टी पर हमास का नेता माना जाता है। सात अक्तूबर को हुए हमलों के बाद इजरायल ने सिनवार को पकड़ने के साथ-साथ हमास को नेस्तनाबूंद करने की कसम खाई है। बीते दो महीने से अधिक समय से जारी युद्ध में अब तक 18 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 50 हजार से अधिक लोग घायल हुए हैं।

रूस-यूक्रेन जंग, 3 लाख से ज्यादा रूसी सैनिकों की मौत

कैदियों को भर्ती कर रही सेना, अमेरिकी इंटेलिजेंस का खुलासा, यूक्रेन में साइबर अटैक

वॉशिंगटन, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी इंटेलिजेंस के मुताबिक रूस-यूक्रेन जंग में अब तक 3 लाख 15 हजार रूसी सैनिकों की मौत हुई है। 24 फरवरी 2022 को शुरू हुई इस जंग के पहले रूसी सेना में 3 लाख 60 हजार सैनिक थे।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक जंग में 87% रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं। जंग ने रूसी सेना को आधुनिक बनाने के पुतिन की कोशिशों को 15 साल पीछे धकेल दिया है। इस नुकसान से उबरने के लिए रूस अपनी सेना में रिहा हुए कैदियों को भर्ती कर रहा है। साथ ही जंग के मैदान में भी भेज रहा है।

संसद में पेश की गई रिपोर्ट

12 दिसंबर को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अमेरिका के वॉशिंगटन पहुंचे। इस बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने जंग से जुड़ी एक रिपोर्ट संसद में पेश की। सीएनएन के मुताबिक विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन्स ने अमेरिका की तरफ से यूक्रेन को दी जाने वाली एडिशनल फंडिंग पर आपत्ति जताई है। इसके बाद 11 दिसंबर को खुफिया एजेंसी ने यह रिपोर्ट कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) को भेजा। बाइडेन प्रशासन यूक्रेन को एडिशनल फंड देना चाहते हैं।

इस बीच मंगलवार देर रात यूक्रेन के सबसे बड़े मोबाइल नेटवर्क पर साइबर अटैक हुआ। इससे इंटरनेट और कम्युनिकेशन कट गया। कीवस्टार नेटवर्क 2 करोड़ से ज्यादा लोगों को इंटरनेट देता है। साइबर अटैक के बाद ये सभी लोग बिना इंटरनेट रह रहे हैं। सिक्योरिटी सर्विस ऑफ यूक्रेन (एसबीयू) को शक है कि इस हमले की पीछे रूस का हाथ है। इस मामले में जांच हो रही है।

घुटने टेकने की बात पर भड़के जेलेंस्की

व्हाइट हाउस पहुंचे जेलेंस्की ने कहा- कई देश कह रहे हैं कि यूक्रेन घुटने टेक दे और रूसी कब्जे को स्वीकार कर ले। ये बात बहुत गलत है ऐसा कहने वाले लोग पागल हैं। यूक्रेन क्यों हार मान जाए। यहां लोग रहते हैं। बच्चे है, महिलाएं हैं, परिवारों की यादे हैं। हम अपनी जमीन आतंकियों को नहीं देंगे।

अमेरिका ने भारत के साथ रक्षा साझेदारी को और मजबूत किया

पेंटागन का बयान

वॉशिंगटन, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के रक्षा संबंधों में लगातार गहराई और मजबूती देखने को मिल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के मजबूत संबंधों पर बहुत फोकस किया है। पेंटागन ने कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में बड़ी प्रगति की है और आने वाले समय में भी वह सैन्य संबंधों में और प्रगति करने को लेकर आशान्वित है।

दोनों देशों के लिए यह साल

पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने एक प्रेस क्रान्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, 'हम रक्षा स्तर पर भारत के साथ अपने संबंधों की बहुत सराहना करते हैं। हम भारत के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी को

बढ़ावा देना जारी रखेंगे और मुझे लगता है कि आप हमें आगे भी ऐसा करते हुए देखेंगे।' उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका और भारत के बीच संबंधों का खासकर रक्षा क्षेत्र में यह एक बहुत अच्छा वर्ष रहा है। अपने संबंधों एवं सहयोग को और मजबूत करने के मामले में बड़ी प्रगति की है।

इनपर हो रहा मिलकर काम

उन्होंने मंगलवार को एक सवाल के जवाब में कहा, 'आपने हमें इंडस-एक्स जैसी चीजों के बारे में बात करते हुए सुना है और भारत में जेट इंजन जैसी चीजों को औद्योगिक आधार में शामिल करने के लिए रक्षा सहयोग के प्रयासों पर काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं, भारत में बख्तरबंद वाहनों का उत्पादन करने के लिए भी मिलकर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, हमारी नौसेना के जहाज मरम्मत के लिए भारत जाएंगे।'

भारत के साथ मिलकर काम करना रहेगा जारी

राइडर ने कहा, 'दोनों देश एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण की दिशा में काम कर रहे हैं, जहां संप्रभुता का सम्मान किया जाता है। इससे देश अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में काम कर सकते हैं। साथ ही साथ अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को स्वतंत्र रूप से और बिना किसी डर के पार ले जा सकते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हम भारत के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।'

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर इमरान खान ने दी प्रतिक्रिया

कहा- अब कश्मीर मुद्दा और जटिल हो जाएगा

करांची, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने प्रतिक्रिया दी है। इमरान खान का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला कश्मीर मुद्दे को और जटिल बना देगा।

रावलपिंडी के अदियाना जेल में बंद इमरान खान ने एक संदेश के जरिए बताया कि भारतीय शीर्ष अदालत का फैसला यूएनएससी प्रस्तावों का उल्लंघन था। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे साझा किया है।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम ने कहा, यह स्पष्ट हो गया कि भारतीय शीर्ष अदालत का फैसला सदियों से चले आ रहे संघर्ष को सुलझाने में मदद करने की बजाय कश्मीर मुद्दे को और अधिक जटिल बना देगा। उन्होंने बताया

कि उनकी पार्टी कश्मीर के लोगों को राजनीतिक समर्थन प्रदान करना जारी रखेगी। उन्होंने कश्मीर मुद्दे को भारत-पाकिस्तान के बीच विवाद का मुख्य जड़ बताया है।

इमरान खान ने बताया कि साल 2019 में कश्मीर के विशेष दर्जे को बदलने की कोशिश करने पर उनकी तत्कालीन पीटीआई सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। उन्होंने बताया कि वे राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए भारत के साथ मजबूत संबंध स्थापित करना चाहते थे।

इजराइल को कोस रहे सांसद को आया हार्ट अटैक

तेल अवीव, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। तुर्किये के एक सांसद को मंगलवार रात संसद में हार्ट अटैक आ गया। 53 साल के हसन बिटमेज अपने भाषण के दौरान इजराइल को कोस रहे थे। घटना का वीडियो सामने आया है। बीबीसी के मुताबिक बिटमेज संसद में इजराइल-हमास जंग पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा था- इजराइल भगवान की नजरों, उनके गुस्से और प्रकोप से नहीं बच सकता। इतना कहते ही वो जमीन पर गिर गए। उन्हें फौरन अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

इधर, यूनाइटेड नेशन्स जनरल असेंबली (यूएनजीए) में मंगलवार देर रात को गाजा में सीजफायर पर प्रस्ताव पारित हो गया। भारत ने इसके पक्ष में वोट किया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक 193 सदस्यीय यूएन में यूएई, सऊदी अरब समेत 153 देशों ने सीजफायर के पक्ष में वोट किया।

इजराइली पीएम नेतन्याहू की मुश्किलें बढ़ीं

तेल अवीव, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। मिस्टर सिक्योरिटी के नाम से प्रसिद्ध इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की परेशानियां कम होती नहीं दिख रही है। हमास के हमले के कारण बंद इजराइली कोर्ट दो माह बाद 4 दिसंबर से फिर से एक्शन में आ गई हैं। कोर्ट ने नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे रिश्वत के एक और धोखाधड़ी के 3 केसों की सुनवाई फिर से शुरू कर दी है। 4 साल पहले शुरू हुए इन केसों को नेतन्याहू के वकील अब कोर्ट से सुनवाई स्थगित करने की मांग कर रहे हैं, उनका कहना है कि युद्ध चल रहा है, इसलिए उनके (नेतन्याहू) पास तैयारी करने का समय नहीं है। इजराइली पीएम गठबंधन, वॉर कैबिनेट और पार्टी सभी मोर्चों पर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

एक सर्वे में सामने आया है कि इजराइली के 75% लोगों का कहना है कि पीएम नेतन्याहू को

अभी या फिर एक बार युद्ध खत्म हो जाए तो इस्तीफा दे देना चाहिए। वहीं बंधकों के परिजन भी पीएम पर सवाल उठा रहे हैं।

वहीं, अधिकारियों का कहना है कि गाजा में सैन्य अभियान और संघर्ष विराम के फैसले में नेतन्याहू की भूमिका नहीं है।

इजराइली अधिकारियों का दावा है कि आईडीएफ से जुड़े हुए सारे फैसले रक्षा मंत्री योएव गैलेंट करते हैं। इजराइली सेना के दो पूर्व जनरल बेन्नी गेंज और गेडी आइसेनकोट शामिल होते हैं। वॉर कैबिनेट के 5 लोगों के कोर ग्रुप में नेतन्याहू दरकिनार हो गए हैं।

निमिषा प्रिया की मां को यमन जाने की इजाजत

ब्लड मनी सैटलमेंट करके बेटी की जान बचाने की कोशिश करेंगी

तिरुवनंतपुरम, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। अब निमिषा की मां उसे बचाने के लिए वहां जाकर ब्लड मनी सैटलमेंट करेंगी। यानी बेटी की जान बचाने के लिए मां मारे गए शख्स के परिवार को मुआवजा देकर मामले को सुलझाने और निमिषा की सजा माफ करवाने की कोशिश करेंगी।

कई इस्लामी देशों में यह कानून है कि मारे गए (हत्या के जरिए) शख्स का परिवार दोषी के परिवार से पैसा लेकर माफी दे सकता है। इसे ही ब्लड मनी कहा जाता है। अगर दोनों पक्षों में समझौता हो जाता है तो इसकी जानकारी वहां की अदालत को एफिडेविट के जरिए देनी होती है। इसके बाद कोर्ट दोषी की सजा माफ करते हुए उसकी रिहाई का आदेश देता है।

7 साल से जेल में कैद भारतीय महिला

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया 7 साल से यमन जेल में कैद है। वह केरल की रहने वाली हैं। निमिषा ने यमन में अपने बिजनेस पार्टनर की हत्या की थी।

2017 में उन्हें तलाल अब्दो मेहदी नाम के शख्स को कथित रूप से बेहोशी का इंजेक्शन देकर मारने का दोषी पाया गया था। कोर्ट ने उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। सुप्रीम कोर्ट में सजा के खिलाफ अपील दायर की गई, जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद से निमिषा की मां यमन जाकर उसे बचाने की कोशिशों में लगी गईं।

विदेश मंत्रालय ने कहा था- यमन जाना खतरनाक

निमिषा की मां ने नवंबर में दिल्ली हाई कोर्ट में यमन जाने के लिए अर्जी दी थी। इसके बाद कोर्ट ने विदेश मंत्रालय को उनकी यात्रा पर विचार करने का निर्देश दिया था। 2 दिसंबर को भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि सुरक्षा के लिहाज से यमन जाना ठीक नहीं है, क्योंकि फिलहाल वहां भारतीय राजनयिक उपस्थित नहीं हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा था- यमन में सिविल वॉर के कारण भारतीय दूतावास को जिबूती में शिफ्ट किया गया है। साथ ही राजधानी सना में बनी नई व्यवस्था के साथ हमारे कोई औपचारिक संबंध नहीं हैं। इसलिए वहां हमारा डिप्लोमैटिक प्रेजेंस नहीं है। ऐसे में हम चिंतित हैं कि आपकी (मां) देखभाल और सुरक्षा कौन सुनिश्चित करेगा। आपकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आपको यमन जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

इस मामले पर एक नजर

निमिषा करीब 12 साल पहले यमन गई थीं। उनके पति और बेटी 2014 में भारत लौट आए थे। नौकरी की वजह से निमिषा नहीं लौट सकीं थीं। दरअसल, उन्होंने यमन के नागरिक तलाल अब्दो मेहदी (मृतक) के साथ एक हॉस्पिटल शुरू किया था।

कुछ वक्त बाद दोनों में विवाद शुरू हो गया। तलाल ने निमिषा का पासपोर्ट छीनकर अपने पास रख लिया। निमिषा ने जब इसकी शिकायत यमन की अथॉरिटीज से की तो तलाल ने उन्हें बताया कि वह निमिषा का पति है। अथॉरिटीज ने कहा कि यह पति-पत्नी के बीच का मामला है। हम दखल नहीं देंगे। 25 जुलाई 2017 को निमिषा ने तलाल को बेहोशी का इंजेक्शन यह सोचकर दिया कि वह अपना पासपोर्ट हासिल कर लेंगी और भारत वापस आ जाएंगी, लेकिन तलाल की मौत हो गई। निमिषा ने एक और शख्स की मदद से तलाल के शव को ठिकाने लगा दिया, लेकिन चार दिन बाद ही मामले का खुलासा हो गया और निमिषा को गिरफ्तार कर लिया गया। निमिषा को सजा-ए-मौत सुनाई गई। उनके सहयोगी को ताउम्र जेल की सजा सुनाई गई। तब से यह मामला चल रहा है।

भारत पर अंकुश लगाने की जरूरत थी

निज्जर हत्याकांड मामले में भारत के खिलाफ आरोपों पर बोले ट्रूडो

ओटावा, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत कनाडा गतिरोध के बीच कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उन्होंने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के खिलाफ सार्वजनिक आरोप लगाए थे। उन्होंने बताया कि भारत में जो भी रिपोर्ट किया जा रहा था, उसपर अंकुश लगाने की जरूरत थी। सोमवार को मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री ट्रूडो ने कहा कि उन्होंने 18 सितंबर को घोषणा की थी, क्योंकि उन्हें मीडिया के जरिए जानकारी लीक होने का संदेह था। जस्टिन ट्रूडो ने कहा, 'बहुत सारे कनाडाई चिंतित थे कि वह असुरक्षित है। निज्जर की हत्या के तुरंत बाद से ही चिंताएं

जताई जा रही थी। हमने सुनिश्चित किया कि हमारी सुरक्षा सेवाएं लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए है।' हालांकि कनाडाई सरकार के आरोपों को भारत के विदेश मंत्रालय ने बेतुका बताते हुए खारीज कर दिया था। ट्रूडो ने दावा किया कि आरोपों को सार्वजनिक करने के बाद भारत सरकार ने उन्हें गलत सूचना देकर हमला करने का फैसला किया था।

कनाडाई पीएम ने कहा, 'यह हास्यास्पद होता अगर इसका दोनों देशों के बीच के संबंध पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।' उन्होंने कहा कि 18 सितंबर को किए गए घोषणा के बाद केवल भारत से ही नहीं बल्कि कनजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे से भी सबूत मांगे गए थे।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर ने डॉगी को देखकर काफिला रोका

बीच सड़क पर डॉग को हेलो किया, राष्ट्रपति पद की शपथ लेकर वापस लौट रहे थे

ब्लूनोस एयर्स, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति जेवियर मिलई ने डॉगी को देखकर अपना काफिला रोक दिया।

वो राष्ट्रपति पद की शपथ लेकर वापस घर लौट रहे थे। उन्होंने बीच सड़क पर गोल्डन रिट्रीवर डॉग को हेलो किया और उसके शरीर पर हाथ फेरा। जेवियर डॉग लवर है, वो उन्हें चार पंजे वाला बेबी कहते हैं।

टीजेपी से खून का बदला खून

24 सैनिकों की मौत के बाद अफगानिस्तान में हमले की तैयारी में पाकिस्तानी सेना

इस्लामाबाद, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। खैबर पख्तूनख्वां प्रांत में तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान के भीषण हमले में 24 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत के बाद अब जनरल मुनीर की सेना बौखला गई है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से इस हमले के दोषियों के खिलाफ ऐक्शन के लिए कहा है। वहीं पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक जनरल मुनीर की सेना अफगानिस्तान के अंदर आतंकी ठिकानों पर हवाई या ड्रोन हमले को अंजाम दे सकती है। सेना के सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान की सेना अब इस हमले में शामिल आतंकियों के खिलाफ 'विनाशकारी और निर्णायक' कार्रवाई कर सकती है। पाकिस्तान में कई वर्षों के बाद इतना बड़ा हमला हुआ है जिसमें इतने ज्यादा सैनिकों की जान गई है।

पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तानी सेना इस घृणित हमले के दोषियों को माफ नहीं करेगी। इससे पहले पाकिस्तान के डेरा इस्माइल खान के दरबान इलाके में मंगलवार को एक चेकपोस्ट पर हुए आतंकी हमले में पाकिस्तानी सेना के 24 जवान मारे गए थे। पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट डॉन ने सेना के मीडिया मामलों के विंग का हवाला देते हुए बताया कि 12 दिसंबर की सुबह छह आतंकवादियों ने सुरक्षा चौकी पर हमला किया। पाकिस्तानी सेना के प्रोपेगेंडा विंग आईएसपीआर ने कहा, 'पोस्ट में आतंकियों के प्रवेश करने के प्रयास को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया गया, जिससे आतंकवादियों को विस्फोटक से भरे वाहन को पोस्ट में घुसाने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद एक आत्मघाती बम हमला हुआ जिसके चलते विस्फोटों के कारण इमारत ढह गई, जिससे कई मौतें हुईं। 23 सैनिक शहीद हो गए। सभी छह आतंकवादियों को मार दिया गया।" तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से संबद्ध एक नए समूह तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान ने हमले की जिम्मेदारी ली है। बताया जा रहा है कि मरने वालों की संख्या 24 को पार कर गई है। इस वर्ष आतंकवादी हमलों में सेना की ओर से एक दिन में मरने वालों की यह सबसे अधिक संख्या है।

10 विदेशी संसदों में भी हो चुकी सुरक्षा चूक

लंदन, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद भवन पर हमले की 22वीं बरसी के दिन आज लोकसभा की कार्यवाही के दौरान 2 लोग दर्शक दीर्घा से कूद गए। युवकों ने अपने जूतों में कोई स्प्रे छिपा रखा था। वह सदन की बेंच पर कूदने लगे और इस दौरान सदन में पीली गैस फैलने लगी। पूरे सदन में अफरा-तफरी का माहौल था। इसके बाद सांसदों ने उसे पकड़ लिया। कुछ ने इसकी पिटाई भी की। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों को सौंप दिया गया।

ये हमला उस दिन हुआ देश में 2001 में हुए संसद हमले की 22वीं बरसी है। पुरानी संसद की इमारत में 13 दिसंबर, 2001 को 5 आतंकियों ने हमला किया था। इसमें दिल्ली पुलिस के 5 जवान समेत 9 लोगों की मौत हुई थी। हमले के मास्टरमाइंड अफजल गुरु को 9 फरवरी 2013 को फांसी दी गई थी।

लंदन में 22 मार्च 2017 को वेस्टमिंस्टर पैलेस (ब्रिटिश संसद)के बाहर आतंकी हमला हुआ था। 53 साल के खालिद मसूद नाम के एक शख्स ने अपनी कार से फुटपाथ पार करते हुए संसद में घुसने की कोशिश की थी। इस दौरान उसकी कार वेस्टमिंस्टर ब्रिज से टकरा गई थी। हमले में 5 लोगों की मौत हुई थी जबकि करीब 50 लोग घायल हुए थे। मसूद ने एक पुलिस अधिकारी पर भी चाकू से हमला किया था। हालांकि, बाद में एक पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में उसे मार गिराया था। मसूद ने अपने आखिरी टेक्स्ट मेसेज में कहा था कि वह मिडिल ईस्ट में मुस्लिम देशों में पश्चिमी देशों की सैन्य कार्रवाई का बदला लेने के लिए जिहाद छेड़ रहा है। जिस वक्त हमला हुआ, उस समय संसद के अंदर 200 सांसद मौजूद थे। सभी को सुरक्षा के लिहाज संसद भवन में बंद कर दिया गया था। वहीं पीएम थेरेसा को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया था। श्रीलंका में 1987 में संसद पर ग्रेनेड से हमला हुआ था। 18 अगस्त को हमलावर ने उस कमरे में दो ग्रेनेड फेंके थे, जहां संसद सदस्य बैठक कर रहे थे। ग्रेनेड उस मेज से उछलकर गिरे थे, जहां श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति जेआर जयवर्धन और प्रधानमंत्री रणसिंघे प्रेमदासा बैठे थे। धमाके में एक संसद सदस्य और एक मंत्रालय सचिव की मौत हो गई थी।

पुलिस जांच में पता लगा था कि हमला प्रतिबंधित जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) संगठन के एक सदस्य ने किया था। वो उस समय देश में विद्रोह कर रहा था।

33 साल बाद 'ब्राह्मण' राज

प्रदेश में कब-कब बने ब्राह्मण सीएम?

जयपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आखिरकार मोदी-शाह ने चौंकाते हुए पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को सीएम बना दिया। इसके साथ ही पार्टी ने पहली बार प्रदेश में दो डिप्टी सीएम भी बनाए हैं। दुद से विधायक प्रेम चंद बैरवा और विद्याधर नगर विधायक दीया कुमारी डिप्टी सीएम होंगे। वहीं अजमेर उत्तर से विधायक वासुदेव देवनानी विधानसभा स्पीकर होंगे।

पार्टी हाईकमान ने चुनाव से पहले ही तय कर लिया था कि किसी लो प्रोफाइल नेता को प्रदेश की कमान सौंपी जाएगी। ऐसे में सीपी जोशी के प्रदेशाध्यक्ष बनते ही भजनलाल शर्मा के सीएम बनने की तस्वीर साफ हो गई थी। माना जा रहा है कि इसके जरिये पार्टी ने राज्य इकाई के सभी नेताओं को संदेश दिया है कि मोदी राज में पार्टी के जमीनी

नेताओं का लेवल कम नहीं हुआ है। बता दें कि देश में 6 महीने बाद ही लोकसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में पार्टी ने ब्राह्मण समुदाय को साधने के लिए बड़ी चाल चल दी है। पार्टी ने 33 साल बाद किसी ब्राह्मण को सीएम की कुर्सी सौंपी है। प्रदेश में आखिरी बार हरिदेव जोशी ब्राह्मण सीएम थे।

राजस्थान में पिछले काफी समय से मांग थी कि ब्राह्मण समुदाय कोई सीएम होना चाहिए। ब्राह्मणों की यह शिकायत थी कि राजनीतिक पार्टियां वोट लेने के लिए तो सबसे आगे रहती है लेकिन 33 साल के बाद भी कोई चेहरा अभी तक सीएम की कुर्सी तक नहीं पहुंचा है। ऐसे में बीजेपी ने ब्राह्मणों की नाराजगी को दूर करने के लिए भजनलाल को सीएम बनाया है।

अब तक राजस्थान में कितने ब्राह्मण सीएम रहे हैं-

जयनारायण व्यास 1952 – 1954
मोहन लाल सुखाड़िया 1954 – 1971
हरि देव जोशी 1973 – 1977
जगन्नाथ पहाड़िया 1980 – 1981
हरिदेव जोशी 1989 – 1990

राजस्थान के राजनीतिक इतिहास में 27 साल तक ब्राह्मणों का राज रहा है। यानी प्रदेश में ब्राह्मण सीएम रहे हैं। आखिरी ब्राह्मण सीएम हरिदेव जोशी थे जो कि 1989 से 1990 तक प्रदेश के सीएम रहे। हालांकि राजस्थान में यह माना जाता रहा है कि ब्राह्मण बीजेपी का परंपरागत वोट बैंक रहा है। इससे पहले यह कांग्रेस को वोट देता था। लेकिन जब से भाजपा बनी उसके बाद से उच्च जातियों में से एक ब्राह्मण भाजपा को वोट देना शुरू हो गए। ऐसे में बीजेपी ने पहली बार ब्राह्मण को सीएम बनाकर उनकी मुराद पूरी की है।

गोगामेड़ी के बाद अब भाई अजीत सिंह की भी मौत

जयपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के बाद उसके भाई अजीत सिंह की भी मौत हो गई है। जब शूटरों ने घर घुसकर गोगामेड़ी को गोली मारी थी तब अजीत सिंह भी मौके पर मौजूद थे। जैसे ही उसने अपने भाई सुखदेव सिंह को बचाई की कोशिश की वैसे ही आरोपियों ने उनपर भी गोली चला दी थी। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने तुरंत ही दम तोड़ दिया था, लेकिन भाई अजित सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के इकलौते चश्मदीद अजीत सिंह का 5 दिसंबर से अस्पताल में इलाज चल रहा था। इस मामले में गोली लगने से घायल भाई अजीत सिंह की भी मौत हो गई है। इसके बाद करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया है। हालांकि, इस मामले में पुलिस ने

दोनों शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या कर दी गई थी। लॉरेंस बिश्नोई-रोहित गोदारा गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद पुलिस ने दोनों शूटरों रोहित राठौड़ और नितिन फौजी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही एक लेडी डॉन पूजा सैनी को पकड़ा गया, जिससे शूटरों को अपने घर में पनाह दी थी। इसके साथ ही एक और आरोपी गिरफ्तार किया गया है, जिससे इस हत्याकांड में शूटरों की मदद की थी।

सुखदेव सिंह हत्याकांड के बाद करणी सेना के कार्यकर्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। इसे लेकर समर्थकों ने पूरे राजस्थान को बंद रखने ऐलान किया था। इसके बाद उन्होंने जमकर विरोध प्रदर्शन किया था। राजस्थान की पुलिस ने शूटरों को गिरफ्तार करने के लिए दबिश दी। बाद में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने राजस्थान और चंडीगढ़ पुलिस के साथ मिलकर दोनों शूटरों को पकड़ लिया। अब जांच एजेंसी इस मामले की तह तक जाने के लिए दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

रेप और डबल मर्डर के आरोपी को फांसी

पाली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। बच्ची से रेप और डबल मर्डर के मामले में बुधवार को आरोपी को फांसी की सजा दी गई है। आरोपी पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। फैसला सुनाते हुए पाली की पॉक्सो कोर्ट संख्या 3 के जज अनवर अहमद चौहान ने टिप्पणी में कहा- 'आरोपी ने अपराध की पराकाष्ठापार की, मृत्युदंड मिलना ही चाहिए।' पॉक्सो कोर्ट संख्या 3 के पब्लिक प्रोसिक्यूटर खीमाराम पटेल ने बताया कि पाली जिले के सिरियारी थाना क्षेत्र के आसन जोधवन गांव निवासी आरोपी 22 साल के अर्जुन सिंह दो दोषी मानते हुए सजा सुनाई गई है। आरोपी ने 10 साल की बच्ची से रेप कर उसकी और उसके 13 साल के भाई की पत्थरों से कुचलकर 1 मई 2023 को हत्या कर दी थी। रेप और डबल मर्डर केस का फैसला सुनाते हुए विशिष्ठ जज अनवर अहमद चौहान ने कहा कि आरोपी ने अपराध की पराकाष्ठा पार कर दी। 10 और 13 साल के नाबालिगों की हत्या करना और 10 साल की बच्ची से रेप करना अति गंभीर अपराध है।

इन तीन कारणों से राजस्थान में खत्म हुआ 'राजे राज'

क्या होगी वसुंधरा की भूमिका?

जयपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नौ दिन चल रही सियासी उथल-पथुल मुख्यमंत्री और दो डिप्टी सीएम के नामों के एलान के साथ ही खत्म हो गई। प्रदेश के नए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा होंगे। वहीं, डिप्टी सीएम की कुर्सी पर दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा बैठेंगे। यानी, राजस्थान में 2003 से शुरू हुआ वसुंधरा राजे का राज 20 साल बाद खत्म हो गया। इस दौरान राजे दो बार 2003 और 2013 में प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं। लेकिन, 2023 के चुनाव में भाजपा की जीत के बाद वे प्रदेश की मुख्यमंत्री नहीं बन पाईं। आइए, तीन कारणों से समझते हैं भाजपा ने वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया और अब वे किस भूमिका में नजर आ सकती हैं...?

भाजपा में बने कई गुट, पार्टी की छवि को हो रहा था नुकसान

राजस्थान में भाजपा की एकजुटता पर लंबे समय से सवाल उठते आ रहे थे। पार्टी में कई गुट बन गए थे, जिससे पार्टी की छवि को नुकसान हो रहा था। वसुंधरा राजे और पार्टी आलाकमान के बीच मनमुटाव की खबरें भी विधानसभा चुनाव से

पहले सामने आईं थी। भाजपा की गुटबाजी पर कांग्रेस नेता भी हमलावर रहते थे। ऐसे में इस गुटबाजी को खत्म करने के लिए भी यह बदलाव किया गया है।

भाजपा का लोकसभा चुनावी मोड आया वसुंधरा राजे के आड़े

2023 में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव को लोकसभा का सेमीफाइनल कहा जा रहा था। तीन दिसंबर को आए चुनाव परिणाम में भाजपा को तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बहुमत मिला। इन तीनों ही राज्यों में पीएम नरेंद्र मोदी के चहरे पर चुनाव लड़ा गया था। ऐसे जीत का ताज भी उनके ही सर पर रखा गया। उधर, लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम बनाकर कई अन्य राज्यों में भी जातिगत समीकरण साधना चाहती थी। इसमें राजे कहीं भी फिट नहीं बैठ रहीं थीं, इस कारण उनकी विदाई हो गई।

मुख्यमंत्री रहते भाजपा की वापसी नहीं करा पाई राजे

वसुंधरा राजे 2003 में पहली बार राजस्थान की मुख्यमंत्री बनीं। पांच साल सरकार चलाने के बाद भाजपा चुनाव मैदान में गई तो हार का सामना करना पड़ा। जनता ने भाजपा को खारिज कर दिया। 2013 के चुनाव में में भाजपा ने राजस्थान में वापसी की और एक बार फिर राजे को मुख्यमंत्री की कुर्सी मिली। 2018 के चुनाव में भाजपा को फिर हार का मुंह देखना पड़ा। यानी राजे मुख्यमंत्री रहते हुए राजस्थान में एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस सरकार होने का रिवाज नहीं बदल पाईं। वहीं, भाजपा की रणनीति है कि प्रदेश में 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव में यह रिवाज बदला जाए। जैसा मप्र, उत्तर प्रदेश और गुजरात समेत अन्य राज्यों में हुआ है।

आगे किस भूमिका में नजर आएंगी वसुंधरा राजे

वसुंधरा राजे वर्तमान में झालरापाटन से विधायक हैं और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। संगठन में उनका कद पहले से मजबूत है, ऐसे में यहां उनके लिए कोई और जगह बनेगी ये मुश्किल नजर आता है। वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सांसद है, ऐसे में उन्हें लोकसभा चुनाव में टिकट मिलने की संभावना न के बराबर है।

हालांकि, ये जरूर हो सकता है कि राजे को केंद्र में बुलाने के लिए उनके बेटे की जगह चुनाव लड़ाया जाए और दुष्यंत को उपचुनाव के जरिए विधानसभा भेज दिया जाएगा। दूसरी संभावना ये है कि आने वाले समय में वसुंधरा राजे को किसी राज्य का राज्यपाल बनाया जा सकता है।

दीया कुमारी ने वसुंधरा राजे के सवाल पर तोड़ी चुप्पी

पूर्व मुख्यमंत्री को लेकर कही बड़ी बात

जयपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। 13 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बीजेपी ने मुख्यमंत्री पद के लिए भजन लाल शर्मा को चुना है। बीजेपी ने अपने फैसले से सीएम की कुर्सी के लिए प्रबल दावेदार मानी जा रहीं दीया कुमारी और वसुंधरा राजे समेत सबको चौंका दिया। राजनीतिक गलियारों में बीजेपी के इस कदम के मायने 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर देखा जा रहा है क्योंकि मध्य प्रदेश में भी बीजेपी ने ऐसा ही किया। यहां पर बीजेपी ने यादव वोट बैंक को साधने के लिए मोहन यादव को सीएम की कुर्सी धमा दी है। हालांकि, राजस्थान में दीया कुमारी को सीएम न बनाए जाने के पीछे की वजह मानी जा रही थी कि वसुंधरा राजे से मतभेद के कारण उन्हें सीएम नहीं बनाया गया है। इसी सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने तस्वीर साफ की है। दीया कुमारी ने कहा कि मैं इन अटलकों पर टिप्पणी नहीं करती हूं हम सभी ने मिलकर काम किया

है।

दीया और वसुंधरा के बीच विवादों की अटकलों पर लगा विराम

बता दें कि दीया कुमारी के स्पष्टीकरण से पहले अटकलें थीं कि वसुंधरा राजे से मतभेद होने के चलते उन्हें सीएम नहीं बनाया और डिप्टी सीएम की कुर्सी धमा दी। जानकारी के अनुसार, वसुंधरा राजे और दीया कुमारी के परिवार के बीच कई सालों से मतभेद रहा है। एक बार दीया कुमारी की मां वसुंधरा राजे के खिलाफ धरने पर बैठ गई थी। जिसके बाद इन तकरारों ने भी जोर पकड़ लिया था। हालांकि, अब दीया कुमारी ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया। उन्होंने साफ-साफ शब्दों में कहा कि मैं ऐसी चीजों पर टिप्पणी नहीं करती। हम सभी ने मिलकर काम किया है। मुझे उनका आशीर्वाद भी मिला है।

पीएम मोदी महिलाओं की परवाह करते हैं

दीया कुमारी ने बीजेपी की ओर से डिप्टी सीएम बनाए जाने पर कहा कि पीएम मोदी महिलाओं की परवाह करते हैं और उन्हें फोकस में रखकर नीतियां बनाई गई हैं। आज मुझ पर भरोसा दिखाया गया है। इसलिए मैं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहती हूं। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, सभी प्रभारी और बाकी सभी लोगों ने मुझे इसके लिए योग्य समझा और मुझे यह जिम्मेदारी दी। मैं यह अवसर पाकर आभारी और खुश हूं।

रिश्वत लेते महिला सीड इंस्पेक्टर को लोकायुक्त की टीम ने पकड़ा, टैग जारी के लिए मांगे थे 20 हजार

जबलपुर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। सहकारी समिति के अध्यक्ष शिवनाथ चंद्रवंशी ने प्रमाणीकरण टैग जारी करने के लिए आवेदन किया था। इसके बदले उनसे रिश्वत मांगी गई थी।

मध्य प्रदेश सीड निगम सिवनी में पदस्थ महिला इंस्पेक्टर को लोकायुक्त की टीम ने 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। लोकायुक्त ने महिला इंस्पेक्टर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक संजय साहू से प्राप्त जानकारी के

अनुसार तान्या बीज उत्पादक सहकारी समिति के अध्यक्ष शिवनाथ चंद्रवंशी ने प्रमाणीकरण टैग जारी करने के लिए आवेदन किया था। बीज निगम सिवनी में पदस्थ तृष्णा चौहान सीड इंस्पेक्टर ने प्रमाणीकरण टैग जारी करने के लिए 30 हजार की रिश्वत मांगी थी। दोनों के बीच 20 हजार रुपये में सौदा तय हुआ था।

इसके बाद शिकायत समिति के अध्यक्ष ने लोकायुक्त में की थी। लोकायुक्त की टीम ने महिला इंस्पेक्टर को कार्यालय में 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। ट्रैप दल में निरीक्षक मंजू तिर्की, निरीक्षक स्वप्निल दास एवं पांच अन्य सदस्य थे। आरोपी महिला इंस्पेक्टर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पंचायत भवन में युवती से गैंगरेप, सरपंच पति ने दोस्तों के साथ मिलकर की दरिंदगी

वैन के शीशे तोड़कर बचाई जान

टोंक, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक जिले के देवली में हनुमान नगर थाना क्षेत्र के एक गांव से नरेगा मजदूरी के वाली एक महिला के साथ सरपंच पति और उनके सहयोगी ने बलात्कार किया। युवती को मस्टरोल से नाम काटने की धमकी देकर सरपंच पति ने बलात्कार किया। आरोप है कि सरपंच पति ने पंचायत भवन में महिलाओं को बंधक बनाकर बलात्कार किया। पीड़िता की शिकायत पर हनुमान नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी हीरालाल ने बताया कि इस मामले में किशनगढ़ सरपंच पति ऊपरला मेलवा जहाजपुर निवासी राजकुमार मीणा और उसके साथी देवी शंकर मीणा के खिलाफ पीड़िता ने मामला दर्ज करवाया है। इसमें बताया कि पीड़िता को आरोपियों ने तीन दिन तक पंचायत भवन में बंधक बनाकर उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने बताया इससे पहले भी आरोपियों ने पीड़िता के साथ कई बार बलात्कार किया। इस घटना की सूचना पर पीड़िता के पति ने उसे अपने पीहर छोड़ दिया था। यहां से आरोपियों ने उसका अपहरण कर बलात्कार किया

धमकी देकर कई बार बलात्कार किया

पीड़िता ने बताया कि वह नरेगा में मजदूरी करती थी। इस दौरान आरोपी राजकुमार ने उसे कई बार बहला फुसलाकर कर दे शोषण किया। इसके अलावा उसे मस्टरोल रजिस्टर से नाम काटने और उपस्थित पर लकीर फेर कर भुगतान नहीं करने की धमकी देता रहा। इस घटना का उसके पति को पता लग गया। इसके बाद उसके पति ने उसे महिला के पीहर में छोड़ दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने अपने सहयोगी के साथ पहले भी कई बार भी उसका देह शोषण किया।अपहरण कर जंगल में ले जाकर बलात्कार किया

पीड़िता ने बताया कि उसके पति ने उसे पीहर में छोड़ दिया। इसके बाद भी आरोपी राजकुमार फोन पर लगातार उसे धमकाता रहा। 9 दिसंबर को आरोपी काले रंग की मारुति वैन लेकर उसकी पीहर आया और उसे जबरन बिठाकर खेमा का खेड़ा के जंगलों में ले गया। जहां उसके साथ कई बार बलात्कार किया। इसके बाद रात को आरोपी किशनगढ़ पंचायत भवन में ले गया। जहां पंचायत भवन में रखकर भी उसके साथ कई बार रेप किया। इसके बाद आरोपी महिला को खेमा का खेड़ा के जंगलों में ले गया। जहां भी आरोपी और उसकी साथी दया शंकर ने उसके साथ बलात्कार करने का प्रयास किया।

वैन में बंद पीड़िता ने चिल्ला कर लोगों को मदद के लिए बुलाया

पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने उसे वैन में बंद कर दिया। उसने आरोप लगाया कि राजकुमार और उसका साथी उसे जान से मारने की योजना बना रहे थे। इसकी उसे भनक लग गई और वह वैन के शीशे तोड़कर अपनी जान बचाने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने लगी। इस पर आसपास के लोग वहां मौके पर पहुंचे और उसे बचाया। बाद में उसके परिवार के लोग भी सूचना मिलते ही वहां पहुंच गए। फिलहाल पुलिस ने महिला का मेडिकल करवा कर मामला दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार डंपर ने राहगीर को कुचला

मौके पर ना तो पुलिस समय पर पहुंची, ना ही एम्बुलेंस

दौसा, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य के दौसा जिले के लालसोट में तेज गति से आ रहे एक डंपर ने एक राहगीर को कुचल दिया। डंपर की रफ्तार इतनी तेज थी कि राहगीर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक दौसा-सवाईमाधोपुर रोड पर पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने पैदल चल रहे राहगीर को कुचला दिया। इससे घटनास्थल पर ही राहगीर की मौत हो गई।

मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को घटना की जानकारी देते हुए फोन किया। लेकिन बहुत देर तक न तो एम्बुलेंस पहुंची और न ही पुलिस। घटनास्थल पर पहुंचने में हुई देरी के कारण गुस्साए लोगों ने सवाई माधोपुर रोड पर चक्काजाम कर दिया। बताया जा रहा है कि तुरंत सूचना दिए जाने के एक घंटे बाद भी एम्बुलेंस और पुलिस के नहीं पहुंचने से मौके पर मौजूद भीड़ ने पुलिस प्रशासन को जमकर कोसा और नारेबाजी करते हुए मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की। लालसोट थानाधिकारी नाथूलाल मीणा ने बताया कि मृतक का नाम बाबूलाल पितलिया (60) है और वह रिवाली गाँव का रहने वाला है। फिलहाल वह लालसोट में रहता है।

करीब तीन घंटे के चक्काजाम के बाद पुलिस ने गुस्साए लोगों को समझाइश दी। थानाधिकारी ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाए जाने एवं दोषी ड्राइवर को जल्द ही गिरफ्तार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सड़क पर बढ़ती दुर्घटनाओं के चलते ओवरलोड वाहनों की आवाजाही पर भी पुलिस प्रशासन रोक लगाएगा। फिलहाल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर युवती पर फेंका केमिकल

अजमेर, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर फोटोग्राफर से हुई थी बातचीत, शादी के लिए बना रहा था दबाव। एक फोटोग्राफर युवती पर बार-बार शादी का दबाव बना रहा था। लेकिन, जब उसने शादी के लिए मना कर दिया तो चेहरे पर केमिकल फेंक दिया। इस दौरान युवती चिल्लाते हुए बाहर आई, वहीं आरोपी मौके से फरार हो गया।

आबकारी अधिनियम में वांछित दो आरोपी गिरफ्तार

पांच साल से फरार आरोपी पर था एक हजार का इनाम

सिरोही, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। आबकारी अधिनियम में वांछित एक आरोपी बीते पांच साल फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर एक हजार का इनाम घोषित किया था। दूसरा आरोपी दो माह से फरार था।

सिरोही जिले की आबूरोड सदर पुलिस ने आबकारी अधिनियम में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी बीते पांच साल से तो दूसरा दो माह से फरार चल रहा था।

पुलिस के अनुसार आबूरोड सदर थानाधिकारी हरचंदराम की अगुवाई में टीम ने वासडा, पुलिस थाना आबूरोड रीको, जिला

सिरोही निवासी सूरजपाल सिंह पुत्र विक्रम सिंह तथा कैलाश कॉलोनी, सोनीपत, हरियाणा निवासी आनन्द मलिक पुत्र भगतसिंह जाट को गिरफ्तार किया है।

आनंद मलिक साल 2017 में एक ट्रक से शराब जब्त करने के मामले में वांछित था। वह पिछले पांच वर्ष से फरार चल रहा था। उसे सोनीपत, हरियाणा से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर एक हजार रुपये का इनाम घोषित था। इसी प्रकार सूरजपाल सिंह दो माह पूर्व जब्त ब्रेजा कार में 33 पेटी शराब के मामले में वाहन स्वामी के रूप में वांछित था।

इस कारवाई में आबूरोड सदर पुलिस थाना के हेड कांस्टेबल ईश्वरसिंह, कांस्टेबल बाबूसिंह, भवानीसिंह एवं दिनेश कुमार की टीम सम्मिलित रही।

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र में 'भारतीय भाषा दिवस' कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के हैदराबाद केंद्र द्वारा प्रसिद्ध तमिल महाकवि, विचारक और स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्य भारती की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे 'भारतीय भाषा दिवस' के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय की पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. शुभदा वांजपे उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हैदराबाद की वरिष्ठ सदस्या डॉ. एस. राधा ने की। इस अवसर पर हैदराबाद केंद्र द्वारा आयोजित 466वें नवीकरण पाठ्यक्रम महाराष्ट्र राज्य के हिंगोली जिले से आए हिंदी अध्यापक भी शामिल रहे।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. शुभदा वांजपे ने भारतीय भाषाओं के महत्व और भारत की भाषाई और सांस्कृतिक भिन्नता के संदर्भ में अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि भारत एक बहुभाषिक और बहुसांस्कृतिक देश है। हर भाषा की अपनी संस्कृति होती है, जो उसकी विशेष पहचान होती है। भारत की भाषाई भिन्नता को बरकरार रखते हुए हमें सौहार्दपूर्ण वातावरण में समस्त भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना रखनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने हिंदी भाषा के विकास में अनुवाद के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि हम अनुवाद के माध्यम से एक भाषा के विचार को दूसरी भाषा के लोगों तक साझा कर सकते हैं। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए डॉ. एस. राधा ने सुब्रमण्य भारती के बहुआयामी व्यक्तित्व को रेखांकित किया और कहा कि वे प्रसिद्ध कवि, स्वाधीनता सेनानी, समाज-सुधारक और पत्रकार ही नहीं थे बल्कि उत्तर एवं दक्षिण भारत के मध्य एकता के सेतु भी थे। उन्होंने कहा कि हमें सारे भारतीय भाषाओं को सीखने का प्रयास करना चाहिए।

इसके अलावा भारतीय भाषाओं की प्रकृति और उसमें शब्दों के बदले हुए अर्थों के बारे में भी अपनी बात रखीं। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य के हिंगोली जिले से आए माध्यमिक विद्यालय के प्रतिभागी भी शामिल रहें, जिसमें से श्रीमंत शेळके, कदम, श्रीमती जे. एच. रितपुरकर, यशवंत मस्के, भोपाले, दशरथ चौहान आदि ने भारतीय भाषाओं के संदर्भ में अपने विचार रखे। अतिथि प्रवक्ता के रूप में केंद्र पर कार्यरत सहायक प्राध्यापक पंकज सिंह यादव ने भाषा की भूमिका रेखांकित करते हुए कहा कि भाषा केवल बातचीत या विचारों के आदान प्रदान तक ही सीमित नहीं है बल्कि उसका संबंध गहरे स्तर पर हमारे देश और लोकतंत्र से भी है। इस संदर्भ में उन्होंने भाषा के संदर्भ में महान स्वतंत्रता सेनानी और पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी के भाषा के संदर्भ में व्यक्त विचारों को भी साझा किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन और धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के अतिथि अध्यापक पंकज सिंह यादव ने किया। इस अवसर पर केंद्र के प्रशासनिक सदस्य सजग तिवारी तथा शेख मस्तान वली उपस्थित थे।

हमेशा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ रहूंगा: हरीश राव

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने आज कहा कि प्रदर्शन के अलावा आधा प्रदर्शन नहीं जानते। विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी के नेतृत्व में मेदक जिले के नरसापुर में आयोजित बीआरएस पार्टी की आभार बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा, "अगर बीआरएस सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद आवास घोटाले में मामले दर्ज किए गए होते, तो कांग्रेस पार्टी के आधे नेता जेल में होता। केसीआर ने समस्याएं पैदा करने के बजाय राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने संसद में गंभीर सुरक्षा उल्लंघन का मुद्दा भी उठाया और संसद में सुरक्षा की कमी पर नाराजगी व्यक्त की। "अगर केंद्र सरकार संसद की सुरक्षा नहीं करती तो वह लोगों की सुरक्षा कैसे कर सकती है? उन्होंने मांग की कि इसकी जांच होनी चाहिए और सुरक्षा कड़ी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह हाल के विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की विधायक उम्मीदवार सुनीता लक्ष्मा रेड्डी की जीत सुनिश्चित करने के लिए नरसापुर के लोगों के सामने सिर झुका रहे हैं।

सीपीआई (एम) ने सरकार से गांवों तक बस सेवा बढ़ाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की सभी महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना की शुरुआत पर खुशी व्यक्त करते हुए, सीपीएम राज्य समिति की बैठक में आज राज्य सरकार से राज्य के सभी गांवों में टीएसआरटीसी बस सेवाओं का विस्तार करने का आग्रह किया गया। इसमें यह भी कहा गया कि महिलाओं के लिए बसों में मुफ्त यात्रा करने में पहचान पत्र बनाना बाधा नहीं बनना चाहिए। समिति ने चेरुपल्ली सीतारमुलु की अध्यक्षता में हैदराबाद में राज्य पार्टी मुख्यालय एमबी भवन में आयोजित अपनी राज्य समिति की बैठक में इस आशय का एक प्रस्ताव पारित किया। बैठक में पार्टी पोलित ब्यूरो सदस्य बीवी राघवुलु और केंद्रीय समिति से ए विजयराघवन ने भी हिस्सा लिया। अपने प्रस्ताव में, पार्टी ने कहा कि नवगठित तेलंगाना राज्य सरकार ने आरटीसी बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की है और कहा कि आरोग्यश्री योजना की सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है। यह जानकर ख़ुशी हुई कि छह में से दो गारंटियाँ नई सरकार के गठन के तुरंत बाद लागू की गईं। लेकिन चूंकि राज्य के लगभग 4,000 गांवों में अभी भी आरटीसी बस सुविधा नहीं है, इसलिए ग्रामीण गरीब महिलाओं को इस सुविधा का लाभ मिलने की संभावना नहीं है। मुफ्त बस यात्रा सुविधा पल्ले वेलुगु, यात्री बसों और एक्सप्रेस बसों तक सीमित होने के साथ, लंबी दूरी की यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा सुविधा सीमित रूप से उपलब्ध होगी। इसलिए, सीपीआई (एम) राज्य समिति सरकार से हर उस गांव में बस सुविधा प्रदान करने का अनुरोध कर रही है जहां आरटीसी बस सुविधा नहीं है। ऐसी खबरें थीं कि राज्य सरकार पहचान पत्र के बारे में सोच रही है। सीपीआई (एम) यह भी सुनिश्चित करना चाहते है कि जो प्रवासी मजदूर यहां वर्षों से काम कर रहे हैं और गरीब परिवारों की महिलाएं जिनके पास पहचान पत्र नहीं है, उन्हें परेशानी न हो। पार्टी ने कहा कि आरोग्यश्री योजना को गरीबों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि तेलंगाना में सरकारी अस्पतालों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है।

अनाज खरीदी में कोई कटौती न हो : डॉ. पालवाई हरीश बाबू

सिरपुर कागजनगर, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर विधायक डॉ. पालवाई हरीश बाबू ने आज मंडल केंद्र में दहेगाम प्राथमिक कृषि साख संघ के अंतर्गत स्थापित धान खरीदी केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा बेचे गए अनाज से अब पहले की तरह छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। सुझाव है कि कृषि, सहकारिता और राजस्व अधिकारी समन्वय बनाकर काम करें और बिना किसी कटौती के किसानों से अनाज खरीदें और किसान को पूरी राशि का भुगतान भी करें। सभी अधिकारियों से किसानों की सेवा में जुटने और किसानों के विकास के लिए काम करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर दसारी वेणु, डीसीओ तारामणि, एमपीडीओ राजेश्वर, सीओ बक्कैया, कृषि विभाग के अधिकारी, सहकारी समिति के अधिकारी, सिंगल विंडो के अध्यक्ष कोंड्रा तिरूपति गौड़, उपाध्यक्ष रापरथी धनुंजय, सरपंच पुष्पला लक्ष्मी, एमपीटीसी रापरथी जया उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्तर पर दमरे के सात कर्मी अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से होंगे सम्मानित

नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कल प्रदान करेंगे पुरस्कार

डी.एस. रामाराव

सीएच. दिनेश रेड्डी,

मल्लेला श्रीकांत

सी. शिवकुमार कश्यप

टी. प्रत्युषा

टी. नटराजन

वी.वी.रंगय्या

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के कर्मचारियों ने सात पुरस्कार प्राप्त करके एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और उन्हें 'अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2023' से सम्मानित किया जाएगा। ये पुरस्कार 15 दिसंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के कर कमलों से प्रदान किए जाएंगे। पुरस्कार प्राप्त करने वाले सात कर्मचारियों में डी.एस. रामाराव, उप मुख्य इंजीनियर, निर्माण, काजीपेट, दक्षिण मध्य रेलवे है। इन्होंने काजीपेट-बल्हारशाह के बीच विभिन्न सेक्शनों में तीसरी लाइन के कार्यों को कमीशन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रमुख रूप से 9 यार्डों की रीमॉडलिंग शामिल थी तथा गैर-अंतर्पाशन कार्य के दौरान 245 टर्नआउट डाले/हटाए गए। इसी क्रम में सीएच. दिनेश रेड्डी, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, कर्षण चल स्टॉक, विद्युत लोको शेड, विजयवाडा, दक्षिण मध्य रेलवे इलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा के प्रभारी हैं। श्री रेड्डी परेशानी मुक्त गाड़ी परिचालन सुनिश्चित करने के लिए लोकोमोटिव की संरक्षा और विश्वसनीयता में सुधार पर जोर दिया। मल्लेला श्रीकांत, मंडल परिचालन प्रबंधक/सिकंदराबाद/दमरे (अब उप निदेशक/माल लदान एवं उर्वरक/रेलवे बोर्ड) ने एसएमएस द्वारा स्वचालित अपवाद अलर्ट के साथ मोबाइल आधारित प्लेटफॉर्म के माध्यम से ट्रेन-इवेंट्स के डिजिटल प्रसारण को विकसित किया है। इससे साइडिंग पर लदान करने स्थिति पर नज़र रखने और मालगाड़ियों की रीयल टाइम निगरानी में मदद मिली है।

सी. शिवकुमार कश्यप, मंडल सिगनल और दूरसंचार इंजीनियर, सिकंदराबाद ने दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा शुरू की गई कवच परियोजनाओं को पूरा करने में उत्कृष्ट योगदान दिया है। उन्होंने दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद और गुंतकल मंडलों में 500 से अधिक मार्ग किलो मीटर में कवच की तैनाती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रत्यक्ष ईआई-कवच इंटरफ़ेस की तैनाती में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिसके कारण 13 मार्ग किलो मीटर के स्वचालित सेक्शन सहित 100 मार्ग किलो मीटर में 10 स्टेशनों पर कवच की त्वरित तैनाती हुई। टी. प्रत्युषा, महिला सब-इंस्पेक्टर, रेल सुरक्षा बल, निज़ामाबाद ने मर्डर केस के दो अपराधियों को पकड़ने में अहम भूमिका निभाई। मानव तस्करी में शामिल अपराधी का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टी. नटराजन, मुख्य टिकट निरीक्षक/वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक स्क्वॉड/सिकंदराबाद अपने अथक और समर्पित प्रयासों से टिकट जांच में उत्कृष्ट निष्पादन किया है। आपने गहन जाँच करते हुए बिना टिकट और अनधिकृत यात्रा करने वालों पर प्रतिबंध लगाया। वी.वी.रंगय्या, रेलपथ अनुरक्षक -I (फाटकवाला), सीसेइंजी/रेलपथ/बीदर ने समपार फाटक संख्या 60/ई पर फाटकवाले के रूप में कार्य करते समय एक बड़ा हादसा होने से बचा लिया। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और जोन को पहचान दिलाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

बजरंग सेना, तेलंगाना अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव के नेतृत्व में कार्यकर्त्ताओं ने कमला अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, एनपीए राजेंद्र नगर के सामने थैलेसीमिया और सिकल सेल रोगियों के लिए आयोजित रक्तदान शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया। सचिव और सीईओ डॉ. सुमन जैन के साथ अस्पताल में आने वाली समस्याओं के बारे में चर्चा की। इस मौके पर रजनी श्रीरामोजू अध्यक्ष महिला मोर्चा, सूर्या शुक्ला महासचिव, मनोज मोगलगिड्डी अध्यक्ष ग्रेटर हैदराबाद, नरेश युवा सचिव और सदस्य उपस्थित थे।

मैदानखां चौक स्थित बालाजी मंदिर में 23 दिसंबर को आयोजित होने वाले वैकुंठ एकादशी उत्सव के लिए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग को आमंत्रित करते हुए राधेश्याम गुप्ता, राधेश्याम मंडोतिया, मधुसूधन अग्रवाल, राजेंदर पित्ती, रमनाचारी महाराज।

कांग्रेस विधायक गद्दाम प्रसाद कुमार ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। नामांकन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क, मंत्री सीताक्का, तुम्मला नागेश्वर राव, डुडिल्ला श्रीधर बाबू, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर, एमआईएम, सीपीआई, कांग्रेस विधायकों और अन्य लोगों के साथ भाग लिया।

एमएलसी कविता बीमार कोमटिरेड्डी से मिली

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी कविता ने बुधवार को सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी से मुलाकात की, जिनका बीमारी के कारण यशोदा अस्पताल में इलाज चल रहा है। कविता ने डॉक्टरों से वेंकट रेड्डी की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में पूछताछ की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मंत्री जी कुछ दिनों से गले में खराश से परेशान हैं। मंगलवार को दिल्ली से लौटने पर गंभीरता बढ़ने के कारण उन्हें सोमाजीगुडा के यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंत्री की जांच करने वाले डॉक्टरों ने उन्हें दो दिनों तक अस्पताल में रहने की सलाह दी। अस्पताल में वरिष्ठ डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

निर्मल, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ामाबाद जिले के आर्मुर बाल कोंडा के बीच मंगलवार की रात एक सड़क दुर्घटना में भैंसा शहर के एलंत्रवार वेंकटेश (25) नामक युवक की मौत हो गई। परिजनों की सूचना अनुसार वेंकटेश डीजे वाहन पर समारोह में शामिल होने के लिए बोलेरो वाहन से निजामाबाद के लिए रवाना हुआ। रास्ते में एक ट्रक से वाहन के टकराने से घटना स्थल पर इसकी मृत्यु हो गई। ड्राइवर को हल्की चोट लगी है।

कपास बिक्री का शुभारंभ

मदनूर 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता) (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय कृषि बाजार समिति कार्यालय मैदान में बुधवार के दिन जुक्कल विस क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक तोटा लक्ष्मी कांता राव ने किसान, जिनिंग मालिक, कमीशन एजेंट, स्थानिक नेता के समक्ष श्रीफल फोड़कर कपास बिक्री का शुभारंभ किया गया। विधायक कपास का बिक्री प्रारंभ करते ही कपास खरीदार द्वारा एक कुंतल कपास 7100 रूपये में खरीदी किया गया। इस समय स्थानिक कृषि बाजार समिति अध्यक्ष संगमेश्वर, कृषि बाजार समिति सचिव विट्ठल, सत्यम, कार्यालय के कर्मचारी के साथ अन्य कांग्रेस पार्टी नेता उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

संसद हमले की ...

लोकसभा सांसद दानिश अली- विजिटर गैलरी से लोगों के कूदने के बाद हाउस में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद दोनों को सुरक्षा अधिकारियों ने पकड़ लिया।

फारूक अब्दुल्ला (नेशनल कॉन्फ्रेंस)- ये बहुत बड़ा सिक्योरिटी ब्रीच है। ये कैसे हुआ, वो कैसे अंदर आए, कैसे उनके पास वो सब चीजें थीं, जिससे उन्होंने कनेस्टर वगैरह खोला। इस पर ग्रह मंत्रालय को फौरन ध्यान देना चाहिए। इसमें सबको खतरा है, खासकर प्रधानमंत्री को खतरा है। इसे गंभीरता से लेना पड़ेगा। ये नहीं होना चाहिए। नई पार्लियामेंट है, इतनी सिक्योरिटी है, ये देखना जरूरी है।

डिंपल यादव (सपा)- जो भी लोग संसद में आते हैं, चाहे वे विजिटर्स हों या पत्रकार, वे टैग नहीं रखते...। इसलिए मेरा मानना है कि सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से सुरक्षा में चूक है। लोकसभा के अंदर कुछ भी हो सकता था।

शशि थरूर (कांग्रेस)- बात यह है कि इन लोगों को स्पष्ट रूप से रूलिंग पार्टी के एक मौजूदा सांसद द्वारा प्रायोजित किया गया था। ये लोग स्मोक गन्स संसद के अंदर तक ले आए। यह सुरक्षा में गंभीर चूक दर्शाता है। उन्होंने न केवल स्मोक गन्स चलाईं, बल्कि कुछ ऐसे नारे भी लगाए, जो हममें से कुछ लोगों को सुनाई नहीं दे रहे थे। ऐसा लगता है कि सुरक्षा की दृष्टि से पुराने भवन की व्यवस्थाओं की तुलना में नया भवन बहुत अच्छी तरह से तैयार नहीं किया गया।

मनोज कुमार झा (आरजेडी)- इसे घटना नहीं, दुर्घटना कहें। 22 साल पहले जब संसद पर हमला हुआ था तब पक्ष और विपक्ष एक था, आज भी है, लेकिन मैं आज देख रहा हूं कि कोई इसे स्वीकार करके जवाब दे सके, ऐसा नहीं हो रहा। यह एक सिक्योरिटी लैप्स है, इसे एक्सेप्ट करना चाहिए। कोई एक्स्ट्रीम स्टेप मत लीजिए कि अब कोई विजिटर आएगा ही नहीं या पत्रकार घुसेंगे ही नहीं। चाक चौबंद व्यवस्था करिए। इस तरह की घटना हमें झुका नहीं सकती।

टीएमसी (ऑफिशियल ट्विटर हैंडल)- हमारी सांसद महुआ मोइत्रा को संसद से निष्कासित कर दिया गया। उन पर कथित रूप से देश की सुरक्षा से खिलवाड़ के आरोप लगाए गए। कहा गया कि महुआ ने संसद का अपना लॉगिन-पासवर्ड किसी से शेयर किया था। आज भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा ने विजिटर्स पास पर हमलावरों को संसद में एंट्री करा दी। क्या इस सांसद को निष्कासित नहीं किया जाना चाहिए?

संसद हमले के ...

इसके बाद उसके शरीर पर लगे बम में भी ब्लास्ट हो गया था। बाकी के 4 आतंकियों ने गेट नंबर-4 से सदन में घुसने की कोशिश की, लेकिन इनमें से 3 आतंकियों को वहीं पर मार दिया गया था। इसके बाद बचे हुए आखिरी आतंकी ने गेट नंबर-5 की तरफ दौड़ लगाई, लेकिन वो भी जवानों की गोली का शिकार हो गया। जवानों और आतंकियों के बीच 11:30 बजे शुरू हुई ये मुठभेड़ शाम को 4 बजे खत्म हुई। इस पूरे हमले में दिल्ली पुलिस के 5 जवान, सीआरपीएफ की एक महिला सिक्योरिटी गार्ड, राज्यसभा के 2 कर्मचारी और एक माली की मौत हो गई। इस हमले के दो दिन बाद 15 दिसंबर 2001 को आतंकी अफजल गुरु, एसएआर गिलानी, अफशान गुरु और शौकत हुसैन को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने गिलानी और अफशान को बरी कर दिया, लेकिन अफजल गुरु की मौत की सजा को बरकरार रखा। 9 फरवरी 2013 को अफजल गुरु को दिल्ली की तिहाड़ जेल में सुबह 8 बजे फांसी पर लटका दिया गया।

एशियन रिसर्फेसिंग मामले ...

उन्होंने कहा कि विभिन्न हाई कोर्ट की स्वायत्तता को बरकरार रखने की जरूरत है। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने राकेश द्विवेदी की सहमति जताते हुए और कहा कि हाई कोर्ट के न्यायिक विवेक को 'न्यायिक परमादेश या निरंतर परमादेश' द्वारा कम नहीं किया जा सकता है। बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 226 हाई कोर्ट को व्यापक रूप से शक्तिशाली बनाता है। इस अनुच्छेद के तहत हाई कोर्ट को मौलिक अधिकारों को लागू करने और अन्य उद्देश्यों के लिए किसी भी व्यक्ति या सरकार को रिट और आदेश जारी कर सकने का अधिकार मिला है।

इससे पहले पिछली सुनवाई के दौरान इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से पेश होते हुए द्विवेदी ने कहा कि 2018 का आदेश बहुत सारी समस्याएं पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा, सवाल यह है कि क्या संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए हाईकोर्ट की धारा 226 के तहत शक्ति को इस तरह कम किया जा सकता है। पीठ ने उनके तर्क पर सहमति जताते हुए कहा कि ऐसा हमेशा नहीं होता है कि पक्षों की चूक के कारण मामले नहीं उठाए जाते, अदालत कह सकती है कि रोक किसी विशेष तारीख तक या अगले आदेश तक लागू रहेगी। पीठ ने कहा, हमारा विचार है कि 2018 के फैसले में जो सिद्धांत दिया गया है, वह इस आशय का है कि रोक ऑटोमैटिक रूप से निरस्त हो जाएगी, जिसका अर्थ होगा कि रोक होनी चाहिए या नहीं, इस पर न्यायिक विचार किए बिना रोक का स्वत: निरस्त होना।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीम इंडिया वर्ल्ड कप हारने के बाद भी नहीं सुधरी

इतनी बड़ी गलतियां कैसे कर सकते हैं राहुल द्रविड़?

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला टी20 तो बारिश से धुल गया लेकिन दूसरे टी20 में मुकाबला भी हुआ और भारतीय टीम हार भी गई. बारिश से प्रभावित इस मैच में साउथ अफ्रीका ने 5 विकेट से जीत दर्ज की. बड़ी बात ये है कि टीम इंडिया ने इस मैच में ऐसी गलतियां की जो सच में हैरान करती हैं.

डरबन में पहला टी20 मैच बारिश में धुलने के बाद टीम इंडिया दूसरे टी20 में उतरी और साउथ अफ्रीका के खिलाफ उसे करारी हार का सामना करना पड़ा. बड़ी बात ये है कि टीम इंडिया 180 रन बनाने के बावजूद हार गई. इस मुकाबले में बारिश ने दखल दिया और उसके बाद साउथ अफ्रीका ने कमाल की बैटिंग कर टीम इंडिया से मैच छीन लिया. इसमें कोई दो राय नहीं है कि साउथ अफ्रीकी टीम ने इस मैच में बेहतरीन खेल दिखाया लेकिन मैच से पहले ही टीम इंडिया ने कुछ ऐसी गलतियां की जिससे उसकी हार तय हो गई थी. हेड कोच राहुल द्रविड़ टीम के साथ थे और उनकी मौजूदगी में इस तरह के फैसले लिए गए जो सच में चौंकाते हैं.

टीम इंडिया की पहली बड़ी गलती

टीम इंडिया ने प्लेइंग इलेवन चुनने में ही सबसे बड़ी गलती कर दी. पिछली सीरीज के स्टार रहे और दुनिया के नंबर 1 टी20 गेंदबाज को ही भारतीय टीम ने प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया. बात हो रही है रवि बिश्नोई की जिन्हें टीम इंडिया ने दूसरे टी20 में मौका नहीं दिया. अब उन्हें आराम दिया गया या कुछ और लेकिन उनकी गैरमौजूदगी टीम इंडिया को भारी पड़ी.

इशान पर भरोसा नहीं

इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप से पहले नए खिलाड़ियों को टेस्ट कर रही है लेकिन इसके साथ-साथ उसे मैच जीतने पर भी ध्यान रखना जरूरी है. टीम इंडिया ने अनुभवी इशान किशन को टीम से ड्रॉप किया और उनकी जगह जितेश शर्मा को चुना गया. इशान अगर प्लेइंग इलेवन में होते तो टीम में अनुभव होता और वो बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं तो ज्यादा कॉन्ट्रिब्यूशन दे सकते थे.

प्रगनानंदा के कोच समेत सात द्रोणाचार्य के लिए नामित

ध्यानचंद अवॉर्ड के लिए इन नामों की सिफारिश

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। शतरंज की नई सनसनी ग्रैंड मास्टर आर प्रगनानंदा और उनकी बड़ी बहन आर वैशाली के कोच आरबी रमेश को द्रोणाचार्य अवॉर्ड केलिए नामित किया गया है। ग्रैंड मास्टर रमेश खुद शतरंज के खिलाड़ी रहे हैं और प्रगनानंदा, वैशाली की सफलता में उनका बड़ा योगदान है। रमेश के अलावा छह अन्य प्रशिक्षकों को द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। वहीं हॉकी ओलंपियन विनीत कुमार, 1998 के राष्ट्रमंडल खेलों का कांस्य जीतने वाली बैडमिंटन खिलाड़ी मंजूषा कंवर और एशियाई खेलों का स्वर्ण जीतने वाली कबड्डी खिलाड़ी कविता को ध्यानचंद लाइफटाइम अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है।

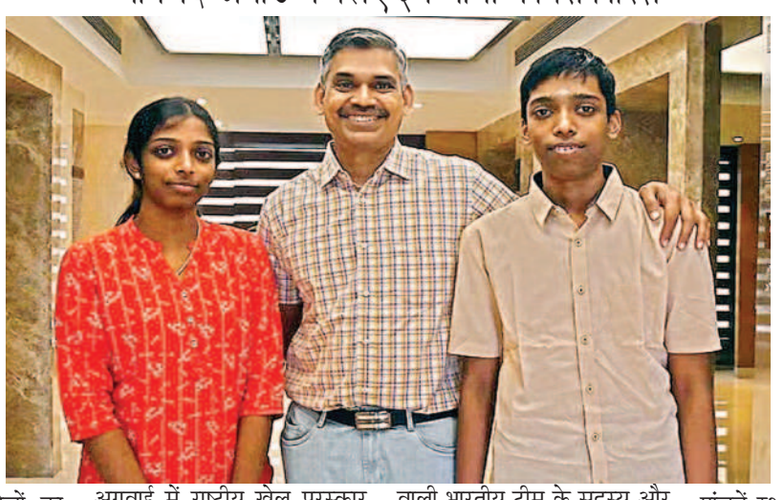

कबड्डी कोच भास्करन भी नामितों में

सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत जज जस्टिस एएस खानविल्कर की अगुवाई में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार की मैराथन बैठक में द्रोणाचार्य और ध्यानचंद लाइफटाइम अवॉर्ड के लिए नामों की सिफारिश की गई। बैठक बुधवार को भी जारी रहेगी, जिसमें देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कारों पर फैसला होगा। 12 सदस्यीय समिति ने द्रोणाचार्य लाइफटाइम अवॉर्ड के लिए हिरोशिमा एशियाड में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य और जाने-माने कबड्डी कोच ई भास्करन, गोल्फ में जसकीरत सिंह और टेबल टेनिस में मौमा दास समेत कई नामी खिलाडियों को तैयार कर चुके कोलकाता के जयंत कुमार के नाम की सिफारिश की है।

हॉकी खिलाड़ी शिवेंद्र के नाम की भी द्रोणाचार्य के लिए सिफारिश

वहीं नियमित वर्ग में द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए ओलंपिक पदक विजेता रवि कुमार को कोचिंग देने वाले छत्रसाल स्टेडियम के ललित कुमार, आरबी रमेश, गुआंगझू एशियाई खेलों में कांस्य जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य फॉरवर्ड और भारतीय टीम के कोच शिवेंद्र सिंह के अलावा मलखंब के गणेश प्रभाकर के नाम की सिफारिश की गई है।

विनीत कुमार जाने-माने फुलबैक रहे हैं

1984 के लॉस एंजेल्स ओलंपिक में पांचवें स्थान पर रहने वाली टीम और 1986 के एशियाड में कांस्य विजेता टीम के सदस्य जाने-माने राइट फुलबैक विनीत कुमार के अलावा बैडमिंटन में युगल की विशेषज्ञ मंजूषा कंवर और कबड्डी खिलाड़ी कविता के नाम की ध्यानचंद अवॉर्ड के लिए सिफारिश की गई है। खेल मंत्रालय की अंतिम मंजूरी के बाद इन नामों पर पुरस्कार की मुहर लग जाएगी।

नीदरलैंड को हराकर भारत जूनियर विश्व कप हॉकी के सेमीफाइनल में, अब जर्मनी से होगी टक्कर

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए भारतीय टीम ने जूनियर हॉकी विश्व कप में नीदरलैंड जैसी मजबूत टीम को 4-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम गुरुवार को सेमीफाइनल में जर्मनी से खेलेगी। विश्व रैंकिंग में तीसरे और चौथे स्थान पर काबिज भारत और नीदरलैंड के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मध्यांतर तक डच टीम 2-0 से आगे थी लेकिन उसके बाद भारत ने वापसी की और दूसरे हाफ में चार गोल दागे।

नीदरलैंड के लिए टिमो बोएर्स (5वां मिनट), पेपिन वान डेर हेडेन (16वां मिनट) और ओलिवियर होर्टेनसियस (44वां मिनट) ने गोल किए जबकि भारत के लिए आदित्य लालागे (34वां मिनट), अरिजीत सिंह हुंडल (36वां मिनट),आनंद कुशवाहा (52वां मिनट) और कप्तान उत्तम सिंह (57वां मिनट) ने गोल दागे।

भारत ने मैच में की शानदार वापसी

नीदरलैंड टीम ने पहले ही क्वार्टर से आक्रामक शुरुआत करते हुए पेनॉल्टी कॉर्नर बनाया जिसे बोएर्स ने गोल में बदला। दूसरे क्वार्टर के पहले ही मिनट में वान डेर हेडेन ने दूसरे पेनाल्टी कॉर्नर को तब्दील करके टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी जो मध्यांतर तक बनी रही। तीसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार वापसी की जिसके सूत्रधार अरिजीत सिंह रहे। उन्होंने 34वें मिनट में लालागे के गोल में सहायक की भूमिका निभाई और दो मिनट बाद पेनॉल्टी स्ट्रोक को तब्दील करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। तीसरे क्वार्टर में ही डच टीम ने फिर बढ़त बनाई जब ओलिवियर ने पेनॉल्टी कॉर्नर तब्दील किया

आखिरी दस मिनटों में भारतीय टीम ने जबर्दस्त हॉकी का प्रदर्शन करते हुए दो गोल कर डाले। कुशवाहा ने 52वें मिनट में रिबाउंड पर गोल करके स्कोर बराबर किया। भारत को 57वें मिनट में महत्वपूर्ण पेनाल्टी कॉर्नर मिला जिस पर गोल करने में कप्तान उत्तम सिंह ने चूक नहीं की।

रक्षक पंक्ति का अंतिम क्वार्टर में बेहतरीन प्रदर्शन

आखिरी दो मिनटों में डच टीम ने बराबरी का गोल करने की भरसक कोशिश की लेकिन भारतीय रक्षक पंक्ति चट्टान की तरह अडिग रही। आखिरी क्वार्टर में रोहित ने लगातार छह पेनाल्टी कॉर्नर बचाए और उन्हें इस शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एशियाई चैंपियनशिप में भी भाग नहीं लेंगी ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। चोटिल मीराबाई चानू की वापसी में और विलंब होगा क्योंकि ओलंपिक रजत पदक विजेता यह भारोत्तालक अगले साल फरवरी में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगी। पूर्व विश्व चैंपियन चानू अब भी अक्तूबर में एशियाई खेलों के दौरान लगी 'हिप टेंडिनाईटिस' चोट से उबर रही हैं।

49 किग्रा वजन वर्ग में हिस्सा लेने वालीं चानू ने आईडब्ल्यूएफ ग्रां प्री दो में भी कोई वजन नहीं उठाया। उम्मीद थी कि वह उज्बेकिस्तान के ताशकंद में तीन से 10 फरवरी तक होने वाली एशियाई चैंपियनशिप तक फिट हो जाएंगी।

चानू ने कहा, ''मैं इस बार एशियाई चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं लूंगी। बल्कि मैं विश्व कप में शिरकत करूंगी।' पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन नियमों के अनुसार एक भारोत्तोलक को 2023 विश्व चैंपियनशिप और 2024 विश्व कप (थाईलैंड के फुकेट में 31 मार्च से 11 अप्रैल तक) में हिस्सा लेना अनिवार्य है।

इन दोनों टूर्नामेंट के अलावा एक भारोत्तोलक को 2022 विश्व चैंपियनशिप, 2023 और 2024 महाद्वीपीय चैंपियनशिप, 2023 ग्रां प्री एक और 2023 ग्रां प्री दो में से किसी तीन में हिस्सा लेना जरूरी है। पटियाला में 'रिहैबिलिटेशन' प्रक्रिया से गुजर रही चानू की योजना फरवरी में अमेरिका जाकर डाक्टर आरोन होर्शिग के साथ काम करने की भी है जिनसे वह 2020 से सलाह ले रही हैं।

गुवाहाटी मास्टर्स जीतने पर अश्विनी-तनीषा को बड़ा फायदा

महिला युगल रैंकिंग में 24वें स्थान पर

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले दो सप्ताह से शानदार प्रदर्शन कर रही भारतीय महिला बैडमिंटन युगल टीम अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रैस्टो ताजा बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में चार पायदान चढकर 24वें स्थान पर पहुंच गईं। 34 वर्ष की अश्विनी और 20 वर्ष की तनीषा ने इस साल जनवरी में साथ खेलना शुरू किया था। दोनों ने रविवार को गुवाहाटी मास्टर्स में ताइवान की सुंग शुओ युन और यू चियेन हुइ को सीधे गेम में हराकर दूसरा सुपर 100 खिताब और तीसरा महिला युगल खिताब जीता। दोनों लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में उपविजेता रही थीं। अब उनके 16 टूर्नामेंटों में 44590 अंक हैं। भारत की ही गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली 19 टूर्नामेंटों में 49435 अंक के साथ 19वें स्थान पर है।लक्ष्य सेन पिछले दो सप्ताह से नहीं खेलने के बावजूद एक पायदान चढकर 17वें स्थान पर हैं।

यूपी के नेहल और शशांक को बैडमिंटन में स्वर्ण

पंजाब की जसप्रीत को पैरालिफ्टिंग में गोल्ड

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नेहल गुप्ता ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स में एसएल-3 श्रेणी में बिहार के उमेश विक्रम कुमार को 19-21, 21-7, 21-17 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। खेलों में स्पर्धा के तीसरे दिन आईजी स्टेडियम और नेहरू स्टेडियम में बैडमिंटन और ट्रैक एंड फील्ड के मुकाबले हुए।

महिलाओं की एसयू-5 में महाराष्ट्र की दूसरी वरीयता की खिलाड़ी आरती पाटिल ने हरियाणा की लतिका को तीन गेमों के मुकाबले में 15-21, 22-20, 21-8 से पराजित किया। पुरुषों के एसयू 5 एकल वर्ग में हरियाणा के देव राठी ने अपने ही राज्य के शीर्ष वरीय हार्दिक मक्कड़ को 21-19, 21-19, 21-19 से हराकर उलटफेर कर दिया।

डब्ल्यू एच श्रेणी में उत्तर प्रदेश के शशांक कुमार ने पश्चिम बंगाल के अंकित प्रधान को 21-7, 21-9 से हराकर पीला तमगा जीता। पुरुषों व्हील चेयर-2 श्रेणी पंजाब के अबोहर के संजीव कुमार ने कर्नाटक के मंजूनाथ को 21-12, 21-7 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीता। एसएच-6 में तमिलनाडु के पैरा एथलीट सुदर्शन एम एस ने दीनाघरन पी को 21-16, 21-17 से हराकर पहला स्थान हासिल किया।

तमिलनाडु के नवीन शिवकुमार ने छत्तीसगढ़ के अभिजीत सखूजा को एसएल-4 में 22-20, 21-14 से मात दी। महिलाओं की एसएल-4 श्रेणी के फाइनल में हरियाणा की ज्योति ने असम की चिरंजीता भारली को 21-9, 21-5 से हराया। व्हील चेयर-2 में उत्तर प्रदेश की रुचि त्रिवेदी ने खिताबी मुकाबले में कर्नाटक की अमू मोहन को 21-19, 21-18 से हराया।

पंजाब की जसप्रीत कौर ने प्रथम खेलो इंडिया पैरा गेम्स के पैरालिफ्टिंग के 45 भारवर्ग में 85 किलो वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता जबकि गुजरात के सपना शाह ने 47 किलो उठाकर रजत जबकि महाराष्ट्र की सोनम पाटिल ने 40 किलो वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान, उदय सहारण को मिली कप्तानी

मुंबई, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। अगले साल के शुरुआत में होने वाले अंडर 19 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है. टूर्नामेंट के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी उदय सहारण को सौंपी गई है.

साउथ अफ्रीका की मेजबानी में होने वाले अंडर 19 वर्ल्ड कप का आगाज 19 जनवरी को होगा. इस दिन दो मैचों खेले जाएंगे. पहले मैच में आयरलैंड का सामना अमेरिका से और फिर दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज का सामना साउथ अफ्रीका से होगा.

वर्ल्ड कप से पहले खेलेंगे त्रिकोणीय सीरीज

भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 20 जनवरी को खेलेगी. यह टक्कर बांग्लादेश के खिलाफ होगी. इस वर्ल्ड कप से ठीक पहले भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका में ही एक त्रिकोणीय सीरीज भी खेलेनी है. इसमें भारत और साउथ अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड तीसरी टीम होगी.

इस त्रिकोणीय सीरीज में भी यही भारतीय टीम उतरेगी. यह सीरीज 29 दिसंबर से खेली जाएगी और फाइनल 10 जनवरी को होगा. करीब 9 दिन आराम के बाद भारतीय टीम अंडर 19 वर्ल्ड कप में अपना आगाज करेगी.

ग्रुप स्टेज में नहीं होगा भारत-पाकिस्तान मैच

भारतीय टीम को अंडर 19 वर्ल्ड कप के ग्रुप ए में रखा गया है. इस ग्रुप में उसके साथ बांग्लादेश, आयरलैंड और अमेरिका की टीमें हैं. टूर्नामेंट में भारतीय टीम को अपना दूसरा मैच 25 जनवरी को आयरलैंड और तीसरा मुकाबला 28 को अमेरिका के खिलाफ खेलना है.

अंडर 19 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 11 फरवरी को बेनोनी खेला जाएगा. इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीम भाग लेंगी जिन्हें 4 ग्रुप में बांटा गया है. पाकिस्तान को ग्रुप डी में रखा गया है. ऐसे में ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान का मैच देख पाना नामुमकिन है.

भारत ने सबसे ज्यादा बार जीता अंडर 19 वर्ल्ड कप

भारतीय टीम अंडर 19 वर्ल्ड कप 2024 में बतौर डिफेंडिंग चैम्पियन उतरने वाली है. उसने 2020 में इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता था. भारत इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है जिसने पांच बार ट्रॉफी जीती है. वह पिछले चार वर्ल्ड कप की फाइनलिस्ट है और दो बार विजेता बनी है. 2016 और 2020 में उसे क्रमशः वेस्टइंडीज और बांग्लादेश से हार झेलनी पड़ी थी.

अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय स्क्वॉड

उदय सहारण (कप्तान), सॉमी कुमार पांडे (उपकप्तान), अर्शिन कुलकर्णी, आदर्श सिंह, रुद्र पटेल, सचिन धस, प्रियांशु मोलिया, मुशीर खान, अरावली अवनीश राव (विकेटकीपर), मुरुगन अभिषेक, इन्नेश महाजन (विकेटकीपर), धनुष गौड़ा, आराध्य शुक्ला, राज लिंबनी और नमन तिवारी.

स्टैंड बाईः प्रेम देवकर, अंश गोसाई, मोहम्मद अमान.

बैकअप खिलाड़ीः दिग्विजय पाटिल, जयंत गोयत, पी विग्नेश और किरन चोरमाले.

टखने की चोट के कारण अनवर अली संभावितों की सूची से बाहर, एएफसी एशियाई कप से रहेंगे दूर

नई दिल्ली, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने 50 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की सूची में से 23 वर्षीय अली को बाहर रखा है क्योंकि उनके दायें टखने में फ्रेक्चर हो गया है। अली की अनुपस्थिति में उम्मीद है कि डिफेंस की जिम्मेदारी संदेश झिंगन, प्रीतम कोटल और सुभाशीष बोस उठाएंगे।

भारत को 12 जनवरी से कतर में शुरू होने वाले एएफसी एशियाई कप में अपने मुख्य सेंट्रल डिफेंडर अनवर अली की कमी खलेगी जो टखने की चोट के कारण इस प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। भारत ने 50 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की सूची में से 23 वर्षीय अली को बाहर रखा है क्योंकि उनके दायें टखने में फ्रेक्चर हो गया है। अली की अनुपस्थिति में उम्मीद है कि डिफेंस की जिम्मेदारी संदेश झिंगन, प्रीतम कोटल और सुभाशीष बोस उठाएंगे।

अली की चोट से मुख्य कोच इगोर स्टिमेच की योजना प्रभावित होगी जिन्होंने संभावित खिलाड़ियों में मिडफील्डर जैक्सन सिंह को शामिल करने का जोखिम लिया है क्योंकि केरला ब्लास्टर का यह खिलाड़ी भी कंधे की चोट से जूझ रहा है। देखना होगा कि जैक्सन 13 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशियाई कप के पहले मैच से पहले 23 खिलाड़ियों की टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं।

हैदराबाद पुलिस ड्रग माफिया पर कार्रवाई तेज करेगी : श्रीनिवास रेड्डी

नए सीपी ने कार्यभार संभाला और ड्रग तस्करों को दी चेतावनी

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को बंजारा हिल्स स्थित पुलिस मुख्यालय में कार्यभार संभालने वाले हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद पुलिस ड्रग माफिया के खिलाफ अपनी कार्रवाई और तेज करेगी और संदिग्धों से सख्ती से निपटेगी। मीडिया से बातचीत में हैदराबाद सीपी ने कहा कि जो लोग मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन में लिप्त हैं, उन्हें राज्य छोड़कर चले जाना चाहिए। किसी भी कीमत पर हम ड्रग माफिया को अस्तित्व में नहीं आने देंगे। लोगों को इस खतरे को खत्म करने में पुलिस के साथ साझेदारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे उदाहरण हैं जहां टॉलीवुड के लोग नशीली दवाओं के मामलों में पकड़े गए थे और हम निश्चित रूप से उद्योग और पब, स्टार होटलों और रिसॉर्ट्स पर अपना ध्यान केंद्रित रखेंगे। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य हैदराबाद को नशा मुक्त शहर बनाना है और इसे हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास करना है।" श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि पुलिस महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देगी और शी टीमों को और मजबूत करेगी और उन्हें और अधिक कुशल बनाएगी। उन्होंने कहा कि नवीनतम तकनीक का उपयोग करके अवांछनीय घटनाओं के मामलों में त्वरित प्रतिक्रिया टीम को मजबूत किया जाना चाहिए और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बुनियादी पुलिसिंग में भी सुधार किया जाना चाहिए। महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए उनकी टीमों को भी मजबूत किया जाएगा, महिलाओं को परेशान करने, छेड़छाड़ करने और रैगिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में मित्रवत पुलिसिंग का उपहास उड़ाया गया है, हर किसी के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करना एक नुकसान है। हम कानून का पालन करने वाले लोगों के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करते हैं। लेकिन अगर कोई कानून तोड़ेगा तो हम सख्त होंगे। इस अवसर पर विक्रम सिंह मान एडिशनल सीपी एलएंडओ, पी. विश्व प्रसाद एडिशनल सीपी स्पेशल ब्रांच, श्रीमती जे.परिमाला हाना नूतन ज्वाइंट सीपी एडमिन, गजाराव भूपाल ज्वाइंट सीपी क्राइम एंड एसआईटी, जोएल डेविस डीसीपी पश्चिम क्षेत्र और टी.रादेश मुरली डीसीपी एसएमआईटी आदि उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री मल्ला रेड्डी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक सीएच मल्ला रेड्डी के खिलाफ शमीरपेट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। शिकायत इस आरोप के साथ दर्ज की गई थी कि मल्लारेड्डी ने आदिवासियों की 42 एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया है। पुलिस ने मल्लारेड्डी की शिकायत पर एससी, एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूर्व मंत्री के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। पीड़ितों की शिकायत है कि हाल के विधानसभा चुनाव के दौरान आरोपियों ने रातों-रात आदिवासियों की जमीन की अवैध तरीके से रजिस्ट्री कर दी। मल्लारेड्डी पर पहले भी जमीन कब्जाने के आरोप लगे थे। इस संबंध में मामले भी दर्ज किये गये हैं। गौरतलब है कि बीआरएस पार्टी की हार के बाद मल्ला रेड्डी के खिलाफ जमीन कब्जा करने के आरोप में ताजा मामला दर्ज किया गया है। मल्ला रेड्डी ने हाल के विधानसभा चुनावों में मेडचल से विधायक के रूप में जीत हासिल की है।

प्रजा भवन डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क का आधिकारिक आवास

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन, बेगमपेट में आवासीय भवन को उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू को उनके आधिकारिक आवासीय आवास के रूप में आवंटित किया गया है। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने बुधवार को इस आशय का आदेश जारी किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कथित तौर पर जुबली हिल्स में अपने आवास में रहना पसंद कर रहे है। इसलिए प्रजा भवन उप मुख्यमंत्री को आवंटित किया गया है। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को प्रजा भवन उपमुख्यमंत्री को सौंपने का निर्देश दिया है। बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान, प्रजा भवन, जिसे प्रगति भवन कहा जाता था, में पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का कैंप कार्यालय था।

राष्ट्रपति के वार्षिक प्रवास को लेकर सीएस ने की बैठक

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 18 से 23 दिसंबर तक हैदराबाद के अपने वार्षिक प्रवास पर रहेंगी। इसी को लेकर तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने राष्ट्रपति की यात्रा के लिए की जाने वाली व्यवस्थाओं पर चर्चा के लिए एक उच्च स्तरीय आधिकारिक बैठक बुलाई। उन्होंने अधिकारियों से उचित समन्वय सुनिश्चित करने और उचित तरीके से विस्तृत व्यवस्था करने को कहा। राष्ट्रपति मुर्मू पांच दिनों के लिए हैदराबाद में रहेंगे और 23 दिसंबर को रवाना होंगे। पुलिस विभाग को पर्याप्त सुरक्षा, यातायात और बंदोबस्त व्यवस्था करने के लिए कहा गया। स्वास्थ्य, आरएंडबी, नगरपालिका, ऊर्जा और अन्य लाइन विभागों को भी ब्लू बुक के अनुसार फुलप्रूफ व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। बैठक में डीजीपी रवि गुप्ता, विशेष मुख्य सचिव सुनील शर्मा, सचिव जीएडी शेषाद्री, सचिव स्वास्थ्य एसएएम रिजवी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और लाइन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

सिकंदराबाद-दानापुर 7 जनवरी तक वाराणसी, प्रयागराज नहीं जाएगी

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर मध्य रेलवे पर प्रयागराज स्टेशन के प्रमुख उन्नयन कार्य और प्लेटफार्म नंबर 9 और 10 को बंद करने के कारण सिकंदराबाद-दानापुर-सिकंदराबाद ट्रेनों का मार्ग बदल दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन नंबर 12791 सिकंदराबाद-दानापुर 27 नवंबर 2023 से 7 जनवरी 2024 तक मानिकपुर, मुगलसराय होकर गुजर रही है। यह ट्रेन प्रयागराज और वाराणसी नहीं जा रही है। इसी क्रम में ट्रेन नंबर 12792

दानापुर-सिकंदराबाद 27 नवंबर से 7 जनवरी 2024 तक मुगलसराय, मानिकपुर से गुजर रही है।

कांग्रेस, बीआरएस, एमआईएम एक ही पार्टियां : डीके अरुणा

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम पार्टियां एक ही हैं और उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव उसी का प्रमाण है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस सरकार से चुनावी वादों को लागू करने की मांग की। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि आर्थिक स्थिति का बहाना बनाकर वादों को कुचलने का प्रयास किया जाएगा, उन्होंने मांग की कि रयथु बंधु योजना का लाभ तुरंत किसानों के खातों में जमा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं 500 रुपये के गैस सिलेंडर के इंतजार में गैस एजेंसियों के सामने लाइन लगा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि पूर्व सीएम केसीआर की सरकार के प्रति लोगों का विरोध तेलंगाना में भाजपा के संघर्ष के कारण आया। अरुणा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मुफ्त सुविधाओं के वादे के साथ सत्ता में आई थी। उन्होंने कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने अपने वोट शेयर और सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव में तेलंगाना में अधिकांश एमपी सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम और वर्तमान सीएम को कामारेड्डी विधानसभा सीट पर बीजेपी उम्मीदवार ने कुचल दिया था और कहा कि विधानसभा चुनावों ने साबित कर दिया है कि तेलंगाना के लोग बीजेपी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार चाहते हैं।

पीआरएसआई ने सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी को दी बधाई

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) हैदराबाद चैप्टर ने ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली हाल ही में स्थापित कांग्रेस सरकार में सूचना और जनसंपर्क विभाग के मंत्री के रूप में पदभार संभालने पर पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी को हार्दिक बधाई दी। यह सम्मान रविवार को बुलाई गई कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान प्रदान किया गया, जहां सदस्यों ने अपने समर्थन की पुष्टि करते हुए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव के अनुसार पोंगुलेटी की नियुक्ति की मुख्यमंत्री ने एक विवेकपूर्ण पसंद के रूप में सराहना की है, जिन्होंने एक अनुभवी राजनेता और एक कुशल संचारक दोनों के रूप में उनकी दोहरी ताकत को पहचाना। प्रस्ताव में कहा गया है कि आई और पीआर विभाग, जिसे सरकारी नीतियों और पहलों के प्रसार के लिए प्रमुख माध्यम माना जाता है, पोंगुलेटी के नेतृत्व में फलने-फूलने के लिए तैयार है। पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. एस. रामू ने आई और पीआर विभाग को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने में श्री पोंगुलेटी की क्षमता के बारे में आशा व्यक्त की। डॉ. रामू, जो मंत्री के रूप में खम्मम जिले से भी संबंधित हैं, ने जनता के प्रति श्री पोंगुलेटी के सौहार्दपूर्ण दृष्टिकोण की पुष्टि की। पीआरएसआई हैदराबाद के सचिव के. यादगिरी ने नवनियुक्त आई और पीआर मंत्री को बधाई देने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल की योजना की घोषणा की।

कारगिल से कन्याकुमारी तक लगातार तीसरा अभियान पूरा किया

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर स्थित साइक्लिंग समूह 'हैदराबाद साइक्लिस्ट ग्रुप' (एचसीजी) ने एक अभूतपूर्व उपलब्धि के साथ भारतीय साइक्लिंग इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है। उन्होंने नवंबर से दिसंबर 2023 तक कारगिल से कन्याकुमारी तक 3800 किलोमीटर के अभियान पर विजय प्राप्त की, जिससे देश में साइकिल चलाने के लिए एक नया मानक स्थापित हुआ। एचसीजी के संस्थापक और उत्साही साइक्लिंग समर्थक रविंदर नंदनूरी के नेतृत्व में, यात्रा 21 नवंबर को कारगिल युद्ध स्मारक पर शुरू हुई। चरम मौसम को सहते हुए, टीम ने अत्यधिक लचीलेपन और समर्पण का प्रदर्शन करते हुए, 13 दिसंबर को विजयी रूप से अपना अभियान समाप्त किया। यह उपलब्धि केवल विशाल दूरी तय करने के बारे में नहीं है; यह स्वस्थ भारत के लिए साइकिल चलाने को बढ़ावा देने के एक बड़े मिशन का प्रतीक है। उल्लेखनीय रूप से, यह इस चुनौतीपूर्ण यात्रा में एचसीजी की लगातार तीसरी जीत है, जिससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की पहली टीम बन गई है। इसके अलावा, हैदराबाद के 39 सवारों ने केवल दो वर्षों में मार्ग पूरा किया, जो एचसीजी के प्रयासों से प्रेरित साइकिल चलाने के शौकीनों के बढ़ते समुदाय को उजागर करता है। रविंदर नंदनूरी ने साइकिलिंग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का उदाहरण देते हुए इस चुनौतीपूर्ण लेकिन फायदेमंद यात्रा के माध्यम से टीम का नेतृत्व किया। एचसीजी की ऐतिहासिक जीत भारत की साइकिलिंग कथा में एक स्थायी विरासत स्थापित करती है, साइकिल चालकों की पीढ़ियों को प्रेरित करती है और एक स्वस्थ, अधिक सक्रिय भारत का मार्ग प्रशस्त करती है।

कांग्रेस पार्टी ने लोगों को धोखा दिया है : केटीआर

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक केटी रामा राव ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने ऐसे वादे करके लोगों को धोखा दिया है जिन्हें लागू करना संभव नहीं है। केटीआर ने बुधवार को राज्य विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में कांग्रेस पार्टी के विधायक प्रसाद कुमार के नाम का प्रस्ताव करते हुए नामांकन पर हस्ताक्षर किए। बाद में उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा, ''कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में कभी भी सिर पर चर्चा नहीं हुई। कैग हर साल रिपोर्ट देता है,'' उन्होंने कहा कि ऑडिट गणना हर साल की जा रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने हर साल सिर पर एक श्वेत पत्र जारी किया था. क्या आप हिसाब-किताब करते हैं और गारंटी देते हैं? क्या आप वादे करते हैं और हिसाब-किताब करते हैं?'' उन्होंने कहा कि यह अब वादे करने वाले कांग्रेस शासकों के लिए एक वास्तविक खेल है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सत्ता में आने के दो दिनों के भीतर ऋण माफी का वादा किया था, उन्होंने पूछा कि पहली कैबिनेट बैठक में ऋण माफी और छह गारंटी की मंजूरी का क्या हुआ? उन्होंने कहा, "राज्य कर्ज के बोझ तले दब गया है और कल राज्यपाल अपने भाषण में वही पुरानी इमली की चटनी कहेंगी।" यह दावा करते हुए कि सत्तारूढ़ दल के नेता हर विधानसभा क्षेत्र में 45,000 नौकरियों का वादा कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि जब उनसे पूछा गया कि वे इसे कैसे पूरा करेंगे तो उनके पास कोई जवाब नहीं था?

भारतीय नौसेना ने 'नेवी बैंड कॉन्सर्ट' का आयोजन किया

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नौसेना सप्ताह 2023 के उत्सव के हिस्से के रूप में 12 और 13 दिसंबर 2023 को नेवी हाउस, सिकंदराबाद में एक नेवी बैंड कॉन्सर्ट आयोजित किया गया था। कॉन्सर्ट का आयोजन मुख्यालय पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापत्तनम के तत्वावधान में किया गया था और इसकी मेजबानी रियर एडमिरल रवनीश ने की थी। सेठ, स्टेशन कमांडर (भारतीय नौसेना), हैदराबाद, हैदराबाद में नौसेना बिरादरी की ओर से। तेलंगाना की राज्यपाल और पुडुचेरी की उपराज्यपाल श्रीमती (डॉ.) तमिलिसाई सुंदरराजन 13 दिसंबर 2023 को समारोह की मुख्य अतिथि थीं। आयोजन स्थल पर भारतीय नौसेना के संचालन को दर्शाने वाले विभिन्न बैनर और स्टैंड प्रदर्शित किए गए थे, जो इस पर प्रकाश डालते थे। "भारतीय नौसेना - युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य के लिए सुरक्षित" की थीम।

बैंड कॉन्सर्ट के हिस्से के रूप में, कमांडर मनोज सेबेस्टियन, प्रधान कंडक्टर और लेफ्टिनेंट कमांडर जे पद्मनाभन, सहायक प्रधान कंडक्टर के मार्गदर्शन में नौसेना सिम्फोनिक बैंड द्वारा धुनों का एक आकर्षक समूह प्रस्तुत किया गया। स्कोर में मार्शल धुनों, रेट्रो हॉलीवुड और बॉलीवुड मूवी थीम, कर्नाटक फ्यूजन और देशभक्ति धुनों सहित संगीत की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी। कार्यक्रम में दोनों शहरों में तैनात तीनों सेनाओं के सेवारत अधिकारियों, रक्षा प्रतिष्ठानों और डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के प्रमुखों, अनुभवी अधिकारियों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और उद्योग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अलावा, 14 दिसंबर 2023 को आम जनता के लिए हुसैन सागर झील पर डॉ. बीआर अंबेडकर प्रतिमा पर नौसेना सिम्फोनिक बैंड द्वारा एक विशेष प्रदर्शन भी आयोजित किया जाएगा।

केंद्र सरकार का पूर्वोत्तर पर कितना ध्यान

सोनोवाल ने पीएम मोदी-केंद्रीय मंत्रियों के दौरे गिनाकर बताया

गुवाहाटी, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी सरकार के नौ साल के कार्यकाल के दौरान राज्य में हुए विकास पर बात की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नौ साल के कार्यकाल में क्षेत्र के लिए अपनी गारंटी से अधिक काम किया है। असम के पूर्व सीएम ने बताया कि पीएम मोदी उत्तर-पूर्वी राज्यों का अबतक 64 बार दौरा कर चुके हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि सड़क, रेलवे, जलमार्ग और हवाई संपर्क सहित बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए नौ वर्षों में क्षेत्र के आठ राज्यों को पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। उन्होंने कहा कि हवाईअड्डों की संख्या बढ़कर अब नौ से 17 हो चुकी है। सोनोवाल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद, प्रदर्शन, कमजोर सरकारें और घोटालों ने उनके शासन में क्षेत्र को बहुत प्रभावित किया है। उन्होंने कांग्रेस पर संसाधनों को लूटने का भी आरोप लगाया है। पूर्व सीएम ने बताया कि कांग्रेस के शासन काल में मंत्रियों और अधिकारियों से मिलने के लिए क्षेत्र के प्रतिनिधियों को महीनों तक इंतजार करना पड़ता था। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने क्षेत्र के लोगों तक पहुंच बनाई है। खुद प्रधानमंत्री ने यहां 64 बार दौरा किया है।

उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी यहां 64 बार दौरा कर चुके हैं, लेकिन 60 वर्षों के अपने शासनकाल के दौरान कांग्रेस जो नहीं कर पाई उसे पीएम मोदी ने केवल नौ वर्षों में ही कर दिखाया है। यही कारण है कि आठ उत्तरपूर्वी राज्यों में रहने वाले नागरिक पीएम मोदी के बारे में सकारात्मक सोच रखते हैं। उन्हें पीएम मोदी पर भरोसा है। उत्तरपूर्वी राज्यों में विकास अच्छी सरकार के वजह से ही हो पाया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपित सिब्बल द्वारा असम को म्यांमार का हिस्सा बताने वाली टिप्पणी पर सवाल किया गया तो सोनोवाल ने कहा कि उन्हें (सिब्बल) इतिहास का ज्ञान नहीं है।

रक्षा मंत्री 17 को वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड की समीक्षा करेंगे

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं के फ्लाइट कैडेटों के प्री-कमीशन प्रशिक्षण के सफल समापन को चिह्नित करने के लिए, वायु सेना अकादमी (एएफए), डुंडीगल में 212 अधिकारियों के पाठ्यक्रम की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) 17 दिसंबर 2023 को आयोजित की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सीजीपी के मुख्य अतिथि और समीक्षा अधिकारी (आरओ) होंगे। समारोह में फ्लाइट कैडेटों, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारियों के साथ-साथ मित्र विदेशी देशों के अधिकारियों को 'विंग्स' और 'ब्रेवेट्स' की प्रस्तुति शामिल है। 'विंग्स' और 'ब्रेवेट्स' पुरस्कार प्रत्येक सैन्य एविएटर के करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और प्रशिक्षण की एक कठिन अवधि की परिणति है। फ्लाइंग ब्रांच के फ्लाइट कैडेट, ऑर्डर-ऑफ-मेरिट में प्रथम स्थान पर रहेंगे, उन्हें समग्र प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चीफ ऑफ एयर स्टाफ, 'स्वोर्ड ऑफ ऑनर' और 'राष्ट्रपति पट्टिका' से सम्मानित किया जाएगा। कैडेट को परेड की कमान संभालने का भी विशेषाधिकार प्राप्त है। आरओ ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में से समग्र योग्यता क्रम में प्रथम स्थान पाने वाले प्रशिक्षु को राष्ट्रपति की पट्टिका भी प्रदान करेगा। परेड के बाद पिलाटस पीसी-7प्रशिक्षण विमान द्वारा फ्लाईपास्ट और एरोबेटिक प्रदर्शन किया जाएगा।

संसद सुरक्षा उल्लंघन की व्यापक जांच होनी चाहिए : नागेश्वर राव

खम्मम, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस लोकसभा नेता और खम्मम सांसद नामा नागेश्वर राव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बुधवार को संसद में सुरक्षा उल्लंघन पर एक व्यापक बयान जारी करने की मांग की। संसद की घटना पर चर्चा के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद सांसद ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्पीकर से घटना की व्यापक जांच कराने और तथ्य संसद के सामने लाने को कहा है। केंद्र सरकार ने कुछ समय तक अखबारों में छपी इस खबर पर ध्यान नहीं दिया कि हमले की आशंका है। नागेश्वर राव ने कहा कि उनका मानना है कि यह घटना सुरक्षा विफलता के कारण हुई। ठीक 22 साल पहले आज ही के दिन संसद के बाहर आतंकी हमला हुआ था और कई लोग मारे गए थे। लेकिन अब उन्होंने कहा कि यह घटना संसद के अंदर हुई थी। उन्होंने कहा कि दर्शक दीर्घा की ऊंचाई कम होने के कारण हमलावर सदन के बीच में कूद गए और रंगीन धुआं छोड़ा और कहा कि वह उस समय संसद के अंदर थे।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नवनियुक्त मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अयोध्या रेड्डी ने आज मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की और उनका आभार व्यक्त किया। अयोध्या रेड्डी ने सीएम कार्यालय में सीपीआरओ नियुक्त होने पर मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

टीएसआरटीसी ई मेट्रो एसी बसें चलाएगी

हैदराबाद, 13 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसआरटीसी ग्रेटर हैदराबाद जोन 15 दिसंबर से सिकंदराबाद-पाटनचेरु के बीच आठ ई-मेट्रो एसी बसें चलाएगा। बसें 24 मिनट की आवृत्ति के साथ पैराडाइज, बोवेनपल्ली, बालानगर और कुकटपल्ली से होकर चलेंगी।आरटीसी अधिकारियों ने कहा कि सिकंदराबाद से पहली और आखिरी बस सुबह 6.10 बजे और रात 8.28 बजे रवाना होगी। इसी तरह पठानचेरू से पहली और आखिरी बस सुबह 7.45 बजे और रात 10.03 बजे रवाना होगी।

सीएम विजयन ने गवर्नर से कहा, हमें धमकाने की कोशिश न करें

कोच्चि, 13 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बुधवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से कहा कि वह राज्य सरकार को धमकी न दें और उन्हें एक संवैधानिक प्रमुख की तरह व्यवहार करना चाहिए। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा, 'एक राज्यपाल को राज्यपाल की तरह काम करना चाहिए और हमें धमकी नहीं देनी चाहिए। आरिफ मोहम्मद खान अवसरवादी का सबसे अच्छा उदाहरण हैं। उनके लिए संवैधानिक प्रमुख की तरह व्यवहार करना बेहतर होगा।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल उन बैठकों में हिस्सा ले रहे हैं जो आरएसएस द्वारा आयोजित की जाती हैं। उन्होंने पूछा, क्या राज्यपाल के तौर पर उन्हें ऐसी बैठकों में हिस्सा लेना चाहिए। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन वर्तमान में 27 नवंबर से अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ सभी 140 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करते हुए राज्यव्यापी दौरे पर हैं। राज्यपाल ने राज्य की गंभीर वित्तीय स्थिति के लिए केरल सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। राज्यपाल ने कहा, 'क्या इस दौरे की कोई ज़रूरत थी? आर्थिक स्थिति को देखते हुए लोगों को अपनी आर्थिक समस्या के समाधान की जरूरत है, न कि इन दौरों की।' उन्होंने कहा कि उन्हें केरल के लिए खेद है। राजस्व केवल लॉटरी टिकटों और शराब की बिक्री से उत्पन्न होता है और उन्होंने राज्य में वित्तीय संकट के लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया है। राज्यपाल का बयान ऐसे समय आया है जब विजयन सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है कि केंद्र केरल के लिए फंड का गला घोंट रहा है और उसे ऋण लेने से रोक रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.